धौलारा--रुई के लिये (बम्बई प्रांतमें)
ब्रह्मपुर--मदरास प्रांतमें, रेशमी
एलोर-- गलीचे अच्छे होते है
नलोर--के बैल प्रसिद्ध है ।
दण्डीगल--की आबहवा अच्छी
अक्याब--ब्रह्मा मे चांवल ।
मौलमीन--लकड़ी का व्यापार ।
गोलाघाट--चाँवल ।
होशंगाबाद--ज़मीन जरखेज ।
सम्भलपुर--मे हीरे की खानि है
श्रीनगर--के दुशाले ।
लद्दाख--मे ऊन का व्यापार ।
भिलसा--का तम्बाकू ।
भावलपुर--मे रेशमी कपड़े ।
फैजाबाद--का लकडी का काम ।
लुधियाना--सूती, रेशमी कपडा ।
गुजरात--की तलवार ।

कालाबाग--फिटकरी की खानि ।
बारसी--रुई की मण्डी ।
विजिगापट्टन--सींग का काम ।
मच्छलीपट्टन--की छींट ।
कुम्बाकोनम, कांजीवरम--तीर्थ है ।
तूतीकोरन--रुई, मोती निकलते
प्रसिद्ध बन्दरगाह है ।
सेण्डवे, मगडौन--मे तम्बाकू पैदा
सिहलट--शीतलपाटी । नारंगियां
हींगनघाट--(मध्यहिन्द मे) रुई
की मण्डी ।
रामटेक--का पान अच्छा होता है ।
मुरतजापुर--खामगाम--रुई की मण्डी ।
नागौर--के बैल ।
बदर--का हुक्का ।
जोधपुर--संगमरमर की खानि ।

प्रत्येकनगर की दस्तकारी।

तसवीर—जैपुर मे कागज और चमड़े पर, अलीपुरा–दतिया–मी-शेरा–काङ्गडा–कपूरथला–मैसोर–लाहौर और इन्दौर मे कागज पर नाखुन से भी बनाते है, रामपूर और चन्द्रगिरी में काचपर।

दिल्ली, जयपुर बम्बई मे हाथी दांतपर, काशी और तिरचनापल्ली मे अवरक पर भी बनती हे। कडापामे चमडेपर।

लकड़ीकाकाम—नक्काशी–सहारनपुर, फर्रुखाबाद, मैनपुरी, नखलऊ, कानपुर, मथुरा, आगरा, बरेली, आजमगढ़, बेहेरा, पटयाला अमृतसर झेलम, राविलपिन्डी, हिसार, लाहौर, स्यालकोट, दभोई बड़ौदा पाटन, बीकानेर, इन्दौर कश्मीर में।

पत्थरकाकाम—आगरा, जयपुर, बीकानेर, अलवर, करौली, ग्वालियर, मन्दसौर, धार, मिर्जापुर, नगीना, गया, जैसलमेर, भरतपुर, विजावर, छत्तरपुर, मानभूमि में।

कागजकी कुट्टीकाकाम—कश्मीर, रामपुर, जौनपुर, मंडावर मुजफ्फर नगर मे।

मिट्टीके खिलौने—पूना, वर्दवान, दरभङ्गा, छपरा, सूरत मैसोर, ग्वालियर, टोंक मे।

बाजे—कलकत्ता, मुरशिदाबाद, ढाका, लखनऊ, बनारस रामपुर, दिल्ली, अमृतसर, लाहौर मे।

आभूषण—दिल्ली, जयपुर, काशी, बम्बई, बीकानेर, इन्दौर, झांसी छत्तरपुर।

मीनाकारी का काम—जयपुर, अलवर, दिल्ली, बनारस, मुलतान भावलपुर, कश्मीर, कांगड़ा, कुल्लु, लाहौर, हैदराबादसिंध, किरांची, लखनऊ, कच्छ मे।

लाखकीचूड़ियाँ--दिल्ली; रीवां, इन्दौर, जयपुर ।

काँचकी चूड़ियाँ--हाजीपुर, पटना, भागलपुर मुरशिदाबाद, जयपुर नाथद्वारा, पूना, थाना ।

हाथीदाँत और सींगके आभूषण--मुरशिदाबाद, कटक अमृतसर, स्यालकोट, मुलतान, इन्दौर ।

सोनेचाँदी की चीजे--ढाका, कटक, मुरशिदाबाद, चटगांव, मुङ्गेर, दरभङ्गा, राची, लखनऊ, रामपुर फैजाबाद, हमीरपुर गोकुल, कपूरथला, जालन्धर, दिल्ली, अमृतसर लाहौर, पटियाला, चांदा, कश्मीर, कच्छ, टोंक, जयपुर, गवालियर, रामपुर इन्दौर, अलीपुर, छतरपुर, डण्डीगल, गोदावरी, तजौर, कोचीन, बिजैनगर, औरङ्गाबाद ।

कलईकाकाम—कोटली, लोहारान, लाहोर, जयपूर, करौली, अलवर, दतिया, बेदर, लखनऊ, पुर्निया, मुरशिदाबाद, मुरादाबाद ।

बर्तन--कलकत्ता, कंचननगर, राजशाही, कटक, बांकरा, मुलतानपूर काशी लखनऊ, मुरादाबाद, झासी, ललितपुर, गोरखपुर, रिवाड़ी जगाधरी, बहादुरपुर, भण्डारा, मण्डला, सम्भलपुर, जयपुर, बीकानेर, करौली, भीलवाडा, धौलपुर, जोधपुर, उज्जैन, रतलाम, इन्दौर, छत्तरपुर, दतिया, रीवां, चरखारी, बिलारी, मदूरा, मलाबार, बिजिगापट्टम, तंजोर सलेम, पूना मानक ।

चाकू कैंची इत्यादि—वर्द्धवान- कचननगर दतिया जयपुर शाजहापुर रगपुर, राची, हाथरस, करनाल, जयपुर, बीकानेर; झालावाड़ ।

कारचोबी—दिल्ली, लाहौर, आगरा, बनारस, मुरशिदाबाद, अहमदनगर, बुरहानपुर ।

लकड़ीकाकाम—(मुंगेर) में हाथीदांत, सींगका जड़ाऊ, आबनूस, और सुपारी के खिलौने और आभूषण। पटना मे रंगेहुए खिलौने बरेली–मे मेज कुरसियां और सहारनपुर में भी। मैनपुरी, पीलीभीत मे तारकशी का काम। नगीने मे आबनूस की नक्काशी। कर्त्तारपुर में कुरसियां इत्यादि। दिल्ली मे चन्दन के बक्स। जयपुर में पलंग चौकियां। मदरास, सलेम, विजिगापट्टन, तंजौर, करनूल, कडापा, अहमदाबाद, सूरत इत्यादि मे नक्काशी का सामान। ट्रावन्कोर, मैसोर से चन्दन का सामान, होशियारपुर झंग मे पच्चीकारी। खरादीकाकाम–मुरशिदाबाद, पटना बनारस, मिर्जापुर, आगरा, लखनऊ, फतहपुर, शाजहांपुर, पाकपट्टन, साहीवाल, फीरोजपुर, जयपुर मे शतरंज के मुहरे डिबिया इत्यादि।

हाथींदांत—मुरशिदाबाद ट्रावन्कोर, गया, डमराउं, दरभंगा, वर्दवान टिपेरा, चटगाव, ढाका, पटना, कटक, सिलहट, दिल्ली, पटियाला शाहपुरा; मुलतान, लाहौर, जयपुर बीकानेर, भरतपुर, अलवर, रींवां, रतलाम, रंगून, मौलमीन।

मिट्टीकाकाम—खुलना, दतिया, जयपुर, आजमगढ़, लखनऊ, सीतापुर, रामपुर, खुर्जा, दिल्ली, मुलतान, पिशावर, मदरास, सलेम, जयपुर, बुरहानपुर; बम्बई, अजयगढ़; अमरोहा, देवगांव, बीकानेर, अलवर।

काँचकाकास—पटना में प्याली इत्यादि। बिजनौर में शीशियां। देवबन्द मे कुप्पिया। लखनऊ मे चुड़ियां। दिल्ली और लाहौर मे चिमनी चूड़ि इत्यादि करनालमे गोले। शिकोहाबाद, चीनापटन, मारुद म चूड़ियां।

चमड़ेकाकाम—कामदार जूते–पटना, बनारस, लखनऊ, रामपुर, आगरा, दिल्ली, लाहौर, जयपुर, जलेसर, चान्दा, रायचूर, पिशावर,

बन्नू, देरहगाजीखां, बूट--कानपुर, आगरा, पूना, शोलापुर, महाबलेश्वर और सामान--गोरखपुर, बिलासपुर, चांदा, बीकानेर, अहमदाबाद, बड़ौदा, कांगड़ा, होशियारपुर, कोहाट, कोल्हापुर, जयपुर।

प्रत्येक देशकी व्यौपारी वस्तुएं।

चीन--में चाय, चीनी, रेशम, अफीम।
तिब्बत--कस्तूरी ऊन, नमक।
जापान-- कपूर. रेशम, रोगन।
हिन्दुस्थान के द्वीपसमूह--मसाला, जवाहिरात, सुर्मा।
हिन्दुस्थान--नील, शकर, अनाज, अफयून, रुई।
अफगान निस्तान--मेवा घोड़े, केशर।
अफ्रीका--सोना हाथीदांत स्पंज, गेहूं, चमडा।
चांदी--मेक्सीको, पीरू, हिग्री, सैक्सनी, अर्जनटाइन।
लोहा--इङ्गलैण्ड, नारवे, स्वीडन,
समूर, रूस, साईबेरिया, ब्रिटिश अमेरिका।
सोना--आस्ट्रेलिया, कालीफोरनिया, मेक्सीको, पीरू, लाप्लाटा, यूराल पहाड़, उत्तरीगिनी, हिग्री, सेक्सनी।
अँगूर--पुर्त्तगाल, स्पेन, फ्रांस, आस्ट्रिया, ईरान, मडेरा।
चाय--हिन्दोस्थान, चीन, जापान।
तम्बाकू--अमेरिका,हिन्दोस्थान, रूम, अरब।
चाँवल--हिन्दोस्थान, चीन, जापान, इटली, यूनाइटेडस्टेटस, जमेका।
शकर--अफ्रीका, ब्राजील, हिन्दोस्थान, सिसली, द्वीप।

दुनियां के शहरों की प्रसिद्ध बातें।

अकेटूनबर्ग--साईबेरिया में सोने की खानि है।
टानकिन--चीन में दस्तकारी के लिये।
हरगा--मंगोलिया की राजधानी, लामा रहता है।
काशगर, ताशकन्द--तुर्किस्तान में प्रसिद्ध व्यौपारिक शहर हैं।

कधार--अफ़गानिस्तान में, यहा के अनार प्रसिद्ध हैं।
शीराज--ईरान में यहा की शराब मशहूर है।
अंगोरा--एशियाई रूमसे, यहा की बकरी मशहूर है।
दमश्क--में रुई का व्यापार होता है।
मक्का--अरब में यहां का कहवा मशहूर है।
अम्बानिया--मलक्काद्वीप में, लौंग और जायफल के लिये।
ट्रन्कोमाली--लङ्का में, दुनिया के अच्छे बंदरगाहों में से है।
कामतवर्ग--नार्वे में यहा चॉदी की खान है।
नजनीनावागॉरड--रूसमें यहां का मेला यूरोप भर में सब से बड़ा।
न्यूकेसल--इङ्गलैण्ड में, शीशा और कलकी दस्तकारी, कोयले की खान।
शफील्ड--चाकू, छुरी। नारथम्पटन--चमड़े के लिये। बरमंघम--शीशे के यन्त्रों के लिये मेनचिस्टर--का सूती कपड़ा। पेजली-के दुशाले कलमरनाक-गलीचा और ऊनी सामान। कलकनी--आयर्लैण्ड में, संग मूसाकी खानि।
जेनवा-स्वीट्जरलैण्ड में, जेबी घड़ियॉ। जपूरच-में रेशम की दस्तकारी। लपजग-जरमनी में, किताबों का व्यापारी डुसल्स-गलीचों की दस्तकारी। मिलन--इटली में सब से बड़ा गिर्जा। वेनिस--अत्यन्त सुन्दर शहर। शिकागो--अमेरिका में, अनाज की मंडी। पोटोसी--बोलेविया में चांदी की खानि।

भूखण्ड--मौसिमी हालत के कारण तीन कटि बन्धों (भागों) में विभाजित है। १। उत्तर शीतकटिबन्ध] दक्षिण शीतकटिबन्ध वह भाग जो (धर्ती के छोर) ध्रुव के समीप है जो अत्यन्त ठण्डा है २। उष्णकटिबन्ध--जो अत्यन्त गर्म और भूमध्य रेखाके दोनों ओर मकर और कर्क रेखा के बीच मे है। ३। मध्यम कटिबन्ध जो इन दोनों कटिबन्धों के बीच उत्तर. दक्षिण दोनों ओर है।

हिन्दुस्थान के प्रसिद्ध किले--मदरास, बम्बई, कलकत्ता, चुनार, इलाहाबाद, आगरा दिल्ली, मुलतान, अटक. ग्वालियर; चित्तौर

धातु की खान--कोयला. जब्बलपुर, सिलहट्, रानीगञ्ज, हुगली, वीरभूमि, आसाम, छोटा नागपुर, बालासोर।

अबाहिरा—गोलकुण्डा, पन्ना, शाहाबाद, सम्भलपूर, गन्तूर देरागड ।
लोहा—सिलहट,ग्वालिपुर,बीरभूमि, सम्भलपुर,नागपुर,कच्छ, मनीपुर।

अँगरेजों के हवाखाने की जगह शिलाङ्ग; दार्जिलिङ्ग, हजारीबाग; नैनीताल, मनसूरी, सिमला, मरी, आबू, महाबलेश्वर; उटकमण्ड ।

अकबर के राज्य के सूबे—लाहौर, मुलतान, दिल्ली, आगरा; अजमेर, अवध, इलाहाबाद, बिहार, बङ्गाल, उडीसा, मालवा, गुजरात; सिन्ध. बरार खानदेश, बीजापुर, औरङ्गाबाद हैदराबाद उत्तरी सरकार।

अंगरेजों के अधिकारीराज्य—इङ्गलिस्तान इत्यादि माल्टा हिन्दोस्थान. ब्रह्मा अदन- हागकांग- सेंटहलीना केपकालोनि- नेटाल- मारीसस- सैप्रस- कनाडा- कोलम्बिया- बरमूडाज. न्यूफोन्ड-- लैण्ड ग्याना- पाकलैण्ड- जमैका- ट्रैनीडाड, आस्ट्रेलिया- न्यूजी लैण्ड फीजी इत्यादि ।



हिन्दुस्थान के देशी राज्य।

नाम	क्षेत्रफल वर्गमील	जनसंख्या	आमदनी	विवर्ण
उदैपुर	११॥ हज़ार	११ लाख	४० लाख	राजपूत राना
जयपुर	१५ हज़ार	१९ लाख	८५ लाख	कच्छवाहे राजपूत
जोधपुर	३५॥ हज़ार	१८ लाख	१७॥ लाख	राठौर
बूंदी	२ हज़ार	२ लाख	५ लाख	चौहान
कोटा	५ हज़ार	४॥ लाख	२५ लाख	राजपूत
झालावाड़	३॥ हज़ार	२ लाख	१४॥ लाख	राना
टोंक	२ हज़ार	२ लाख	८ लाख	अफ़गान
करौली	२ हज़ार	२ लाख	३ लाख	राजपूत
किशनगढ़	७२०	७० हज़ार	६ लाख	राठौर
धौलपुर	१६२६	५ लाख	६ लाख	राना
भरतपुर	२ हज़ार	६॥ लाख	२१ लाख	जाट
अलवर	३ हज़ार	१० लाख	१६ लाख	राजपूत
बीकानेर	१७ हज़ार	५॥ लाख	६ लाख	राजपूत
जैसलमेर	१२ हज़ार	७३ हज़ार	५ लाख	यदुवंशी
सिरोही	३ हज़ार	५५ हज़ार	८० हज़ार	चौहान
डूंगरपुर	१ हज़ार	१ लाख	७५ हज़ार	रावल
बांसवाड़ा	१५००	१॥ लाख	३ लाख	रावल
प्रतापगढ़	१४००	१॥ लाख	२॥ लाख	रघुवंशी
ग्वालियर	२३ हज़ार	२५ लाख	९३ लाख	सेंधिया, मरहटा
इन्दौर	८ हज़ार	६ लाख	३० लाख	हुलकर, मरहटा
भूपाल	६॥ हज़ार	६॥ लाख	३३॥ लाख	अफ़ग़ान
धार	२॥ हज़ार	१॥ लाख	४ लाख	पवार राजपूत
देवास	२५६	२५ हज़ार	४ लाख	मरहटा
जावरा	८७२	८५ हज़ार	६॥ लाख	अफ़ग़ान
रीवाँ	१३ हज़ार	१३ लाख	२२॥ लाख	राजपूत
उरछा	२ हज़ार	२ लाख	५॥ लाख	रघुवंशी

नाम	क्षेत्रफल वर्गमील	जनसंख्या	आमदनी	विवर्ण
दतिया	८५०	१ लाख	१० लाख	राव
समथर	१७५	३० हजार	४॥ लाख	राजा
बड़ौदा	४॥ हज़ार	२ लाख	६० लाख	मरहटागायकवाड
कोल्हापुर	३ हज़ार	५॥ लाख	१० लाख	मरहटा
सावन्तवाड़ी	९००	१॥ लाख	२ लाख	सावन्त
कच्छ	६॥ हजार	४ लाख	१५ लाख	राव
हैदराबाद	९५ हजार	एक करोड़	२ करोड	निजाम अफगान
मैसूर	२७ हजार	५० लाख	एक करोड	राजपूत
ट्रावन्कोर	६॥ हजार	१२ लाख	४२ लाख	राजा
कोचीन	१ हजार	४ लाख	१० लाख	राजा
पटियाला	५॥ हज़ार	१६ लाख	३० लाख	सिक्ख जाट
झींद	१२३०१	३ लाख	४ लाख	सिक्ख जाट
नाभा	८६३	२॥ लाख	४ लाख	सिक्ख जाट
मालीरकोटला	१६५	४॥ लाख	१ लाख	अफगान
फ़रीदकोट	६४३	५१ हजार	७५ हजार	जाट
कश्मीर	२५ हजार	१५ लाख	६॥ लाख	सिक्ख
कपूरथला	६००	२ लाख	५॥। लाख	सिक्ख
मण्डी	१ हजार	१॥ लाख	२ लाख	राजपूत
चम्बा	३ हज़ार	१ लाख	१। लाख	राजा
भावलपुर	१४ हजार	३॥ लाख	३ लाख	नवाब

नेपाल, भूटान, सिकम, यह स्वतंत्र राज्य हिमालय पर्वत में है। छोटे २ राज्यों का वर्णन विस्तार भयसे छोड़ दिया है। यदि विस्तृत वर्णन देखना है तो हमारी दूसरी किताब देखो।

--०००--

दूसरा अध्याय—इतिहास

प्रसिद्ध पुरुषों का संक्षिप्त वृतान्त

गौतमबुध--हिन्दुस्थान में प्रसिद्ध रिफ़ार्मर (देश सुधारक), फिलास्फर हजरत ईसा से तीनसौ वर्ष पहले हुआ। जिसका मत आजकल चीन; जापान, लंका, ब्रह्मा, तिब्बत, श्याम इत्यादि मुल्कों में प्रचलित है। और तिहाई दुनिया इसकी अनुयायी है। वाकी में सैकड़ों मतके लोग हैं। एक राजा का बेटा था।

ईसामसीह--प्रसिद्ध पैगम्बर, जिन के अनुयायी समस्त फिरंगी लोग हैं आज से करीब दो हजार साल पहले मुल्क रूम में हुए थे।

मुहम्मद--इसलाम के मत के चलानेवाले, अरब के प्रसिद्ध पैगम्बर सन् ५७० ई० में मक्के में पैदा हुए। इन के मृत्यु से सन् हिजरी चला।

मूसा--यहूद मत के चलाने वाले, बनी इसराईल के अगूआ मिश्र में हुए। ईसा दो हजार साल पहले।

जरदुश्त--अग्नि पूजक मतके चलाने वाले, जिनके अनुयायी पारसी लोग हैं। ईसा से तीन हजार वर्ष पहले ईरान में हुए।

नानक--सन १२६९ ई० में लाहौर के पास पैदा हुए। जात खत्री, सिक्ख मत के चलानेवाले।

कनफूशी--ईसा से साढे पांचसौ वर्ष पहले मुल्क चीन में पैदा हुए। प्रसिद्ध फिलासफर और रिफार्मर इत्यादि।

लूथर--प्रसिद्ध ईसाई रिफार्मर, जर्मनी में सन् १५० ई० में हुआ। इस का सम्हूह प्राटस्टेंट कहलाता है। स्वतन्त्र विचारी।

नूह--एक पैगम्बर इसलाम के, जिन के समय में दुनिया को डुबाने वाला तूफान आया ईसा से १३५६ साल पहले।

लाटजी--चीन का एक महात्मा योगी कनफूशी से पचास वर्ष पहले हुआ। इसका मतचला।

मनु--दुनिया का सब से पहला मनुष्य--सब कौमोंका बाबा आदम-प्रथम नीति रचियता इत्यादि ।

व्यास--हिन्दुस्थान के प्रसिद्ध फिलासफर. वेदान्त विज्ञान के प्रणेता-महाभारत के समय में हुए ।

शंकराचार्य--हिन्दुस्थान के प्रसिद्ध रिफार्मर- दक्षिणी पण्डित जिन्हों ने नास्तिकों को हिन्दुस्थान से निकाल भगाया ।

कालीदास--प्रसिद्ध पण्डित, संस्कृत भाषा की उत्तमोत्तम शकुन्तला और मेघदूत इत्यादी पुस्तकों के रचियता; राजा विक्रम की राजसभा का पण्डित था । पहली अवस्था में कोरा मूर्ख जनथा । एक विद्वान स्त्री के साथ व्याह हुआ: जिसका विचित्र वृत्तान्त है । इस स्त्री के प्रतापही से विद्यो पार्जन की ।

भास्कराचार्य--पुरानी गणित विद्या का प्रसिद्ध पुस्तक रचियता । जिस की लड़की लीलावती, गणित विद्या के उस्ताद थे इटली तक गये

भरतरी--उज्जैन का राजाथा । रानी की अनुचित प्रीति देखकर फकीर होगया । इस्के बनाये त्रयशतक देखने योग्य है ।

बूअलीसीना--सन् ९८५ ई० बलख के पास पैदाहुआ । वैद्दिक का प्रसिद्ध उस्ताद था । इसकी रचित पुस्तकें प्रमाणिक और प्रय है जो बड़ी २ जिल्दों में पूरी हुई हैं ।

शेखसादी--गुलिस्ता बोस्तां इत्यादिके रचियिता शीराज में सन् ११७६ ई० में पैदा हुए - आपकी नसीहतें सब को पसन्द हैं ।

अबुलफ़जल--अकबर बादशाह का वजीर बड़ा विद्वान और प्रबन्ध कर्ता - आईन अकबरी का रचियित., सन् १५५१ ईस्वी में आगरे में पैदाहुआ । फैजी इसका भाई था जिसने ब्राह्मण बनकर काशी में संस्कृत पढ़ी ।

उकलैदिस--प्रसिद्ध गणितज्ञ और अङ्क गणित का प्रणेता यह मिसर में हज़रत ईसा से तीनसौ वर्ष पहले हुआ ।

शेक्सपीयर--प्रसिद्ध अंगरेजी कवि जिसने ३५ नाटक उत्तमोत्तम के लिखे हैं - एक थियेटर में नौकरथा - मलिका एलीजिबिथ के समय में सन् १५६४ ई० में पैदाहुआ ।

न्यूटन-इङ्गलिस्तान का प्रसिद्ध विद्वान जिसने आकर्षण इत्यादि के सिद्धान्त निकाले। सन् १६६२ ई० में पैदाहुआ - कैम्ब्रिज यूनी वर्सिटी में प्रोफेसर था -

फसागोरस-रूम का प्रसिद्ध विद्वान और पश्चिमी विज्ञान का प्रणेता ५७० वर्ष पहले ईसासे पैदाहुआ हिन्दुस्थान में आकर शिक्षा पाईथी।

सुकरात-प्रसिध्द यूनानी फिलासफर- जो जहर पिलाकर मारागया- हज़रतईसा से पहले पैदाहुआ।

अफलातुन-यूनान का बड़ा फिलासफर- फीसागोरस का चेला-मदरसा इकाडमी का संस्थापक, सन् ईस्वी से ४२९ वर्ष पहले पैदाहुआ। फीडो इसकी रचित पुस्तक प्रसिध्द है।

अरस्तू-सिकन्दर आजिम का वजीर- अफलातून का चेला सन् ४६२ ई० सैंकडो किताबें सामुद्रिक वैद्यक जीवविद्या इत्यादि लिख पढकर छोड़गया।

बुकरात-यूनान का प्रसिध्द हकीम, हज़रत ईसा के समय मे था। इस की रचित पुस्तकें प्रमाण मानी जाती है।

देवजनी-यूनान का एक प्रसिध्द सन्यासी जिस से सिकन्दर मिलने को गयाथा पर उसने कुछभी ध्यान न किया।

बतलीमूस-मिश्र का एक प्रसिध्द ज्योतिषी और भूगोलज्ञ था सन् १४० ई० मजस्ती का रचियता।

गलीलीओ-दूरबीन का आविष्कारक। इटलीओ में सन् १५६४ ई०में कालिज मे गणित विद्या का प्रोफेसर था।

जैम्सवाट-स्काट लैण्ड मे सन् १७३६ ई० मे हुआ। भाप के बलसे काम लेने का प्रचार किया।

स्टीफनसन-रेलगाड़ी का आविष्कारक। सन् १७८१ ई० मे इङ्गलिस्तान में पैदाहुआ।

आरकराइट-कपडा बुननेकी कल इसने बनाकर जारीकी। सन् १७३२ ई० इङ्गलिस्तान।

गटनबर्ग-जर्मनीका रहनेवाला सन् १४४० ई० छापने की कल ईजादकी।

डागीअर-फ्रांस का वासी, सन १८२९ ई० में; फोटोग्राफी ईजादकी।

राजा राममोहनराय--बंगाले के प्रसिद्ध जातीय सुधारक, ब्रह्मसमाज संस्थापक, सती होने की रीति बंद कराने इङ्गलिस्तान को गये, वहीं मरगये, सन् १८३१ ई० मे।

सर सैयद अहमद खां—अलीगढ़ के मुहमद कालिज के संस्थापिक, पहले सदरआला थे। दिल्ली मे सन् १८१७ ई० म पैदा हुए थे।

दादाभाई नौरोजी—जो पार्लीमेण्ट के मेम्बर रहचुके हैं। पारसी जात के प्रसिध्द उद्योगी और देश हितैषी हैं कांग्रेस के सभापति बने थे। आजकल इङ्गलिस्तान म रहते है कालिज के प्रोफेसर रहे अखबार निकाला इत्यादि।

ग्लैडस्टौन—इङ्गलिस्तान के प्रधान अमात्य और अतुलनीय रोचक वक्ता थे। ६४ सालतक पार्लीमेण्ट के मेम्बर रहे। अत्यन्त साधारण ढङ्गके थ। परमस्वतन्त्र प्रकृति के थे, थोड़ासमय बीता मरगए।

मेक्समूलर—जर्मनी के प्रोफेसर, जिन्होंने वेदों और अङ्गरेजी मे अनुवाद किये। पूर्वी भाषाओ के निकास की समीक्षा की है। अभीमरे हैं।

प्रिन्सविस्मार्क—जर्मनी का प्रसिध्द मन्त्री जो बड़ा उद्योगी था। सन् १८१५ ई० पैदाहुआ था अब मरगया।

डारविन—प्रसिध्द विद्वान नेचरेलिस्ट, जिसने समस्त जानवरो की पैदायश के मसले को हलकिया। सन् १८३१ से दुनिया की समन्दरी जांच के लिये अमेरिका की यात्राकी।

विवेकानन्द—स्वामी बंगाल के प्रसिध्द विद्वान सन्यासी जिन्होंने अमेरिका मे जाकर अपना मत फैलाया। थोड़ेही वर्ष हुए इनके व्याख्यानों की धूम मचरही थी शिकागो प्रदर्शिनी की विश्वभर की मत सम्बन्धी कान्फ्रेन्स मे शरीक हुए थे।

लीहगचंग—चीन का प्रसिध्द प्रधान मन्त्री, जो बड़ा योग्य और प्रबन्धक था अभी मरा है।

इन सब के विस्तृत वृत्तान्त सचित्र देखना होतो हमारी चरित संग्रह पुस्तक मे देखो कीमत १) रुपया।

वर्त्तमान समय के प्रसिद्ध पुरुष।

हरबर्ट स्पेन्सर—सब से बड़ा अंगरेज़ फ़िलासफर सन् १८२० मे बमुकाम डर्बी पैदा हुआ। पहले सिविल इन्जिनियर रहा। फिर 'एकानोमिस्ट' नामक पत्र का सहकारी सम्पादक।

हनरी स्टेनली—अफ्रीका का प्रसिद्ध यात्री 'कानगोफ्रीस्टेट' का प्रणेता, सन् १८४१ ई० मे पैदा हुआ।

फ्रेडरिक मैक्समूलर—पूर्वी भाषाओ और मतों का बहुत बड़ा उस्ताद। संस्कृत किताबों का अनुवादक और प्रसिद्ध फिलालोजिस्ट जर्मन का रहनेवाला-आक्सफोर्ड कालिज मे प्रोफेसर रहा। सन् १८६८ई०

सरजान लब—प्रसिद्ध ग्रंथकार, पुरातत्ववेत्ता-मेम्बर पार्लीमेन्ट-इसने चिउटी इत्यादि का वर्णन खूब लिखा है।

विलियमबूथ--मुक्तिफोज के जनरल, इङ्गलिस्तान के गरीबों की सहायता करानेवाला। सन् १८२९ ई० मे पैदा हुआ।

प्रिन्सविस्मार्क—जर्मनी का प्रसिध्द मन्त्री, जिसने आस्ट्रिया और फ्रांस को दबालिया, प्रसिध्द प्रबन्धक.

होमर—सन् ई० से ९०० वर्ष पहले, इलीयड का रचियता अंधाथा। यूनान का प्रसिध्द कवि।

ऐसकिलियस—सन् ५४३ ई० ड्रामा का प्रणेता, सब से उच्च विचारका।

अरस्तूफाइस—सन् ४०० ई०हसी खेलका चुटीला कवि।

वरजल—सन् ७० ई० रूमका होमर, एनीड का रचियता।

सरवानटीज—सन्१५४७ई० अनुपम किस्सा डान कोयक जटोका रचियता

शेक्सपीयर—सन् १५६८ ई० इङ्गलिस्तान का प्रसिध्द नाटक लेखक।

मिल्टन—सन् १६० ई० प्यूरीटन का कवि।

पिलूटारक—सन् ५० ई० जीवनचरित लिखने का नेता, यूनानी फौज में।

डाइडराट—सन् १७१३ ई०इन्साईक्लोपीडिया का मुख्य रचियता-कैथराइन मलिका रूसके पुस्तकालय का प्रबन्धक।

गिबन—सन् १७३७ ई० प्रसिध्द इतिहास लेखक।

अर्शमीदास–सन् २८० ई० जिर्रसकील विद्या का आविश्कारक गणित और पदार्थ विद्याका विद्वान।

जालीनूस–सन् १३० ई० प्रसिध्द ग्रन्थ रचियता।

कूपरनीकस-१४७३ ई०सूर्य्यको शिशुमार चक्रका केंद्र ठहरानेवाला विद्वान

केपलर–सन् १५७१ ई० ग्रहोकी चाल और नियम और उनके मार्ग मालूम किये।

न्यूटन–सन् १६४२ ई० पदार्थोंकी गति दशा के नियमो और आकर्षण शक्ति का आविष्कारक।

गेलीलू–सन् १५६४ ई० दूरवीन का आविष्कारक।

लनीइस–सन् १७०७ ई० समस्त वर्त्तमान पदार्थों की सूची बनाई। बड़ा प्राकृतिक विद्वान।

कोवयर–सन् १७६९ ई० वनिस्पति विद्या का प्रसिध्द विद्वान। शारीरक विद्या का प्रथम गुरु।

हनीबाल–सन् २४७ ई० कारथीज का प्रसिध्द जनरल।

शारलीमन–सन् ७४२ ई० फ्रॉंस राज्य का संस्थापक।

वाशगटन–सन् १७३२ ई० संयुक्त प्रदेश अमेरिका का पहला प्रसीडेन्ट और संस्थापक।

नेलसन–सन् १७५८ ई०प्रसिध्द अंगरेज अमीरुलबहर।

मान्टूगिलफीयर–सन् १६४० ई० गुब्बारा का निर्माता।

फ्रेंकलिन–सन् १६०७ ई० विद्युत शक्तिकी असलियत दर्याफ्त करनेवाला

हावर्ड–सन् १७२६ ई० जेलखानो का प्रबन्ध करानेवाला प्रसिध्द रिफार्मर

मोलयर–सन् १६२२ ई० फरास का शेक्सपीयर।

गोथी -सन् १७४९ ई० जरमन ग्रन्थकारो मे सब से उत्तम कवि और फिलासफर।

स्काट–सन् १७७१ ई० ऐतिहासिक नाविलों का प्रणेता।

टनीसन–सन् सन् १८०९ ई० इससे अच्छा और सच्चा बिचारों का चित्र कोई नहीं खीन्चसका।

फिदियास–सन् ४८८ ई० सबसे उत्तम आदमियो की मूरत का संगतराश।

माइकल एंजेलो–स्त्रियों के रूपका सबसे बड़ा चित्रकार।

रेफायल–सन् १४८३ ई० ख़याली, स्वच्छ और जीनगीकी सबसे अच्छी तसवीर खींचनेवाला।

मोजरट—सन् १७५६ ई० ओपेरा को सुशोभित करनेवाला पांच वर्षकी अवस्था से कविता करनेलगा ३६ वर्ष का होकर मरगया तौभी ८ से अधिक स्वरचित ग्रन्थ छोडे।

बेथोवन—सन् १७७० ई० प्रसिध्द गानेवाला, समस्त रागो की तसवीर

बेकन—सन् १५६१ ई० विज्ञान का प्रसिध्द आविष्कर्त्ता, और अगरेज। ग्रन्थकार।

अस्पाईनोगा—सन् १६३२ ई० यहूदी, एमइटरडाम, सोह विज्ञान का माननेवाला।

डेविडहोम—सन् १७११ ई० एक विशेष फिलसफे का प्रचारक।

केन्ट—सन् १७२४ ई० प्रसिध्द जर्मन फिलासफर इतिहास लेखक वक्ता, नुक्ता चीन, इसने अनवंचनौ का तर्क द्वारा निर्णय किया।

हैरोडोतूस—सन् ४८० ई० प्रसिध्द पुराना इतिहास लेखक।

डेमास्थनीज़—सन् ३८५ ई० दुनिया मे सबसे बडावक्ता प्रसिध्दयूनानी।

प्रसिद्ध आविष्कार।

सन् ईस्वी से २६३४ वर्ष पहले– चीन के बादशाह हौंगटी के समय मे 'ध्रुव सूचक' का आविष्कार हुआ।

सन् ८६९ ई० मे फीडन ने तराजू बनाई (फिरंगियो के कथनानुसार)

सन् ६०० मे ऐग्री मन्डर ने नकशे ईजाद किये।

सन् ५५१ मे रेशमी कपडे पहली पहल योरुप से पहुँचे।

सन् २२० मे अरशमीदास प्रसिद्ध विद्वान् ने बोझ उठाने की कल व पेच ईजाद किये।

सन् १२९३ मे ऐनक बनी।

सन् १३२० मे शोजर ने बारूत ईजाद की।

सन् १३९१ ई० मे खेलने के ताश बने।

सन् १२३० ई० में गटनबर्ग ने छापा ईजाद किया।

सन् १५४१ ई० में बन्दूक बनी।

सन् १५७७ ई० मे जेबी घड़ियाँ चली।

सन् १५८३ ई० में 'पिण्डोलम' का कायदा मालूम हुआ।

सन् १६०८ ई० में दूरबीन तैय्यार हुई।

सन् १६२८ ई० मे डाक्टर हारवी ने रक्त संचालन का पूरा वर्णन किया।

सन् १६५० ई० मे ओटोगोडरक ने 'एअरपम्प' ईजाद किया।

सन् १६६४ ई० में ब्रीचलोडर और सन् १६७६ मे रपीटर तैयार हुए।

सन् १६८७ में गैस लाइट की परीक्षाएं हुई।

सन् १६८८ मे पीपन ने धूये के अंजन का आविष्कार किया।

सन् १७४७ मे बिजली का तार—वाटसन—

सन् १७६७ मे कातने की कल ईजाद की—हारग्रयुने।

सन् १७६९ मे अरकराइट ने कातने का चरखा पेटेन्ट कराया और बाट ने धूये का अजन।

सन् १७७० ई० मे वाटमैन का कागज बनाने का कार्यालय स्थापित हुआ।

सन् १७७४ ई० मे प्रेस्टली ने आक्सीजन गास को खोज निकाला।

सन् १७७६ ई० में डी जाफर ने धूम नौका की परीक्षा की।

सन् १७८० ई० मे जनीवा के एमीवरगड ने अरगंड बरनर ईजाद किया।

सन् १७८३ ई० मे माटनगलफीर ने गुब्बारा निर्माण किया।

सन् १७८५ ई० में कारस्ट्राइट का गाड़ी का एंजिन पेटेन्ट हुआ।

सन् १७८६ मे गैस की रोशनी ईजाद की—लिबनने।

सन् १७८७ ई० में बेटनकोर्ट का बिजली तार बना। और हारमर का ऊन कतरने का यन्त्र।

सन् १७८९ ई० में गैलोयनी की बिजली की बैटरी तैयार हुई।

सन् १८०२ ई० मे वज वोड, डेवी ने फोटोग्राफ की विधि निकाली।

सन् १८०५ ई० मे स्टयन का आरा पेटेन्ट हुआ।

सन् १८०७ ई० मे अंगरेजी राज्य मे गुलामी का दस्तूर बन्द हुआ और आग्निक शस्त्र पेटेन्ट हुए।

सन् १८०८ ई० मे एलोमीनम धातु जानी गई।

सन् १८१५ ई० मे हमफरी डेवी का सुरक्षित लम्प ईजाद हुआ।

सन् १८१८ ई० सड़कें पक्की बनाई जाने लगी।

सन् १८२३ ई० में लेन्स ईजाद हुई।

सन् १८३१ ई० मे सोव्यूरन ने क्लोरो फारम दर्याफ्त किया।

सन् १८३९ ई० मे ओज़ोन दर्याफ्त हुआ।

सन् १८४० ई० मे चिट्ठियो के टिकट और लिफाफे जारी हुए
सन् १८४२ ई० वीनने ' गट्टा पर्चा ' बनाया।
सन् १८४७ ई० मे लीबग ने गोश्त का सत तैयार किया।
सन् १८४७ ई० मे हाथ की सीने की कल पेटेन्ट हुई।
सन् १८५० ई० में जलाने के लिये पराफीन तेल निकाला गया।
सन् १८५१ ई० मे करप का ढला हुआ लोहा पेटेन्ट हुआ। लन्दन में पहली प्रदर्शनी हुई।
सन् १८५६ ई० मे बकम्पने बिनजोन से एने लाइन निकाला।
सन् १८६० ई० मे रोशनी की रगते मालूम की। नबसन और करचफने
सन् १८६१ ई० मे सेविगबङ्क का क़ायदा जारी हुआ, इङ्गलैण्ड के डाकघरो मे।
सन् १८६३ ई० मे लन्दन मे रेल जारी हुई।
सन् १८ ६ ई० मे योरुप और अमेरिका के बीच बिजली का तार जारी हुआ।
सन् १८६८ ई० मे ए, वोइल ने डाइनामेट ईजाद किया।
सन् १८७७ ई० मे एडीशन ने फोटोग्राफ ईजाद किया।
सन् १८७७ ई० मे प्रोफेसर ए.बल का टेलीफोन ईजाद हुआ।
सन् १८७७ ई० मे प्रोफेसर डी,ए हाइजज ने माइकरोफोन ईजाद किया।
सन् १८७८ ई० मे एडीशन ने बिजली की रोशनी और बिजली की कलम ईजाद की।
सन् १८८१ ई० मे टेली मटिया रोग्राफ की प्रदर्शनी पेरिस मे हुई।
सन् १८८७ ई० मे पास्टयूरइन्स्टयूट की पेरिस मे जड़ जमी।
सन् १८८८ ई० मे ग्रेफोफोन ईजाद किया गया।

हिन्दुस्थान के प्रसिद्ध कवियों के वृतान्त।

विस्तृत लिखने का अवकाश नही केवल उनका उपनाम, नाम, ठिकाना और रचना का सङ्केत मात्र लिखते है।

आतिश-ख्वाजी हैदर अली लखनऊ. दीवान,
आजाद-शेख अमीरुद्दीन, शागिर्द गुलामअली अशरत, बरेलीनिवासी।
आसफ़-नव्वाबआसफुद्दौला बहादुर, लखनऊ।

आफ़ताब--शाह आलम बादशाह दिल्ली।

आफ़री- शेख कलन्दरबख्श, सहारनपूर।

असर--सय्यद मुहम्मदमीर, दीवान।

अहसान--हाफिज अब्दुलरहमानखां, दिल्ली दीवान।

असव--मीर अमानी, दिल्ली, शागिर्द, सौदा, जरीफ।

अफ़सोस- मीर शेरअली, नारनौल, अनुवादक सरकार अङ्गरेजी कलकत्ता, गिजाजबानवख्त।

अमीर--मिर्जा भट्टू पोते नव्वाब शुजाअउद्दौला, लखनऊ के।

इन्शा--मीरइंशाउल्लाहखां मुरशिदाबाद, नौकर नव्वाब सआदतअली खां दीवान।

बिस्मिल--सय्यद जव्वार अली, चुनारगढ, जागीरदार।

बका--शेख मुहम्मद बका, अकबराबाद, जरीफ, हजूगो।

बेदार--मीर मुहम्मदी, दिल्ली, दीवान।

ताबान--मीर अब्दुल हई, देहलवी।

जुर्रत--शेख कलन्दर बख्श, देहलवी, दीवान, मशहूर।

हाली--मोलवी अलताफ हुसैन, पानीपत, मुसद्दस।

हसरत--मीर जाफ़रअली, लखनऊ, शागिर्द सर्वसिंह, दीवान।

हसन--मीर सैयद गुलामहुसैन, फ़ैज़ाबाद मसनवी, बदरमुनीर।

खिरद--नव्वाब फ़खरुद्दीन ख़ाँ, दीवान।

दाग--नव्वाब मिर्ज़ाख़ाँ, दिल्ली, ज़ौक़ के शागिर्द, हजूर निज़ाम के उस्ताद।

ज़ौक--शेख मुहम्मद, इब्राहीम, दिल्ली, ख़ाक़ानी हिन्दी फ़कीर।

रंगीन--सआदत यार ख़ाँ, शागिर्द शाह हातम, दीवान।

रिन्द--मिहरबान खां, फ़रुखाबाद।

सौदा--मिर्जा मुहम्मद, रफीअ, लखनऊ, नव्वाब आसफुद्दौला का जमाना, हिजोगोमशहूर।

शौक़--शेख इलाहीबख्श- अकबराबाद, दीवान, नाम निगार मिर्जा मुजफ्फर बख्त।

इशरत--मीर गुलामअली, बरेली, दीवान।

ग़ालिब -मिर्जा असदुल्लाखां रईस, आगरा मशहूर।

फ़िराक़--हकीम सनाउल्लाखां दिल्ली दीवान।

गोया--नव्वाब फकीर मुहम्मदखां, लखनऊ दीवान।
मुस्तफा--गुलाम हमदानी अमरोहा।
मजहर--मिर्जाखान ख़ानान, अकबराबाद- दीवान फारसी।
मौमिन--हकीम मुहम्मद मौमिनखां, दिल्ली, मशहूर।
नासख--शेख इमामबखश, लखनऊ, दीवान।
नजीर--शेख वलीमुहम्मद, ताजगंज आगरा, मशहूर।

हिन्दू कवियों का वर्णन।

आराम--राय प्रेमनाथ खत्री, दिल्ली दीवान बनाया।
अहकर--मुंशीसीतल प्रसाद, लखनऊ, भागवत, उर्दू मनजूम।
असद--लाला गिरधारीलाल, कायस्थ, उन्नाव, सुदामाचरित।
अरमान--राजा जनमेजय मित्र बङ्गाली, कलकत्ता, उर्दू के कवियों का वर्णन लिखा।
उफक--मुंशी द्वारिकाप्रसाद कायस्थ, लखनऊ, सनातनधर्म परबहुत लिखा।
अमानत--मुंशी अमानतराय, दिल्ली फारसी मे रामायन और भागवत के रचियता।
अमीर--मुंशी ज्वालाशङ्कर कायस्थ, बरेली, कथा सत्तनारायण नजम।
इन्दरमन -मुंशी इन्द्रमणि वैश्य अग्रवाल, मुरादाबाद, तुहफे इसलाम इत्यादि, मतान्तरीय ग्रन्थ।
बश्शाश--मुंशी देवीप्रसाद कायस्थ, जोधपुर, इतिहास ग्रन्थ लेखक असारुलशुअरा हिनूद इत्यादि मुनसिफ।
बहार--मुंशी टेकचन्द खत्री, दिल्ली, बहारे बोस्तां इत्यादि।
बहजेत--मुंशी नत्थनलाल, कायस्थ, अजमेर, दीवान, इन्शा।
बेमत्र--मुंशीबालमुकन्द, कायस्थ, मेरठ दीवान।
परवान -राजा जसवन्तसिंह कायस्क्ष दीवान, नवाब शुजाअ उद्दौला।
तमना -मुंशी रामसहाय कायस्थ. लखननऊ, अखबार सरिश्ते तालीम के प्रबन्धक, एडीटर, डिप्पी इन्सपेक्टर स्कूलस।

जौहर--मुंशी जवाहर सिंह कायस्थ, लखनऊ, मुसाहबराजा बिलरामपुर, दीवान मसनवी इत्यादि ।

हैरत--पण्डित अजुध्याप्रशाद कस्मीरी' लखनऊ दीवान, मसनवी ।

खुशतर--मुंशी जगन्नाथ प्रशाद कायस्थ, लखनऊ, रामायण भागवत ।

राजा--महाराजा दिगविजैसिंह, रियासत बिलरामपुर, दीवान ।

राहत--मुंशी भगवन्तराय काकोरी, जुहरा बहराम नलदमन ।

राजी--दीवान जानी प्यारेलाल, ब्रम्हण नागर, आगरा, नजम अनवार सुहेली ।

रसा--मुंशी गोकुलप्रसाद, कायस्थ, कानपुर, अजायबुल मख़लूकात सिकन्दरनामः ।

रगीन--मुशी रगीलाल कायस्थ, लखनऊ, सिंहासन बत्तीसी नजम ।

सरशार--पण्डित रत्ननाथ कश्मीरी, लखनऊ, एडीटर अवध अखबार फिसाने आजाद ।

शादा--महाराजा चन्दूलाल, मंत्री रियासत हैदराबाद थे ।

शाया--मुशी तोताराम कायस्थ, लखनऊ, तिलस्मगायां. अलिफ़लैला मन्जमइत्यादि ।

शुअलो-मुंशी बनवारीलाल, कायस्थ, अलीगढ, मुखतार कलक्टरी, बजम बृन्दावन इत्यादि ।

शमीम--मुशी रामस्वरूप कायस्थ, अजमेर, वालोरूत ।

जमीर--पण्डित नरायनदास, कश्मीरी, दिल्ली, दीवान फारसी शाही खिताब मिर्जा ।

आबिद--मुंशी देवी दयाल कायस्थ, कन्नौज, दीवान इत्यादि उर्दू और फारसी ।

आशफ़--पण्डित कन्हैयालाल कश्मीरी, दिल्ली, दीवान इत्यादि ।

फरहत--मुशीगङ्गादयाल कायस्थ लखनऊ, रामायणप्रेमसागर इत्यादि ।

मदहोश--मुंशी अम्बे प्रशाद, किस्सा गोपीचन्द ।

मुंशी--फूलचन्द कायस्थ, दिल्ली, शाहनामः ।

नादान--मुंशी कामताप्रशाद कायस्थ, एटा, इन्शाविलुकन इत्यादि ।

नादिर--मुशी दुर्गाप्रसाद खत्री, दिल्ली, कुछ उपयोगी किताबे ।

नसीम--पण्डित दयाशङ्कर कश्मीरी, लखनऊ, मसनवी गुलजारनसीम।
नौसा--मुंशी माताप्रसाद कायस्थ, लखनऊ, फसानह अजायब नजम।
हरिचन्द--राजा हरिचन्द किशोर दिल्ली, दीवान हरिचन्द।
हिन्दी--राय कन्हैयालाल, एकजीक्यूटिव इन्जिनियर लाहौर, कुछ उपदेश जनक पुस्तकें।

विस्तृत वर्णन देखना हो तो किताब असारुशुअरा हिनूद में देखो।

नागरी भाषा के कवि।

अब्दुलरहमान--दिल्ली, मुअज्जम शाहका जमाना, एक शतकग्रन्थ लिखा,
अमरसिंह--महाराज जोधपुर शाहजहां के समय में थे, पृथ्वीराजरायसा इकट्ठा किया।
आनन्द--सम्बत् १७११ विक्रमी, कोक सार व सामुद्रिक।
याकूबखा--सम्बत् १७७५, रसिक प्रिया का तिलक बनाया।
अनवरखा--सम्बत् १७८०, अनवर चन्द्रिका सतई का टीका।
आनन्दघन--दिल्लीसन् १७१५ ई० अत्यन्त रोचक कवित्त।
इच्छारामअवस्थी--पचरवा, सम्वत् १८५५ ब्रह्मविलास।
केशवदास--सम्बत् १६२४ टिहरी, राजासाहब उन्होने जागीर दी। कविता के उस्ताद थे। कवि प्रिया, रसिक प्रिया रामचन्द्रिका, विज्ञान गीता इत्यादि। अकबर ने इन्द्रजीत पर एक करोड़ रुपया जुर्माना कियाथा उन्हो ने एक कवित्त सुनाकर माफ कराया।
करनभट्ठ--सम्बत १७९४ ई० में राजा पन्ना के मुलाजिम (नौकर) साहित्य मुलाजिम।
कालीदासतिवारी--पहले औरङ्गजेब के दरबार में रहे फिर महाराजा कश्मीर के यहाँ। इनकी रचित प्रसिध्द पुस्तक विधुविनोद--हजारा अर्थात हजार कविताए नमूने की २२ कवियों की जजीरा चन्द इत्यादि इनका बेटा उदैनाथ बड़ा प्रसिद्ध कवि हुआ है। जिसने सुमनचन्द्रोदय बनाया। फिर नाती बड़ा भी कवि हुआ।
कमद सरस्वती--काशी--शाहजहां के दरबारी के कविनिधि कल्पलता बनाई। जिसमे दारा शिकोह और बेगम की प्रशंसा है।

कबीरसाहब--जुलाहा, मशहूर फकीर थे, जिनका पन्थ चला है। इनका बीजक प्रसिद्ध है।

कुवरबलवानसिंह--राजा चेतसिंह बनारस के बेटे, चित्र चन्द्रिका पुस्तक देखने योग्य है।

केदारकवि--अलाउद्दीन गोरीके दरबार मे थे।

कुम--रानाचित्तौर सम्भत् १२५७ ई० मीराबाई का पति।

कामताप्रसाद--ब्राह्मण लखपुरा, सम्वत् १९११ हिन्दी फारसी, संस्कृत तीनो भाषाओ के बढिया कविथे। सैकड़ो शिष्य इन के हुए।

खमानकवि-- चरखारी, सम्वत् १८४० अन्धे थे फ़कीर की असीस से कवि हुए, महाराज सेंधिया की परीक्षा के लिये एकरात मे ७०० श्लोको की एक पुस्तक तैय्यार की।

राजाखमान--चित्तौर का मशहूर राना, बड़ा कविथा।

रहीम--खान खानान बैरमखा के बेटे अकबर के दरबारी, हिन्दी, संस्कृत, फारसी, तुर्की भाषाओ के कविथे।

गगकवि--बादशाह अकबर के दरबारी, प्रसिद्ध छप्पै कहनेवाले लाखों रुपया पाते थे,

गिरधरकविराय--इनकी कुण्डलिया नीतिमे प्रसिद्ध है सम्वत् १७७० वि०

गुरुगोविन्दसिंह--सिक्खो के गुरु, ग्रन्थ बनाया।

राजा टोडरमल--अकबर बादशाह के मन्त्री, खत्री थे,। भागवत का अनुवाद संस्कृत से फ़ारसी में किया।

गुसाँई तुलसीदास--सम्वत् १६०१ वि० सरवरिया ब्राह्मण राजापुर जिला इलाहाबाद के रहने वाले। ९६ वर्ष की आयु पाई। १८ रामायण, विनयपत्रिका और पचास से अधिक पुस्तकें बनाई। पहली दोनो किताबे अतुलनीय और सर्व रुचिकर प्रसिद्ध है। सूरदास, केशवदास, तुलसीदास, यह सब से बड़े हिन्दी के कवि हुए है। काशी मे वास करते थे।

तानसेन--ग्वालियर, सम्वत् १५८८ गान विद्या के प्रसिद्ध उस्ताद। सूरदास के मित्र थे। अकबर के दरबार मे रहे। गौड ब्राह्मण थे।

विशेष विस्तृत वर्णन देखो हिन्दी किताब शिवसिंह सरोज में।

पनकवि-मौजे समाना ज़िला मैनपुरी, सम्वत् १६६१ वि०, इनकी ब-नाई ७२ किताब है।

नरहर-अकबर के दरबारी और माफीदार।

निपट निरंजन स्वामी-उच्चश्रेणी के उपदेशक, सं० १६५० वि०

नानकजी-पंजाबी, खत्री, मौजे तिलोंड़ी, सं० १५४० वि० सिक्ख मत के प्रचारक।

नाभाजी-भगतमाल के रचियता सम्बत् १५४० वि० दक्षिण के निवासी।

पजनेश-रियासत पन्ना, सम्वत १८७२ वि०, मधुप्रिया के रचियता।

प्रवीनराय-रियासत उरछा मे पातुर रण्डी थी। सम्वत् १६४० वि०, केशवदास ने इसकी प्रशंसा लिखी है।

बीरबल-दुबे ब्राह्मण, जिला हमीरपुर, सम्वत १५८५ वि०, पहले राजा आमेर के दरबारी कवि थे फिर अकबर बादशाह की भेट मे भेज दिये गये। बड़े लतीफा गो और हाजिर जवाब थे। प्रसिद्ध है।

बिहारीलाल-चौबे, ब्रजवासी, सम्बत् १६०२ वि०, राजा जैसिंह के दरबारी, सतसई के रचयिता, इनकी कविता अपूर्व है।

बनमालीदास-गुसाईं, संस्कृत, फ़ारसी, अरबी कई भाषाओ के विद्वान थे। सम्वत्-१७१६ वि०

भूषन-त्रिपाटी, जिला कानपुर, सं० १७३८ वि० हृदगत विचारों के दरसाने मे उच्चश्रेणी के कवि। राजा सतारागढ़ के मुसाहिब।

मीराबाई-राजा चित्तौर की रानी, स० १८७५ वि० प्रसिद्ध हरिभक्त हुई।

मानसिंह-जयपुर के महाराजा, बड़े विद्या रसिक थे। अपना जीवन चरित 'मानचरित' बनाया। सम्वत् १५९२ वि०।

रसखानकवि-स० १६३० वि०, सैयद इब्राहीम, पिहानी वाले, मुसलमान थे वृन्दावन मे जाकर हिन्दू भगत बनगये।

सुखदेव मिश्र-कम्पिला के, सम्वत् १७२८ वि० कई प्रकार की पिंगल बनाई। औरंगजेब के वजीर फाजिल अली के नाम पर किताब लिखी।

सबलसिंह-चौहान ठाकुर, सं० १७२७ वि०, महाभारत को दोहा, चौपाईयो मे बनाया। जिला इटावा।

नवलसिंह-आर्यसमाजी कवि, 'सभाप्रश्न' के रचियता। जिला मुजफ्फर नगर वर्त्तमान काल।

सूरदास -सुरसागर बनाया जिसमे, ६० हजार पद हैं, अंधे थे। प्रसिद्ध हरभक्त सं० १६४० वि०।

हरनाथ--मौज़े असनी, सं० १६४० वि० राजाओं से लाखों रुपया इनाम पाते रहे।

हरिदास--स्वामी, वृन्दावन, सं० १६४०, हिन्दी और संस्कृत के प्रसिद्ध कवि और भक्त।

गोकुलनाथ–काशी के कवि रघुनाथ के बेटे, महाराजा के दरबारी चेत चन्द्रिका, स० १८६४ ई०

गुरदीनपाण्डे–स–१८९१ ई० पिगुल की 'वाक मनोहर' किताब देखने योग्य हैं।

गुमानजी–अली अकबर के मुसाहिब, 'काव्यकलानिधि' सं १५०८वि०

ज्ञानचन्द्रजती–टाड साहब एजेंट, गवर्नर राजपूताने के उस्ताद।

चन्दकवि–राजा पृथ्वीराज के मंत्री, 'पृथ्वीराजरायसा' एकलाखश्लोक

क्षत्रसाल–महाराजा पन्ना, स० १६९० वि० क्षत्रप्रकाश'

जुगलकिशोरभट्ट–कैथल–स० १७९५ वि० मुहम्मदशाह बादशाह दिल्ली के मुसाहिब. अलङ्कारनिधि, किताब अपूर्व।

जयसिह–महाराज जयपुर हरफन मौला थे। 'जयसिह–कल्पद्रुम' अपना जीवनचरित्र, सं० १०५५ वि०



हिन्दुस्थान की इतिहास घटनायें ।

मुसलमानो की पहली चढ़ाई सन् ६३६ ई०
मुसलमान सिन्ध से निकाले गए सन् ७५० ई०
महमूद गजनवी ने सोमनाथ लूटा सन् १०२४ ई०
मुहम्मद गोरी थानेश्वर मे परास्त हुआ ११९१ ई०
पृथ्वीराज मरगए ११९२ ई०
पहला मुसलमान बादशाह कुतबुद्दीन सन् १२० ई०
रजिया बेगम तख्तपर बैठी १२३६ ई०
अलाउद्दीन खिलजी ने चित्तौर लिया १३०३
तैमूर की चढ़ाई हुई १३९८ ई०
विजयनगर का राज्य दक्षिण मे सन् ११९८–१५६५
बहमनी राज्य, गुलबर्गा १३४७ई०
बाबर शाह की चढाई १५२६ ई०
अकबरबादशाह गद्दीपर बैठा १५५६ ई०
नूरजहां मलका जहांगीर की १६२६ ई०
शाहजहां कैदकिया औरङ्गजेब ने १६२६ ई०
सिक्खोपर अत्याचार निर्दयता से कतल १७१६ ई०

नादिरशाह की चढाई १७३९ ई०
अहमदशाह दुर्रानी की चढाई १७५२ ई०
सेवाजीका राजत्वकाल १६२७ई०
मरहठो की अङ्गरेजों से अन्तिम लड़ाई १८१८ ई०
वास्कोडिगामाकी यात्रा १६१२ई०
पुर्तगीजोंकीपहलीलड़ाई १५०२ई०
ईस्टइण्डिया कम्पनी की यात्रा १६१२ ई०
लार्डक्लाइवपहलागवर्नर१७५८ई,
पलासी की लडाई० १७५७ ई०
नेपाल की लडाई १८१४ ई०
इस्तमुरारी बन्दोबस्त नियत हुआ १७९३ ई०
पिण्डारों का अन्त १८१७ ई०
लार्ड वेंटिङ्कने सतीकी रीति बन्द की १८१९ ई०
ठगोंका अन्त १८३८ ई०
काबुलपर चढाई १८४१ ई०
महाराजा रजीतसिंह १७८० ई०
सिक्खो और अङ्गरेजो की लड़ाई १८४९ ई०
मुल्क ब्रह्मापर चढाई १८५२ ई०
अवधकामुल्कछीनागया १८५६ई०
गदर हुआ सन् १८५७ ई०
सिकन्दर आजम की चढाई सन ई० से ३२४ वर्ष पहले

तीसरा-अध्याय वैद्यक

निषेध और बर्जित ।

दाँतुन के लिये अच्छी लकड़ी—आक की जड़, बबूल, नीम, खैर, पियासांसा आंवला, सिहोरा, करंज, बड़, महुआ, मोलसरी ।

दाँतुन करने का निषेध—अजीर्ण वाले, कै, दमा, ज्वर, लकवा, अधिक प्यास, मुंह पकजाना, हृदरोग, शीर्षरोग, कर्णरोग, कण्ठ, होठ, जिह्वा, हिचकी नशे में । खांसी की बीमारी वाले को दाँतुन एक बालिश्त लंबी और अंगुली के बराबर मोटी हो । छाल में कीड़ा या कोई रोग नहो गाठदार नहो । गरम पानी से कुल्ली करना या गरम रोटी दांत से काटना, अधिक बर्फ खाना, पीना—या गरम चीज खाकर ठण्डी चीज़ खाना, पीना, यह दातों को जल्द बिगाड़ते है।

पानी पीने का निषेध—रात्रि के समय, अमरूद, खीरा गन्ना, खरबूजा अथवा और कोई फल खाकर, व्यायाम के पीछे, धूप मे से आकर तुरन्त ही, पसीना होने की दशा मे, शौच से आकर, कै करने बाद, दूध पीकर या पीने से पहले, जलेबी खाकर, सोते समय।

अधिक पानी पीने का निषेध—पाण्डुरोग, पेचिस, कोढ़ बवासीर, आँख दुखना, फोड़ा जुकाम, ज्वर वाले को, दस्त वाले को।

ठण्डा पानी लाभदायक—प्यास, सुस्ती, मूर्च्छा, कै, खेद, रक्त पित्त, विष, गर्मी, दर्द, ख़ून फिसाद, नशे की दशामें ।

गरम पानी लाभदायी—अजीर्ण, ज्वर, दमा, पसली रोग कफ़, बात रोग, शूल, पेट्ट के रोग पीनस वाले को ।

मठा—इसका पीना बहुत उपकारी है, अमृत तुल्य है। भोजन के पीछे पीना उचित है। इसके सदैव के व्यवहार से यह बीमारी जाती है—बवासीर, सूजाक, भगन्दर, प्रमेह, गोला, अतिसार, शूल, कुष्ट सूजन, प्यास, पाण्डु रोग, कृमरोग, लारबहना, पेचिस, मेदरोग, क्षई अरुचि।

भोजन के पीछे निषेध—व्यायाम मैथुन, सोना, दौड़ना, तैरना, सवार होना, धूप या आग की गर्मी बारहमासा, चैत गुड़खाना बारहमासा—बैसाख में तेल, असाढ़ में बेल, सावन में दूध, भादों में मठा और मूली क्वार में करेला, कातक में दही, अगहन में जीरा, पूस में धनिया, माघ में मिश्री, फागुन में चना खानेका निषेध है।

एक ही समय में नीचे की वस्तुओं के खाने का निषेध है—

दूध—के साथ खरबूजा, खट्टा चीज़, मूली, मछली, अंजीर, नीबू, मटर, कुल्थी, कगनी।

शहत—के साथ घी, कॅवलगट्टा गुड़, तेल, चर्बी, मछली, मांस।

भिलावा—के साथ गरम भोज्य पदार्थ पान।

मूली—के साथ मुर्ग का मांस उर्द की दाल।

दही—के साथ बगले का मांस।

कबूतर—के मांस के साथ प्याज।

बड़हल—के साथ उड़द गुड़; दही घी दूध।

केलाकेसाथ—दही, मठा, ताड़ी।

मकोह के साथ—पीपल, शहद, मिर्च, गुड़।

मूली—दही एकसाथ खाने से, गोला होजाने का अदेशा है।

दूध—खटाई से पेट में दर्द। दूध मछली और गन्ने का रस पीने सेगोला मांस और सिरका से पेटका—दर्द दूध शराब से गठिया मांस और शहत से पेट दर्द। मांस और दही से लकवा। लहसन, शहद, और खरबूजा से खून जलना होता है। केला और दूध से हैज़ा। शहद घी से फ़ालिज होजाने का डर रहता है।

तेल मलना लाभकारी है—बूढ़े, बालक, निर्बल, दुबले, खुश्की वाले को, धातु की कमी वाले को, बात रोगी को, आंख दुखने वाले को, अंधे और खारिश वाले को।

तेलमलने का निषेध--मन्दाग्नि, तीक्ष्णाग्नि; मोटा बहुत, दुर्बल, पेट के रोगी को, विषखाये को मूर्छा, वमन, कफ प्यास; सुस्ती, जुल्लाब और पिचकारी से जिस्को दस्त कराये गये है। कंठरोग गर्भपात।

वमन कराना उचित है--कफ, नवीन ज्वर, दस्त. क्षई, कोढ; प्रमेह, गांठ श्लीपदअपची विक्षिप्त; खांसी, दमा, हृदयरोग. विसर्प. बच्चेके दूध का रोग, विदर्धी--विषयुक्त बुरी वस्तु खायाहुआ।

वमन करने का निषेध--गर्भवाली स्त्री को, खुशकी वाला; भूंखा. सदारोगी बालक; बूढा, दुबला, बहुत मोटा घाइल; दुर्बल, तिल्ली वाला, अन्धा, पेट मे जिस्के कीडे हो वातरक्त का रोगी. पिचकारी से जिसे दस्त; कराये गये हों; कण्ठ जिसका बैठा हो--मूत्रघात; पेटरोगी, वायुगोला।

दस्तकरानालाभदायक--वायुगोला, बवासीर, चेचक, झांई, कमलवाउ, क्षई, पेटरोग, विष खायाहुआ, कैलानेवाला; तिल्ली, वदर्धी, पेट का गर्भ रोगों की, यकृतरोग फोडा, पेटके कीडों, मूत्रघात, कोढ प्रमेह विक्षिप्तता, मिर्गी, गांठ खांसी; दमा, विसर्प. हलीमक, अपची हृदय रोग; अन्धे को श्लीपद।

दस्तकरानेका निषेध--नवीनज्वर, अजीर्ण, रक्तपित्त] निमोनिया, भगन्दर, घायल, और जो चिकनाई रखता हो।

घाववाले को देना लाभदायक--जो गेहूं, साठी, मसूर, मूंग, मूली, बथुआ, चौलाई, करेला, सेधानमक; अनार, आँवला, घी. चाँवल, तेल, शोरुवा गरम करके ठण्डा कियाहुआ पानी।

घाववाले को देनावर्जित--अजीर्णकारी वस्तुएं. अधिक ठण्डी चीजें, नवीन अनाज, तिलदूध, शराब, उडद, सिरका, नमक, कडवीचीज खटाई।

प्रतिदिन के खाद्य पदार्थों के गुण।

आम--मीठा, पुष्टिकर, काम शक्ति देनेवाला, भूंख बढानेवाला।

फालसा--पुष्टिकर, काबिज, मास्तिष्क और ज्वर को लाभकारी।

खरबूजा--पुष्टिकर, पेशाब लानेवाला; कोठा साफ करनेवाला, गर्मवात पित्तनाशक।

तरबूज--काबिज, ठण्डा नेत्रज्योति; और वीर्य को कम करता है वात और बलगम दूर, पित्त पैदा करता है।

अनार--पुष्टिकर, रक्त और वीर्य्य बनाता है, तृषा, ज्वर कण्ठरोग, रक्त पित्त को लाभदायक है क़ाबिज़।

अँगूर--ठण्ठा पौष्टिक, तृषा ज्वर, दमा खांसी; प्रमेह, क्षई विक्षिप्तता इत्यादि को लाभकारी।

सेव--पौष्टिक कामशक्ति बर्द्धिककफपैदाकरता है, वायुपित्तनाशक।

केला--काबिज पुष्टि कारक, पित्तवायु शांत करता।

अमरूद--मीठाठण्डा, काबिज पुष्टिकर. उपयोगी पित्तक्षयी, दाहज्वर में।

नाशपाती--पाचक, त्रिदोषनाशक।

नारंगी--पुष्टिकारक, तृषा, ज्वर, रक्तदोष, मन्दाग्नि बमन और बिषखाए हुए को लाभदायक है।

नींबू--पाचक वायु नाशक हैज़ा मंदाग्नी बिष त्रदोश को हित।

मूली--पाचक ज्वरनाशक. दमा, कंठ रोग आंख को लाभदाभदायक काम बर्धक।

गाजर--पुष्टिकारक, काबिज मोटा करने वाली।

गन्ना--मेध बर्द्धक और बस्ती शोधक, सीने को लाभकारी।

बादाम--मीठा, काबिज़, मस्तिष्क को शक्ति देने वाला, नेत्र, गोला और खांसी को लाभदायक, कामशक्ति बर्द्धक।

पोदीना--कामशक्ति बर्द्धक, हिचकी, दांत रोग, उबकाई बस्ती को।

बैंगन--गठिया को लाभ दायक, पेट को पुष्टिकर, बवासीर, को अहित

शलगम--पाचन व कामशक्ति और जिगर को पुष्ट करने वाली, क़ाबिज़ शर्करा प्रमेह को हित।

छुहारा--कामशक्ति बर्द्धक, रक्त पैदा करने वाला, मेधबर्द्धक, लकवा और पथरी को लाभकारी, गरम है।

औषधियों के गुण।

रक्तशोधक--कासनी के बीज, काहू-धनिया-गुलाब-उन्नाव, चन्दन सुर्ख और सफेद-शाहतरा-मुंडीमहदी-नीबू-ब्रह्मडंडी-आलू-बुख़ारा-नीलकंठी, नीमका फूल-नीलोफर वनफ़शां।

गाढे रक्तको पतलाकरनेवाली--हाऊबेर-जङ्गली पियाज-अस्तोखदूस-पोदीना दारचीनी-बाबूना-मोथा वच अजवाइन।

स्त्रियोंकारजधर्मकरनेवाली--तज' कलौंजी, अजवाइन, सद्दाब अर्थात तितली-

मोथा' केशर' मुन्डी' अजमोद, पखानवेद' कबाबचीनी, बायविड्ङ्ग-बाबूना इत्यादि ।

मस्तिष्क को पुष्टिकारी--आमला हड़ सेव' अमरूद' बिही'नारङ्गी' मोती लौंग' केशर' चमेली, चन्दन' बादाम' सोंठ' दूध' मोथा, इत्यादि ।

मस्तिष्क को हानिकारी--बहुत ठण्डी और बहुत खट्टीचीजें ।

दिलको पुष्टिकारी-- अमरूद, अनार' आवला' पान' सेव बिही अजीर-इमली' जहरमुहरा खताई' इलायची सफेद--दारचीनी' कस्तूरी' गुड़हल' केशर' शकाकुल' चन्दनसफेद' बसलोचन' चांदी सोने के वर्क--पिस्ता' लौंग' कपूर, धनिया' मोती' नीलोफर' पोदीना' याकूत' केवडा इत्यादि ।

जिगरको पुष्टिकारी--पिश्ता' इलायची' मुनक्का, अनार' दारचीनी' इत्यादि ।

जिगर को हानिकारी-नारङ्गी' छुहारा' सिरका, ठण्डापानी इत्यादि ।

आमाशय को पुष्टिकारी -आंवला' अनार' बिही' बंसलोच, हड' कालीमिर्च' दारचीनी' मोथा' लौंग' पोदीना इत्यादि ।

अमाशय को हानिकारी-केशर, घी, मसूर, कालेतिल इत्यादि ।

भूखबढ़ानेवाली-नींबू' कालीमिर्च, सौंठ' नमक इलायची, ठण्डा पानी इत्यादि ।

दांतोंकी पुष्टिकारी-सुपारी, अकरकरा, मोथा, माजूफल, मश्तगी, इलायची, कसीस, बसलोचन, मोलश्रिरी मसूर इत्यादि।

दांतोंको हानिकारी-दूध, मूली, बर्फ, पारा खटाई इत्यादि ।

नेत्रोंकी ज्योतिकारी-आंवला, हड़, बादाम, मुंडी, सोंफ, शहद, सुर्मासगाना, मुश्क केशर, मोती ।

वाजीकर्ण-गाजर मूली' पियाज' दूध' खीर' छुहारा' बादाम' तिल' पिश्ता' चलगोजा' सालबमिश्री' सकाकुलमिश्री' गोखरू' बिहमन' खरबूजे के बीज, कोंच' सेमलकान्मूसला' मूसलीस्याह और सफेद, अकरकरा' मश्तगी दारचीनी पीपल' पोश्त' सोंठ मुश्क-मोती इत्यादि ।

कामशक्त को हानिकारी-धनिया' कासनी' काहू' इमाय' कपूर, मोम नमक' नींबू' नारङ्गी' इमली' आलूबुखारा' इत्यादि ।

बीर्य को दाबवाली-दूध' पियाज' बादाम' पिश्ता' नारियल' चना, सोंठ' केशर' मुश्क' शकाकुल' गंदना के बीज ! बहमन ।

वैद्यक अध्याय ३

रोगों के नाम डाक्टरी वैद्यक यूनानी

यूनानी	डाक्टरी नाम	वैद्यक नाम	मशहूर नाम
دوران سر	Vertigo .	शिरो विभ्रम	सिरघूमना
کابوس	Nightmare	भूतोन्माद	स्वप्न मे डरना
مراق	Hypocandria ...	विक्षिप्त	झक होना
سبات	Somnosis	गाढ़ निद्रा	अति निद्रा
سہر	Insomania	निद्रानाश	कम निद्रा
کزاز	Tetanus .	धनुर्वात	ऐंठना
شدرص جمود	Catalepsy	दंडापतानक	अकड़जाना
سکتہ	Apoplexy	सन्यासघात	मुर्दासापड़ना
صرع	Epilepsy ..	अपस्मार	मिर्गी
رعشہ	Chorea ..	कम्पवायु	थरथराना
خدر	Anaesthesia ...	त्वकसन्य	सुन्न होजाना
سرسام	Delirium ..	सन्निपात	सरसाम
فالج	Hemiplegia ...	पक्षाघात	अर्धांग
لقوہ	Paralysis .	अर्दित	मुंह टेढ़ा

رمد	Opthalmia ..	अभिष्पद रोग	आंख दुखना
نزول الماء	Cataract .	शीस विन्दु	मोतिया बिंद
عشاء	Nectilopia ..	नक्तांध	रतौंद
کوتاه نظری	Myopia ...	हृस्वजातक	दूर का न दीखना
بیاض العین	Laucoma ...	अर्जुन-शुक्र	फूला
وجع الاذن	Otalgia .	कर्णशूल	दर्द कान
قروح الاذن	Otorrhea ..	कर्णपाक	पीव कान में
ریزش نزله سعال	Catarrh, Bronchitis .	प्रतिश्याय	ज़ुक़ाम
رعاف	Epistaxis .	पल्लीरक्त	नकसीर
خشم	Oozena ...	गंधा ज्ञान	बास न आना
قلاع	Aphthae ...	मुखपाक	मुंह पकना
ضیق النفس	Emphysema .	श्वासावरोध	लम्बा सांस
خناق	Tonsilitis ...	रोहिणी	गले में दर्द
ذات الجنب	Pleuritis	पार्श्वशूल	पसली दर्द
نفث الدم	Haemptysis ..	रक्तपित्त	खून थूकना
وجع القلب	Anginapectoris	हृदयशूल	दर्द दिल
غشی	Syncope ..	मूर्छा	बेहोशी
سوء الهضم	Dyspepsia	मंदाग्नि	क़बज़
وجع معده	Gastralgia ..	प्रत्या नाह	पेट में दर्द

سوءالمزاج	Pyrosis ..	अजीर्ण	पदहज़मी
استسقا	Ascitis ..	तृष्णादाह	जलधर
سوءالقنيه	Anasarca ...	आम वात	
اسہال خونی	Malaena ...	रक्तातीसार	खून के दस्त
سنگریزه	Gall-stone ...	वात ष्ठीला	पथरी
بول الدم	Haematuria ...	रक्तप्रमेह	खूनकापेशाब
حرقة البول	Dyasuria .	मूत्रोत्सर्ग वातकुडलिका	चिनग
فتق	Hernia	परिवर्त्तिका	वरछिटकना
اعظم الانثيين	Hydrocele ...	अंडवृद्धि	फोतेबढना
بواسیر	Haemorrhides Piles .	अर्श	बवासीर
نواسیر	Fistulae-in-ano	भगन्दर	गुदाकाफो[illegible]
عسر حیض	Dysmenorrhoea	रजः कष्ट	हैजबन्द
كثرت طمس	Menorrhagia ..	प्रदर	पैरकटना
اختناق الرحم	Hysteria .	अनन्तवात	वायगोला
اسقاط	Abortioin ...	गर्भपात	हमलगिरना
برص	Lucoderma ..	पुंडरीक,श्वेतकुष्ट	सफेददाग
داءالفيل	Elephantiasis	श्लीपद	फीलपाया
حمره	Erysipeals ...	विसर्प	
داخس	Witlow .	नखविश	बिसारा

سعفه	Porrigo ...	अरुषिक	गंज
حکه	Pruritis	पापा	खारिश
ام الصبیان	Croup ...	अपतानकवायु	डब्बा
شرے	Urticaria	उदर्द	पित्तीउछलना
سمن مفرط	Obesity	मेदवृद्धि	मोटाहोना
داء الکلب	Hydrophobia	अलर्क	हड़कवाय
احراق السموم	Coup de-soleil	प्रभापात	लूलगना
سقط	Contusion ...	पतनाघात	गिरना
کسر استخوان	Fracture ...	अस्थिभग्न	हड्डीटूटना
خلاء	Dislocation ...	संधिभग्न	गड्डाउतरना
شقاق پا	Chilblains ..	पाददारी	बिवाई
ناسور	Sinus ...	नाडीव्रण	भगिया फूटा
سلع	Tumour ...	ग्रन्थि	रसौली
صحاب	Carbuncle ...	अदृष्टि	अदीठ

ऐसी बातें ज़ियादा मुफस्सिल देखो हमारी किताब
कायाकल्प मैं दाम २)

मशहूरनाम	वैद्यकनाम	डाक्टरीनाम	यूनानीनाम	पहचान	कैफियत
अदरक	आर्द्रक	Ginger .	زنجبیل	जड़	पाचक श्लेष्मनाशक दर्द बन्दकरनेवाला आमानाशकोबलदायक
अजवायन	यवानिका	Omum Seed ..	نانخواه	तुख्म	पाचक, श्लेष्म नष्ट करनेवाले सशोधक, रज उत्तेजक
अतीस	अतिविषा	Aconite		जड़	दर्द बन्द करनेवाला, छेदन, बल कारक, पाचक
अगर	अगरू	Eagle-Wood ...	عودغرقی	जड़	बल कारक, शुक्रल, स्वादिष्ट विकाशक !
एलवा	एलवालुक	Aloe ...	صبر	गोंद	परिवर्त्तकमलकारकसंशोधक
औंगा	अपामार्ग	Chael-Flower	اتکمه	चरचिटा	विरेचक, पाचक दीपन, वमन, कफ, अफरानाह अर्श खजली, मेदआदिकोहित
अमर बेल	अमरबल्ली	Dodder .	افتیموں	ज़रदबेल	प्रमाथी, स्वादिष्ट, परिवर्त्तक विरेचक, और वात को हित है
इन्द्रायन	इन्द्रबारुणी	Colocynth	حنظل	फल	प्रमाथी, छेदक, दर्दबन्दकरनेवाला अपस्मार को हित है
अरनी	अग्निमथ	Clerodium		तुख्म	दीपन मुफत्तह गरिष्ट ।
आंबाहल्दी	दारू हरिद्रा	Berberies ..	دارچوبه	जड़	प्रमाथी, मुफत्तह, खुजली व शोथकोहितऔरसुगंधितमञ्जन

अबरक	अभ्रक	Mica, Talc	طلق	चमक दारबरक	घाव व अतीसार को हित
इसपगोल	अस्वगोल	Plantago	بزروطونه	तुख्म	आर्द्रघावशोथ,कठोरता,जिह्वा औरदर्दकोहितभुनाहुआविषहै
अलसी	अतसी	Linseed	بزرالکتان	तुख्म	श्लेषा नाशक,बस्ती का हित, सशोधक और बलकारक है
आल	आल	Sappan-wood	بقم	लकड़ी	घावभरनेवालीऔरत्वक्शोधक
बबूना	ब्रहती	Chamomile	اقحوان	फूल	प्रमाथी, स्वादिष्ट, सशोधक, विशातक, खोलनेवाली।
अस्मक	सम्रक्षा	Sweet-cloves	اکلیل الملک	तुख्म	प्रमाथी,मोटा करनेवाली। कुष्ट प्रमेह शोथ को हित है।
बाइविड़ग	विड़ग	Embelia	برنگ کابلی	बाल	कृमि, शूल और अफरालाह को हित।
बालछड़	नाला	Velleriana	بادرنجبویه	तुख्म	संशोधक,मुफत्तह, पथरी, प्रमाद, कामला, नेत्र को हित
बाबची	बाकुची	Psoralia Corylipholia	اطریلال	लकड़ी	कुष्ट, खुजली घावको हित, बलकारी।
बच	बचा	Sweet flag	کاروں	तुख्म	पाचक, अपस्मार, उन्माद, मूत्रको हित।
बलंगो		Dracocephalus	بالنگو	स्याह	प्रमाद, अतीसारखूनी, सग्रहणी, तृपा को हित।

बथुवा'	वास्तुक	Chenopodium	. .	قطف	साग	जलोदर,अर्श,कृमिकोहित,संशोधक स्रस्तन,दीपन मुफत्तह।
ब्रह्मी	ब्राह्मी	Indian Penny-Wort	...	ﺭﻧﻠﺲ	रुखड़ी	स्वादिष्ट, विकाशी, बलकारक, मुफत्तह,खांसी,शब्दमूत्रकोहित
विषखपड़ा	पुननवाश्वत	Boerhavia Diffusa	...	ﺭﺩﻗﻮﻗﺎ	जड	शोथ, रुधिर विकार, कफ को हित।
वशलोचन	वंशलोचन	Camphue		طباشير	सफेद	मोटा करनेवाला बलकारक, शुकल,रुधिर औरवातको हित
भिलावा	भल्लातक	Semecarpus Anacardium	...	بلاور	फल	श्लेष्म, अफरानाह, कुष्ठ,अर्श, सग्रहणी को हित।
बोल	गंधरस	Myrrh	. .	هدرابول مرمکی	तुख्म	रुधिरस्त्रवितहोना.ज्वरअपस्मार गर्मकोहित। पाचक और परिवर्तक
परानभेद	पाषाण भेद	Gentiana	...	گوشادر	जड़सुर्ख	संशोधक,गरिष्ठ,अच्छा,त्वक्शोधकमुफत्तह,पीडाकामलामेह,नपुंसकताकोहित
प्याज	पलांडु	Onion	. .	بصل	गांठ	मुफत्तह,वाजीकरणदीपनप्रमाथी संशोधक,नेत्रसिध्ममरीकोहित
पोस्त	खारवज	Poppy	...	کوکنار	दाना	स्नेहन, विश्रातका, रादभ,आमाशय वस्ती,खासी, हृद्रोग,मस्तिष्ककोहित
पियबांसा	सहचर	Barleria	....	ناسہ	पत्ते	श्वास,कफ,नकसीरकेहित यक्षमा रजोनिःसारकऔरदीपन
थूहड़	सनुहा	Milk Hedge	...	زقوم	दूध	प्रमाथी, मुसमिन, विष।

त्रिफला	फलत्रिक	Three Myrabolams ...	اطريعل	हड़बहड़ा आमला	बलकारक, विरेचक, अर्श नेत्र, कुष्ठको हित।
तालीस	तालीसपत्र	Taxus Boccata ...	طااليسعر	पत्ते	गोला, अजीर्ण, ज्वर सग्रहणी को हित।
तगर	सुगन्धवाला	Veleriana Celtica Foal Foot ..	اساروں	लकड़ी	अपस्मार नेत्र पीड़ाको हित
तज	त्वकपत्र	Cinnam. Aroma ...	سليخه	रुखड़ी	बलकारक,प्रमाथीसंशोधक स-रेग्म और वातपित्तादिको हित
तेजबल	तेजवती	Xanthophyllum ...	كباب دهن كشاده	छाल	पाचक, श्वांस, मुखरोग, वात रोग आदिको हित।
तेलनीमक्खी		Cantharides ...	ذراريح	तुख्म	सिध्म, श्वेत कुष्ट, शोथ, इ-न्द्रलुप्त, प्रभापातको हित।
जायफल	जातिफल	Nutmeg ..	جوزبويا	फल	विकाशी,मादक,पाचक,बलकारक,गठिया,प्लीहा,वृष्णादाह।
जावत्री	जावित्री	Mace ...	دردارسباسه	फूल	बलकारक, विकाशी, मुफ-रह, प्रमाथी, पाचक।
जटामांसी	जटामासी	Spikenard ...	سنبل الطيب	जड़	विपकफपित्तमृगीकुष्टकोहित
जवासा	यवास	Camel's thorn ...	حاج	कांटेदार	विपनापक, गठिया, फूली-शिरदर्द को हित।

झाऊ	शवाक	Tamarix .	ثمرالطرفه	लकड़ी	गरिष्ट प्रमाथी, मुफत्तह, प्लीहाको हित।
चव	चव्य	Piper Chavia ..	دارحوله	लकड़ी	अपस्मार, अर्श प्लीहा, गोला, कृमि, श्वास, ज्वर, संग्रमको हित
खुराशानी अजवान चोब	अजवान किर्मानी हैमदुग्धा	Henbane Hyosyamus Biger Orris Root	بذرالبنج حماض	दाना जड़	रुधिर स्रवित होना नेत्र, और बुद्धिको आहित। बलकारक, पाचक, कुष्ट, नशाकोहितसुगन्धित मंजन।
चिरायता	चिरत्तिक्त	Chiretta .	قصب الذريره	लकड़ी	संशोधक, बलकारक, खुजली, शोथ पीडा, वृष्णादाह, मूत्रबद्ध को हित
चोबचीनी	दीपान्तरवच	Smilax Chinas ...	راون	जड	पाचक शूल, अपस्मार उन्मादपीडा उपदेशको हित।
चीता	चित्रक	Plumbago ...	شیطرج	छाल	विकाशी, प्रमाथी, पाचक मुफत्तह, गठिया नपुंसकता, स्वर श्वेत कुष्ट को हित है।
खूबकलाँ	कुक्षालय	Sisymbrium-irid .	خاکشیر	दाना	शुक्रल, दीपन, प्रमाणी, बलकारकपाचक, मुसम्मिनमुफत्तह शीतला और ज्वरको हित।
दोनामरवा	दवनक	Worm-wood ..	مرزنگوش	जड	मुलत्तिफ मुफत्तह प्रमाथी, शोषक शूलवायु रोगप्रतिश्याय प्लीहावृष्णादाहको हित है
धतूरा	कनक	Stramonum ...	جوزماثل	फल	स्तम्मन, मादक, बलकारक, स्नायु विष, कृमि, पीडा और शोथ को हित।
धमांसा रसौत	दुस्पर्श रसांजन	Fagonia Arabica Exed Berberis .	بادآورد حضض	लकडी गोंद	ज्वर, कुष्ट, श्वास भ्रमको हित नेत्र, कफ, अर्श को हित।

रेवन्दचीनी	पीतमूली	Rhubab .	راوند	लकडी	भेदन शंशोधक, प्रमाथी काम लारीह उदर्द घाव को हित
रेगमाही	मत्स्यमीन	Lacerta Cemea, Skink	ریگ ماهی	जानवर	तिला लाभकारी ।
रीठा	अरिष्टक	Soap-nut	بندق	फल	वायुरोग अपस्मार, गर्भाशयमें पीडा आधाशीशीकोहित
रूमीमस्तगी	मस्तकी	Mastiche ...	کندر علك	गोंद	मुलत्तक प्रमाधी त्वक्शोधक, गारेष्ट बलकारक, उत्तेजक ।
जंग	माडूर	Iron Rust .	خبث الحدید	चूरन	पाद प्रमेह कृमि. कुष्ठ, और नेत्रश्राव को हित ।
सोनामक्खी	स्वर्णमाक्षिका	Iron Pyrite .	حجر الطلق	धात	बलकारक वाजीकरण कुष्ठ अर्श प्रमेह, जलोदर, विदारीकोहित
सोया	मिश्रेय	Dil Seed	بزرالسداب	बीज	मन्दाग्नि कृमि भगपीडा ज्वर कफ नेत्र को हित ।
सुहागा	टंकण	Borax .	تنکار	नमक	पाचक छेदन बलकारक रज शोथ मसूडा, गर्भपातको हित
सफेदा	नागभस्म	Ox Car, Lead .	اسفیداج	फूलां	श्वित्रत्वचनेत्रमांसवृद्धकोहित
सज्जी	सर्जिका	Soda, Barilla .	شخار	नमक	जवाखारवत प्लीहा को हित घाव दाद प्रमाथी, प्लीहा विषको हित ।
सिंदूर	रक्तरेणु	Minium ..	اسرنج	सुर्ख	सशोधक, बलकारक गरिष्ट
सुपारी	पूगी	Beetle-Nut	فوفل	फलखल्त	शुक्रल वीर्य को हित ।

सरेश	श्रीवेष्ट	Glue ...	عری	गोंद	वावशोथयक्षमादादको हित
सिरका	इक्षुद्राव	Vinegar	خل	अर्क	चक,दीपन,कृमि,शूल, और प्लीहा को हित ।
शीतलचीनी	कंकोल	Tail Pepper, Cubeb ...	کباب چینی	बीज काला	हृदयरोग, नेत्र, और प्रमेह को हित ।
सुरजान	वजरकंद	Colchicum Daffodilla ..	سورنجان	जड़	सरेग्म, रतूबत गठिया, वाह, और अर्श को हित ।
सुरमा	अंजन	Antimony	اثمد	काला	गरिष्ट, ग्राही बलकारक, दृष्टि पीडा, रज, घाव को हित ।
सेलखरी	खटिका	Soap Stone	سنگ جراحت	पत्थर	[illegible] गिरना, दां[illegible] और शिर [illegible] हित ।
सगरफ	हिंगुल	Cinnaber, Vermillion	زنجفر	पत्थर	गारि[illegible] शोधक छेदक घाव भरने वाली ।
शोरह	सुवर्चिक	Saltpetre, Nitre	ابقر	नमक	जवा[illegible]रवत, मूत्रकृच्छ, को ला[illegible], [illegible]
शीरखिस्त	यवासशर्करा	Manna	ترنجبین	गादेसफेद	[illegible] चित्त, अजीर्ण, को हित दुर्बल [illegible] विरेचन ।
अक़रकरा	अकरकरभक	Pellitory Root	عاقرقرحا	लकड़ी	मुफ़वह वमन सज्ञक वायु रोग [illegible] लाना छातीके दर्द और दातको हित
कचूर	कर्चूर	Long-Zedory	زرنباد	गांठ	कुष्ट,अर्श,घाव, खांसी,गोला कृमि गंडमाल को हित ।

कुटकी	कटुकी	Hellibore	..	حرتق سیاہ	जड़	पाचक हृदय श्लेष्म प्रमेह श्वास रुधिरविकार और कृमि को हित
कतीरा	शुकला	Tragascanth	..	صمغ الفتاد	गोंद	विकाशी, स्रसन, अवसादक बल कारक, छेदक, खांसी को हित
कोयल विष्णुकान्ता	अपराजिता	Mazerion	..	بیخ حیات	जड़	कुष्ट, शूल शोथ घाव, आंव को हित
कुलींजन	महावरीवच	Galangal	...	خولنجان	लकड़ी	श्लेष्म, अजीर्ण, कण्ठ और मुख रोग को हित।
कौंच	कपिकच्छू	Cowitch	..	قوانچ	बीज	घाव, खांसी को हित बलकारक
कायफल	कटुफल	Wax Myrtle	.	دار شیشعان	छाल	ज्वर, श्वास, प्रमेह, अर्श, खांसी को हित।
कुन्दुरू	कुदरू	Olibanum	.	[illegible]	गोंद	रज, ज्वर, पसीना, मुखरोग, दर्द को हित।
कांटकरंज	लताकरंज	Bonduc nut		خایہ ابلس	बीज	शूल, गोला, को हित पाचक।
कत्था	खदिर	Catechu	.	کاب	लाल	दांत, खांसी, खुजली, घाव, कृमि कुष्ट को हित।
कनेर	करवीर	Oleander		سم الحمار	फूल जड़	घाव, नेत्र पीड़ा, कुष्ठ, कृमि, खुजली को हित।
कुचला	कारस्कर	Nux-Vomica		اراقی	फल	अर्द्धांग, गठिया, नपुंसकता, मूत्रश्राव अश्मरी, अधमान, विषको हित
कुसुम	कुसुंभ	Safflower	..	عصفر	बीज	विरेचक, बस्ती रोगों को हित

कसीस	कशीश	Copperas	.	زاک اصفر	पत्थर	प्रमाथी भेदन अर्द्धां। अर्श और दाद को हित।
खपरिया	भूरसक	Calamine	.	سنگ بصری طوطیا کرمانی	पत्थर	नेत्र अश्मरी कण्ठ विषको हित
गोलोचन	गोरोचन	Gall Stone		حجر البقر	ज़र्द	विषः रुधिर स्रवित होना, प्रमाद को हित।
गेरू	गेरिका	Red-ochre	...	گل سرخ	कालमिट्टी	श्लेष्म उष्णता रक्त स्रवित होना बाव प्रमेह रक्त को हित
गंदाविरोज़ा	सरलद्राव	Turpentine		قنه	गोंद	खांसी अर्श मूत्रकृच्छ अश्मरी योनि को हित
गंदना	गुंद्रा	Bract Birthwort	...	کراث	तुख्म	रुधिरस्रवित होना क्षुधा वमन ज्वर अतीसार को हित
घीगुवार	घृतकुमार	Aloe	...	صبر	गूदा	नेत्र विष प्लीहा गोला द्रव्य त्वक्रोग को हित
घुंघची	गुंजा	Abrus–Precatorius	...	چشم خروس	बीज	भ्रम श्वास तृषा खुजली बाव क्रोध नेत्र पालन को हित।
लोबान	लोबान	Benzoinum	.	صرت عود	गोंद	खांसी रुधिर गिरना दाद को हित बलकारक
लहसन	लसून	Garlic	...	ثوم	गांठ	अजीर्ण ज्वर पार्श्वशूल शोथ खांसी कृमि कुष्ट को हित
मुलेठी	यष्टीमधु	Licquorice	...	رب السوس اصل السوس	लकड़ी	शोथ तृषा खांसी विषको हित
मजीठ	मंजिष्ठ	Indian madder	..	روناس	लकड़ी	श्लेष्म शोथ नेत्र कान गर्भाशय शब्द रुधिर को हित।

मकोह	काकमाची	Solanum Indic ..	عنب الثعلب	फल	शब्द नेत्र शोथ हिक्क वमन प्रमेह को हित ।
ममीरा	मिश्रमिती	Coptis Teeta .	ماميران	जर्दजड़	नेत्र ज्वर इत्यादि को हित
मुरदारसन	ककुष्ट	Litharge, Massicot .	مردارسنج	जर्द	विरेचक त्वक्शोधक क्रमि शोथगोला कफ को हित ।
माजूफळ	माजू	Galla ..	عفص	फल	विरेक नकसीर नेत्र दांत श्लेष्म लार बहने को हित
मनसिल	मनः शिळा	Realger ...	زرنیخ	लाल	विषखांसीरुधिरविकारकोहित
निसोत	त्रीपुटा	Turpeth-Root ...	تربد	लकड़ी	विरेचकवस्ती रोगोंमेंआहित ज्वर शोथ उदररोग मूर्च्छा को हित ।
नीलाथोथा	तुत्थ	Blue-Vitroil ...	طوطیا	नीला	वमनशंडकआर्द्रा नेत्रविषपथरी कुष्ठको हित ।
नकछिकनी	छिक्कनी	Hoya-Veadiflora ...	کندرس	छत्ता	कुष्ट क्रमी मास्तिष्क मुखरोग को हित ।
हड़	हरीतकी	Chebula ...	هلیله	काला	पाचक सर्व रोगो को हित
हालूमैदा	चंद्रसूर	Cress-Seed	حب الرشاد	बीज	हिक्का मूत्रकृच्छ प्रमेह चोट का हित । बलकारक
हरताळ	तालक	Orpiment	زرنیخ اصفر	पत्थर	खुजली इन्द्रलुप्त क्रमि को हित दाहक ।

रोगों के नाम डाक्टरी वैद्यक यूनानी

फारसी	अगरेज़ी	संस्कृत	नागरी
مسہل	Catharatice ..	विरेचक	दस्तलानेवाली
مقی	Emet c	वमनसंज्ञक	कैकरानेवाली
مبلی ـ غشی	Nauseant ...	कषाय	जीमिचलानेवाली
معرق	Diaphoretic	स्वेदक	पसीनालानेवाली
مدر	Diuretic	संशोधक	पेशावलानेवाली
معطش	Errhine	सशोधक	छकिलानेवाली
محرک	Stimulent	उत्तेजक	सावधान करनेवाली
مسکن	Sedative ...	अवसादक	बैठाने वाली
مصفی	Alterative ..	परिवर्तक	खूनसाफ करनेवाली
مقطع	Expectorant ..	निष्ठविन	बलगमनिकालनेवाली
مدر حیض	Emanagogue ...	रजोनिःसारक	हैज़जारीकिएनेवाली
معلطی	Æfrudisiac ...	शुक्रल,वाजीकर्ण	वार्य्य गाढा करने
مسلب	Norcotic ...	मद्यकारा	बेहोश करने
کرم کش	Vermifuge	क्रमघ्न	कीड़ेमारनेकी
قابض	Astringet ..	सकोचक	
شافه	Suppository .	फलवती	बत्तिरखना
کماد	Foment ...	सेक	
حمول	Cocked-Cloth ..	क्लेदन	सकना
حوارش	Electuary ..	मोदक	लड्डू

بعضه وسائج	Insipid	विरस	फीका
عصص	Acid	कषाय	कसैला
حريف	Smart ...	तिक्त	चरपरा
دموی	Sanguine ..	रुधिरदोष	खूनी

डाक्टरी नाप तोल Apothecaries Weight

मिनिम	=	१ बूंद Mi	१ ग्रेन	=	चांवल
६० मिनिम	=	१ ड्राम Oi	२० ग्रेन	=	१स्क्रूपल Zi
८ ड्राम	=	१औंस	१२स्क्रूपल	=	१ड्राम Zi
टीस्पून	=	$1\frac{2}{3}$ड्राम	१२औंस	=	१ पौंड Oi
डैज़र्टस्पून	=	$2\frac{3}{4}$ ड्राम			
टेबिलस्पून	=	४ड्राम			

आरोग्यता के नियम ।

सोते समय कभी पांव को शीतल वा तर मत रक्खो ।
किसी ठण्डी चीज़ पर पीठ के बल कभी मत लेटो ।
बिना कुछ खाये घर से बाहर कभी मत जाओ ।
सिर को ठण्डा और पैर को गरम रखना चाहिये ।
दो पहर को भोजन करके लेटना और शाम को भोजन करके टहलना चाहिये ।
बीमार के कमरे में दूध कभी न रखना चाहिये ।
हाथ पैर के नाखून काटना, बाल काढ़ना और छटवाना अत्यन्त लाभकारी है ।
एक साथ गर्मी से सर्दी में न आना चाहिये ।
व्यायाम के बाद शरीर को थोड़ी देर तक हवा न लगने दो ।
आग से अधिक सेंकना दुर्बल करता है ।
गर्म हवा से सर्द हवा में जाना पड़ता मुह बिल्कुल बंद रक्खो ।
ठण्डी हवा और तेज धूप से सदैव बचना चाहिये ।

एसी बातें ज्यादा विस्तार से देखना चाहो तो हमारी पुस्तक व्यायाम रूप को पढ़ो मूल्य २)

बिषों के गुण ।

नाम	मात्राघातक	समय	चिन्ह	चिकित्सा
संखिया	एकरत्ती	दोघंटा	एकघंटेपीछेकैदस्त मरोड़े प्यास,गला घुटना,सासजल्द आँखेंलाल	कैकराना,कत्था पानी मेंपीसकर, बिनौलेकीमींग दूध मेंऔटाकर
सींगिया	तीनमाशा	चारघंटा	कुछदिखाईनपड़ना कफनिकलना,नाड़ि वदनठण्डा, पुतलियाफैलजाना।	कपूर लुआब,दूधपिलाना, गुलाबाँस की जड़का रस ब्रह्मडडीसांठ
धतूरा			हाथ पैर मारना, टेढा चलना बड़बड़ाना प्यास।	सिरपर जोरसे ठंडा पानीडालना घी गायका,अण्ड खरबूजाका रस,गुड़ दध, रसकुण्डी
रसकपूर	तीन ग्रीन	एकघंटा	लोहूआना प्यास लगना, कण्ठ में जलन।	अण्डी का तेल दूध में।
अफीम	४ ग्रीन	एकदिन	ऊंघना, शरीर, गरमचेहरा नीला सुस्त।	सोने न देना. हींग, खिलाना, ठण्डापानी छिड़कना,कालीमिर्च औटाकरपिलाना,
कुचला	एकअङ्क	दोघंटा	बदनऐंठना, आँखें निकलना अधिक, पसीना, प्यास।	नींदलाना कै,कराना।

अनजान विष में चौलाई की जड़ पानी में पीसकर घी मिलाकर खिलाना, भङ्ग और शराब का नशा खटाई खाने से उतरता है।

भस्मों की पहचान

नामधातु	भस्म का नाम	रंगत	मोल फी तोला	किस्म रोग को उपयोगी	कितनी आंच का अच्छा
रांग	वङ्ग	सफेद	१) रुपया	जलधर पांडु प्रमेह सूजाक जिगर की गर्मी	८
चांदी	रूपरस	अधिक सफेद	आठ रुपया	प्रमेह	२
सोना	मृगाङ्क	सुर्ख्याहीमाइल	३५ रुपया	धिग खाया हुआ मस्तिष्क की दुर्बलता दिल की बीमारियां	७
लोहा	तास	गेरूकी के माफिक	८)	पाण्डु रोग	३०
सीसा	नागेश्वर	पीला	आठ आना	प्रमेह सुजाक कोढ बवासीर दमा खांसी बुढापा।	
तांबा	ताम्रेश्वर	आसमानी	पांच रुपया	सरसाम फिसाद खून प्रसूत	१० अधिक
हरताल	तालकेश्वर	सफेद	एक रुपया	कमीखून पथरी दमा	एकआंच
अबरक	अभ्रक	काली	दस रुपया	दमा	०१

आँखोंकी रक्षा।

नीचे लिखे काम बहुत हानिकारक हैं इनसे सदैव बचो।

अंधेरे में पढ़ना लिखना-अधिक चमकदार या सुर्ख चीज की ओर देखना-छटके या सवारी में बैठकर पढ़ना-मेह में नंगे सिर फिरना-बासी वा गरिष्ठ रेचक आहार करना-कच्चे फल खाना-खटाई मिर्च-तेल का व्यवहार-नाक के बाल नोचना-औंधा सोना-बहुत अथवा कम सोना-अचानक अंधेरे या रोशनी में आना-थकावट के समय पढ़ना-धूल-धूप या धूएंमें जाना-आग के सामने जाना-फसद-जुल्लाब, सींगी-सूरज की ओर देखना-किसी चीज़ को टकटकी लगाकर देखना-तमाकू पीना-बहुत या कम खाना अथवा न खाना-सूक्ष्म अक्षर पढ़ना लम्प को सामने रखकर या किताब को धूप में रखकर पढ़ना-अधिक रोना-बुरी ऐनक लगाना-अधिक गर्म कमरे में पढ़ना-लिखते समय आगे को झुके रहना-बिस्तर से उठते ही पढ़ने लगना-किताब को आँखो के पास रखना-अधिक देर तक पढना।

नीचे लिखे काम बहुत लाभकारी हैं इनका सदैव व्यवहार करो।

हरा और काला रंग देखना-चन्द्रमा और फूल देखना-प्रातः हवा खाना पैर धोना-मुंह धोना-दांतुन करना-शीघ्र पाचक भोजन-पानी में गोता लगाकर आंख खोलना-खाना खाकर आंखो पर गीला कपड़ा फेरना-मोज़ा पहनना-व्यायाम करना प्रातः वॉक करना-प्रातः काल पानी पीना-नाक से पानी पीना-सिर पर तेल मलना और पैरों पर हड़ खाना-भोजन खूब चबाकर खाना-दस्त साफ आना।

रोगोंकी सहज चिकित्सा

दर्दसिर-गर्मीसे होतो चन्दन लगाना। सर्दी से होतो बादाम का तेल
नजला: नाक में आक के पत्तेका रस निचोड़ना।
जुकाम-यूकलपटसआयल एक माशे सूघना।

नेत्रज्योतिःकी दुर्बलता--कालीमिर्च' घी' बूरा मिलाकर प्रातःकाल खाना। त्रिफला के पानी से छींटे देना।

दर्दकान--टिंक्चरओपियाइ-गिलैसिरीन मिलाकर डालना।

दर्ददांत--क्रियाजूट लगाना। मसूड़े पर टिंक्चर आयाडिन गिलैसिरिन मिलाकर लगाना।

मुंहकेछाले--सुहागा पीसकर लगाना और नीचा मुंह करके रालटपकाना।

दमा--धतूरे के पत्तो का धूआं पीना।

वमन और अजीर्ण--चूने के पानी और दूध को मिलाकर पीना।

हैजा--अर्क कपूर या क्लोराडायन--थोड़ी बूंदे देना। मदार की जड की छाल कालीमिर्च' अदरक के अर्क मे पीसकर बेरकी बराबर गोली बांधरखना।

बिवाई फटना--मोम और घी मिलाकर लगाना।

अजीर्ण--प्रातःकाल उठते ही ठण्डा पानी पीना।

बच्चेका सूखा--छोटी दुद्धी के पत्ते छःमासे लेकर पोटली बना दूध में डालदे। जबखूब औटजाय तब उसे मसल कर फेंकदे दूध पिलावें। दस्तभी बन्द होंगे।

पेचिश--सोठ को अण्डी के पत्तों में रखकर फूककर खाओ।

कमलवाद--आक की कोपल और लाल फिटकरी बराबर २ पीसकर बेर की बराबर गोली बनाकर खाना।

दस्त--क्लोराडाइन की थोड़ी बूंद पानी में मिलाकर पीलाना।

शस्त्राघात--सुहागा और रेलका कोयला बारीक पीसकर छानकर बुकनी बनालो। घाव को धोकर अधपिली बादामका तेल उसमें डाल कर बुकनी भरदो और ऊपर भीगा कपड़ा लपेटदो।

प्यास--पीपल की छाल जलाकर उसकी राख पानी मे डालकर निता-कर पिलाओ।

संग्रहणी--बेल के दो टुकडे करके उसमें रत्तीभर अफीम डालकर आग में देदो। फिर निकालकर उसका गूदा थोडा २ खिलाओ।

प्रत्येक बीमारी की चिकित्सा विस्तार से और सैंकड़ो नुसखे देखो हमारी किताब इलाज मुफ्तीः अर्थात् नुसखे एक दवा इत्यादि मे।

चौथा-अध्याय गुप्तविद्या

कपाल सामुद्रिक विद्या ।

इस विद्या का अभिप्राय यह है कि प्रत्येक मनुष्य की खोपड़ी और उसके विभागों की शक्ल सूरत और डौल डौल और पूरी खोपड़ी के ढंग से उसकी मस्तिष्क शक्तियां और अच्छे बूरे स्वभाव का अनुभाव किया जासके । इस आशय से सिर ३५ भागों में विभाजित किया जाता है । ताकि प्रत्येक भाग की ऊंचाई निचाई से उसकी शक्ति की सम्बन्धिता जान पड़े । निम्न लिखित ३५ शक्तियों में मस्तिष्क बटा हुआ है । जो खोपडी के चित्रों में अपने २ स्थानों पर दिखाये गये है ।

(१) कामेच्छा-पुरुषको स्त्री की ओर स्त्री को पुरुष की इच्छा होना (२) बाल प्रेम (३) विचार (४) प्रेम और दृढ़ता (५) युद्धकामना (६) स्वाद-अच्छे उत्तम पदार्थ खाने पीने की इच्छा (७) भेद छिपाना अधिक हो तो मक्कारी होती है, सम होतो दूरदर्शिता और बलहीन होतो असभ्य होता है (८) चाह (९) सहूर (१०) स्वरक्षा (११) खुशामद पसंदी [१२] चतुराई [१३) उपकार [१४] बड़प्पन (१५) दृढता (१७] आशा-बलहीन होतो निराशाउत्पन्न होती है (१८) आश्चर्य-अनुपम प्रेम [१९] सुंदरता और श्रेष्टा का प्रेम (२०) बुरे भले का ज्ञान [२१] अनुकरण (२२) प्रत्येक वस्तु के किसी असाधारण गुण का जानना (२३) सुरत-शरीरिक और मास्तिष्किक रीति से सूरत पहचानना (२४) नाप-डौल और दुरी का जानना (२५) बोझ-बोझ के अनुमान करने की शक्ति [२६] रंग-रंगो का पृथक२ पहचानना (२७) भूगोलज्ञाता (२८) गणना-गिनने की शक्ति (२९) क्रम (३०) स्मरण (३१) समय [३२] शब्द [३३] भाषा-मनकेभेद प्रकाशन की शक्ति [३४] समझीता-सम्बन्ध जानने की शक्ति (३५) कारण से कार्य और कार्य से कारण जानने की शक्ति

शकुन

अच्छे शकुन हैं—यदि खाली घड़ा भरने को जावै वा भरा घड़ा सामने से आवै। दही, दूध, चंदन, चांवल खाना, हरी तरकारी फल, फूल, सिंघासन,सरसों, काँच. संख, मछली,मांस,गोबर, शहद, मूरत, बीन, सुर्मा, जेवर, हथियार, पान, राई, छत्र, पखा, आग जलती हुई, बाजा, अंकुस, चँवर, जवाहिरात,धातु, दवा, शराब, पौधा, साग, हाथी, पशु, बकरी, मुर्दा, राजा. मोर अपने साथी का रोना, तिलक लगाये हुए, रंडी, कन्या घोड़े या बैल पर सवार, गोद में बच्चा लिये हुए। जोड़ा, बांई ओर या पीछे से छीक होना दो छीक एक साथ. सीधी आंख फडकना, सीधी बांह फड़कना, सीधी ओर श्यामा चिड़िया दाहिनी ओर हिरनों का झुंड, सारस का बोलना व जोड़ा, न्यौला देखना, धोबी कपड़े लिये हुए, गाय बच्चे को दूध पिलाती हुई, मछली पकड़नेवाला या बेचनेवाला, किसी दरख्त पर दाहिनी ओर कौआ।

बुरे शकुन हैं--यदि सामने से आवै, अंगारा ईंधन, राख, रस्सी, कीचड़, कपास, तिलक. हड्डी, लोहा. काली वस्तु, छाल, पत्थर, पाखाना, तेल, गुड़, चमड़ा, खाली या फूटा बर्तन, नमक, मठा, जंजीर, तेज हवा, सिरके बाल खुले हुए, बिल्लियों का लड़ाई, अपने घर में लड़ाई, पैर वा कपडा उलझना, पैर हिलना टोपी गिरना, ठोकर खाना, सिर में कुछ लगाना, भैस, ऊंट या गधे पर सवार–पीछे से कोई कहे कि ठहरो. नंगा या सिर मुड़ा हुआ, काना बीमार. तेल मला हुआ, कुबड़ा या लंगड़ा, गर्भिणी, विधवा, रजवाली स्त्री हीजरा नपुंसक, नाचनेवाली, अधिक रोता हुआ, कै करता हुआ, सन्यासी, काला बदसूरत आदमी, काले मछोंवाला, क्रोधित होता हुआ, कुछ मांगनेवाला. शराबी, बहुत बाल वाला, गधे का रेंकना, कुत्ते का कान फटफटाना, दाहिनी ओर या सामने से छींक होना, आपको छींक आना, बाई आंख या भुजा फड़कना, बाई ओर या अकेला हिरन, गीदड़ का जोड़ा, सांप या गोह दिखाई देना, सांप, बिल्ली या गीदड़ का मार्ग काटना।

सामुद्रिक।

हाथ की बनावट—हाथ बड़ा हो तो सूक्ष्म विचार वाला, शिल्पकारी पसंद करनेवाला, छोटा हो तो तीव्र बुद्धि, रोगी, बड़ी वस्तु पसंद करनेवाला, अधिक बड़ा हो तो पक्षपाती, तुरता अंगुलियां-पतली सी बडी हो तो वहमी और अच्छी याद रखनेवाला छोटी हों तो संक्षेप को पसंद करनेवाला, शीघ्र समझने वाला, बराबर हों-तो नेक, बुद्धिमान हथेली-नीची हो-तो मालदार; ऊंची हो-तो फ़जूल खर्च, पीली हो-तो व्यभिचारी; काली हो-तो दरिद्री।

अंगूठा--जितना बडा हो उतना ही अच्छा, छोटा हो-तो मूर्ख, नाखून वाला भाग बड़ा हो तो दृढ़ विचार, छोटा हो तो क्षणकबुद्ध बीच का भाग बड़ा हो तो तार्किक, जड़ का भाग बडा हो तो प्रेमी, अधिक उठा हो तो स्नेही, सकोच हो-तो स्वार्थी, अंगूठा-भीतर को झुका हो-तो लालची, बाहर को तो दांता।

उङ्गलियां--हथेली से लंबी और नोकदार हो तो धर्मात्मा, वर्गाकार हा तो विद्यावान, पतली हो तो बुद्धिमान, यदि जडका भाग बडा हो-तो शारीरिक आनन्द चाहनेवाला, दूसरा भाग बडा हो तो बुद्धिवान, तीसरा बडा हो-तो धर्मात्मा। कनी अंगुली बहुत छोटी तो निस्वार्थी, बाबरकत, उङ्गलियां आपस मे खूब मिली हुई हों तो बुद्धिमान, मालदार। बाहर को झुकी हुई तो सिपाही। अधिक मोटी तो-गरीब, छोटी चपटी तो गुलाम, पोरुओं पर खड़ी लकीरें अधिक तो अच्छी।

शंखचक्र-एक चक्र हो तो आराम मिले, दो तो दरबारी प्रतिष्ठा, तीन तो मालदार, चार तो विद्यावानपर गरीब पांच तो श्रीपूज्य, छे तो आनन्दी सात तो आराम मिले, आठ तो मूर्ख नो तो अधिकार मिले दस तो राज मिले, संख २-३ ५ हो तो बुरे शेष सब अच्छे।

गदा—एक अंगुली मे हो तो अच्छा दस मे हो तो बहुत अच्छा। पद्म का चिन्ह किसी २ राजा महाराजा के होता है।

नाखुन-जो बड़े हों तो सीधा लज्जावान संकोच हो तो झगड़ालू गोल हो तो विद्या वान स्वतंत्र कृति और आनन्दी दोनों ओर मांस मे गढ़े हों तो विभचारी अधिक चौड़े हठी के लम्बे-नेक के सफेद-गरीब या गंभीर आदमी के काले स्वतंत्र प्रकृत के लाल राजा के।

विधवास्त्रियोंकेलक्षण-कंधा जांव या पिंडली पर बाल मांगपर भौरी कुचे बहुत दूर उंगलियां टेढी सिर चौडा चूतड लम्बा चलने में शब्द होना बांये कुच पर तिल या मस्सा हाथ मे एक लकीर अंगूठे से कनी उगली तक-चमडा मोटा बाल मोटे भूरे भौंहे बीच मे टुटी।

बांझ के लक्षण-छोटी और बालदार कुचें कोख पर भौरी उंगलियां टेढी पाव के तलुओं पर पसीना।

व्याभिचारिणीस्त्री-जांघ बालदार पांव की कनी उंगली धरती न छूए नाक के अगले भाग पर काला तिल सोते समय आंख खुली रहे और लार बहे जिस को नींद कम आवे चलने में नसें चटकें।

मनहूस-लम्बेदांत चपटी नाक छोटी नाक छोटी गर्दन फैलाशरीर बदबूदार और मुह पर पसीना अधिक अंगूठा अलगरहे और सब अंगुलियां मिलजावे हसते मे गाल पर गढा पडे कुबडी और हाथ पैर फटे हुए।

नेक स्त्री-योनि या गाल या भौंह के बीच में तिल हो दाहिनी कुचपर छाती पर लाल तिल ठूडी छोटी जिह्वा बड़ी पोतए बड़े हाथो में जौ रेखा बांए पांव से चलना बैठना आरम्भ करे।

पृथकअनुमान-और बहुत गोरा या बहुत काला बहुत लम्बा बहुत छोटा बहुत मोटा या बहुत पतला आदमी बहुधा अच्छा नहीं होता। बड़े दांत वाला छोटे कदवाला बहुधा बुद्धिमान होता है। शरीर पर सख्तोर बाल हों तो उमर बहुत होती है। छोटे दांत और बाल कम हों तो उमर कम। लम्बे कद वाला दयावान होता है। छोटे नेत्र चिकने गुदाज शरीर वाला मालदार

१२ राशियों के नाम

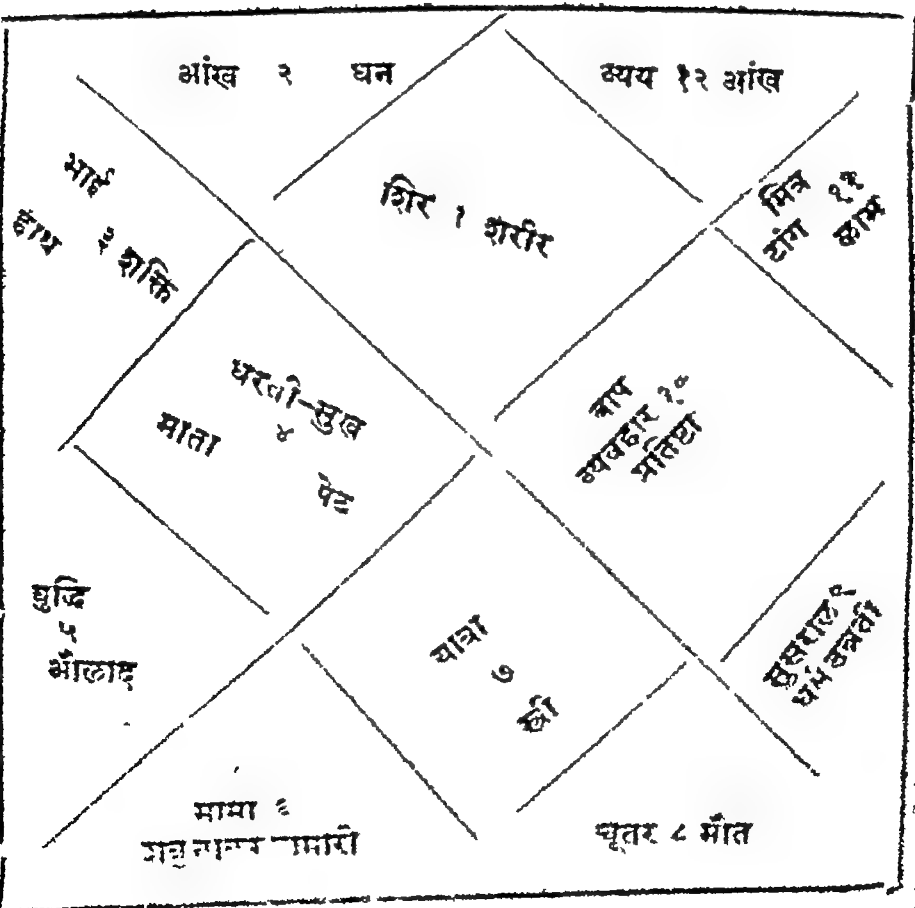
१	मेष	حمل	Aries	मेढे का आकार
२	वृष	ثور	Taurus	बैल
३	मिथुन	جوزا	Gemini	युगम बालक, जोडा
४	कर्क	سرطان	Cancer	केकडा
५	सिंह	اسد	Leo	शेर
६	कन्या	سنبله	Virago	लडकी बाल लिये हुए
७	तुल	میزان	Libra	तराजू
८	वृश्चिक	عقرب	Scorpio	बिच्छू
९	धन	قوس	Sagitaurus	घोडा कमान खींचा हुआ
१०	मकर	جدی	Capricorn	मगर मच्छ
११	कुम्भ	دلو	Aequarius	ढोल लिये आदमी
१२	मीन	حوت	Pisces	दो मछलियां

एक राशि मे तारागणों के झुंड देखने मे जैसे आकार के दीख पडते हैं वही उनका नाम पडा है।

आश्चर्य की बात है कि प्रत्येक भाषा मे ज्योतिष की समस्त परि भाषा और नाम एक ही भांति के साधक और समस्त कार्यवाहियो की एक ही विधि है। अंगरेजी का जन्म पत्र भी इसी तरह बनता है केवल थोडासा अतर है।

जन्म कुण्डली

जन्मपत्री में खाने जिस क्रमसे होते हैं और वह प्रत्येक कोठा जिस २ से सम्बन्ध रखता है वह नीचे लिखे चित्र से विदित होगा।



तत्वों की पहचान व्यवहार और स्वरोदय

१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३
तत्व	दूरी	रंग	स्वाद	आकार	गति	गुण	दिशा	दशा	प्रभाव	शब्द	प्रश्न	कल्पनादर्शित
आकाश	१	काला	कड़ुआ	कान	स्थिर	स्थिर	गड़बड़	बीमारी	रोशनी	तम	हास	अभ्यास
अग्नि	४	लाल	चरपरा	त्रिभुज	ऊपर	गर्म	दक्षिण	निर्बलता	गर्मी	रम	घात	श्रम
वायु	८	हरा	खट्टा	गोल	तिरछा	स्थिर	उत्तर	साधारण	उड़ना	सम	यात्रा	रुधिर
पृथ्वी	१२	पीला	मीठा	वर्ग	सामने	भारी	पश्चिम	आरोग्यता	आरोग्य	हम	वनस्पति	दृढ़ता
जल	१६	सफेद	मीठा	दोजचंद्र	नीचे	ठण्डा	पूरब	शक्ती	ठंडक	दम	जीवन	शीघ्र

देखो उपरोक्त चित्र का मतलब इस प्रकार समझो और खूब याद रक्खो—नाक पर अंगुली धरने से अगर सांस एक अंगुल दूरी तक मालूम हो तो आकाश तत्व जानो। अगर चार अंगुल तक मालूम पड़े तो अग्नि। इसी प्रकार १६ अंगुल तक चले तो जल तत्व जानो। फिर यदि तुम उसी समय आंख मीचलोगे तो उसके समक्षवाला रंग दिखाई पड़ेगा। जैसे आकाश तत्व के चक्र में काला रंग, अग्नि का लाल, वायु का हरा इत्यादि इस तरह स्वाद भी मीठा कटवा स्वयं ज्ञान पड़ता है। यद्यपि प्रारम्भिक शिक्षार्थी को कठिनताए मालूम पड़ती है और मुशकिल से ज्ञान होता है। परन्तु अभ्यास करने से ऐसा अभ्यास होजाता है कि एक घड़ी भी नहीं लगती है।

यह एक स्वाभाविक नियम है उसका कारण नहीं मालूम। और इस विद्या की सत्यता का यही प्रमाण है कि प्रत्येक महीने के आरम्भ में अर्थात अंधियार पाख की पड़वा के सबेरे प्रत्येक मनुष्य का सूरज स्वर पहले चलता है। फिर ५ घड़ी बाद स्वयं चन्द्र स्वर चलने लगता है। इसी तरह बदलता रहता है। और उजाले पाख की पड़वा के प्रातःकाल पहले चन्द्र स्वर चलता है, फिर पांच घड़ी पीछे सूरज स्वर, इसी प्रकार लौट फेर होता रहता है। और फिर इसी तरह से एक और परिवर्तन सदैव हुआ करता है कि तीन दिन तक एक स्वर प्रातः से आरम्भ होता है। फिर तीन दिन तक दूसरा। इसी तरह बारी २ से बदल कर अपने चक्कर पूरे करते है।

चन्द्रस्वर—बीमारियों को दूर करता है। यदि अधिक चले आरोग्यता अच्छी रहे। किसी जगह से बाहर निकलने को भी यह स्वर अच्छा है। गर्भ के प्रश्न पर यह स्वर चले तो लड़की उत्पन्न हो। यह स्वर दिन भर चलाया जावे तो बहुत लाभदायक है।

सूर्यस्वर—केवल शीत रोगों को लाभदायक है। किसी जगह में घुसने के लिये यह स्वर अच्छा है। गर्भ के प्रश्न के समय यह स्वर चले तो लड़का उत्पन्न हो। यह स्वर रात भर चलाया जावे तो अत्यन्त लाभकारी है।

स्वर बदलने का ढंग—यह है कि जिस तरफ का स्वर चलता हो उस करवट से लेटकर बगल में एक तकिया दबाओ तो फ़ौरन स्वर बदल जायगा।

चन्द्रस्वर में वह काम आरम्भ करने चाहिये जो अधिक काल चाहते हैं जैसे—मकान इत्यादि बनवाना यात्रा को जाना, ज़ेवर बनवाना, दवा खाना, पढ़ना या व्यौपार आरम्भ करना, सवारी इत्यादि ख़रीदना नौकर रखना इत्यादि।

सूर्यस्वर मे वह काम करने चाहिये जो शीघ्र पूर्ण होजांय जैसे—लिखना बेचना, सवार होना, मैथुन करना, लड़ना, सोना भेट करना,

स्वप्न का आशय।

नदी का बड़ा फाट और नाव पर सवार हो—तो मानों बड़ी लम्बी यात्रा होगी। हथियार, ताक़त, अगूठी स्त्री, जंजीर गिरफ्तार, क़तल रंज और शर्म, अंधेरा कंगाली, तम्बू और ढोल बजता सवारी, जूता, स्त्री, द्वार आमदनी, कंघी करना इच्छा पूर्ण दल दल मे फसना कठिनता मे ग्रस्त, लोहू आरोग्यता, पागल होना दौलतमदी, ऊंचाई पर चढ़ना तरक्की, उतरना घटती। धब्बा बदनामी, बाजा बजाना प्रसिद्धता, झंडा—जीत, भूकम्प, विपत्ति जगल जीतना, सुर्मा आंखों का प्रकाश, शीशा—तन्दुरुस्ती, औषधि—आरोग्य और मनोरथ, सोजाना—गम, सुगंध—अच्छी, दुर्गन्ध—बुरी, कुआं तालाब—बरकत, कपड़ा धोना छूटना, बांह—भाई।

अर्थों की विपरीतता—पाखाना फिरना बुरा पर शरीर पर लीपना अच्छा। बिना कारण हंसना बुरा और कारण से हसना अच्छा। मुर्दा का दयालु होना अच्छा। कुछ मागना बुरा। मेह हर ठौर देखना अच्छा पर मुख्य जगह बुरा। रुपयों का मिलना अच्छा, पैसा मिलना बुरा। सुइया बहुतसी बुरी, एक अच्छी, सांप जीतना

तो शत्रु जीतता, वस मे-तो वशीभूत। हाकिम दयालु तो प्रतिष्ठा, अप्रसन्न तो निन्दा। बादल थोड़ा अच्छा, घटाटोप बुरा। बर्फ़ ओला देखना बुरा, खाना अच्छा। बाग़ हरा भरा तो प्रसन्नता, शुष्क तो दुःख। गृह बनता हो तो अवस्था बढ़े, गिरता हो तो दुःख। आग की लौ अच्छी, धुआँ बुरा। तैरना तो मुशकिल दूर डूबना तो मुकद्दमा लगे। नाखुन काटना तो छुटना टूटना आपत्ति। घर लोहे का चैन चान, सोने का भय। पानी बहता और स्वच्छ उन्नति, बंद और खारी आपत्ति। चान्द सूरज प्रकाशमान तो प्रतिष्ठा, धुंधला तो चिंता। ईंट पक्की बुरी कच्ची अच्छी।

विपत्ति—मैथुन करना, अगोरू वृक्ष देखना, चन्द्र सूर्य को धुंधला देखना हार, क़ैद होना, झगड़ा, प्रसन्न होना, दांत गिरना, पहाड़ या मकान गिरना। सींग वाले पशु या और पशु चढ़ाई करें तो कचहरी का भय, कोई वस्तु काली देखना बुरा।

आरोग्य और निस्तार प्रकट करनेवाले—किसी को मारना, तीर चलाना, तैरकर नदी पार होना, दही और भात खाना, शरीर पर सफ़ेद चंदन या खून या विष्ठा लेपना, पेड़ पर चढ़जाना, मृत लोगों को देखना दयालु मरना, गला कटना, रोना मांस खाना, सफ़ेद वस्त्र, बेड़िया पहनना, आग खाना, विपत्ति में विपत्ति, लड़ाई या बाजी जीतना।

प्रतिष्ठा, धन और विवाह के स्वप्न—पण्डित या हाकिम से भेंट, बड़ा मकान या द्वार, हरा बाग देखना, मकान या दीपक देखना, फल फूल लेना, पहाड़ पर चढ़ना, घोड़े या बैल पर चढ़ना, वायु में उड़ना, चन्द्र और सूरज का प्रकाश, बिस्तर बिछाना, दूध दुहना, घर का आग से जलना, खाई फांदना, अनुचित मैथुन, सांप का काटना, पान कपूर या चन्दन पाना, कोई वस्तु सफ़ेद, रुई और छाछ को छोड़कर, जवाहिरात।

पांचवां अध्याय—वनस्पति

नाम	अगरेज़ी नाम	ऋतु	उपज	विवर्ण
आँवला	Phyllanthus Emblica	शरद	बीज	
कैथ	Wood Apple .	शरद	बीज	
बेर	Zizyphus-Jujuba .	ग्रीष्म	बीजपैवन्द	
कठल	Monkey Fruit ..	वर्षा	बीज	
बडहल	Jack Fruit ...	सदा	बीज	
सेंजना	Horse-Radish Tree ..	ग्रीष्म	बीज	
बेल	Aegle Marmelous ..	शरद	बीज	
कमरख	Averrhoa Carambola .	शरद	बीज	
मौलसिरी	Mimisopus Elingi ...	शरद	बीज	
खिरनी	Mimi, Kauki ...	ग्रीष्म	बीज	
करोंदा	Carrisacaraonda ..	वर्षा	बीज	
अंगूर	Grape ..	ग्रीष्म, वर्षा	क़लम	
फ़ालसा	Grewia ...	ग्रीष्म	,,	

कसेरू	Earth Almond .	वर्षा	,,	
मूंगफली	Ground Nut ...	शरद	,,	
चम्पा	Michaelia Champaca	,,	,,	पीलाफूल
गुलाचीन	Plumera ...	ग्रीष्म	,,	फूलसफेद
गुडहल	Shoe Flower .	वर्षापीछे	,,	गुदाज लालऔर नीला
कनेर	Oleader .	वर्षा पीछे	कलम	
गुलेअबास	Marvel of Pero ...	वर्षा,शरद	,,	
सुरजमुखी	Sun Flower .	वर्षा	बीज	
गुलदाऊदी	Chrysenthimum ...	शरद	जडौंदा	
गेंदा	Marygold ...	शरद	फूल	
मरुआ	Artemisia ...	,,	बीज	पत्तासुगंधित
तुलसी	Ocimum ..	,,	,,	,,
अशोक	Sarca Indica .	,,	,,	
लालपत्ता	Poensetia .	,,	कलक	
मेहदी	Lawsonia Inermis ...	सदांहरी	बीजकलम	
नरगिस	Narcissus ..	वर्षा	जडौंदा	पीला
लिसौडा	Cordia Latifolia ...	वर्षा	बीज	
गूलर	Roadside Tree ...	ग्रीष्म	बीज	
अमरूद	Guavaa ...	वर्षापीछे	बीज	
अनार	Pomegranate	वर्षा	बीज	

नारंगी	Orange	वर्षापीछे	पैवन्द	
नीबू	Lime ...	वर्षा	बीज	
चकोतरा	Pummellow .	वर्षा पीछे	बीज	नमक
आड़ू	Peach ..	ग्रीष्म	बीज,पैवन्द	छटाई
नाशपाती	Pear ...	वर्षा	कलम	
आलूचा	Plum .	ग्रीष्म	,,	
सेब	Apple ..	शरद	बीज	
सीताफल	Custard Apple .	वर्षा	कलम	
अनास	Pine Apple .	शरद	जड़ोदा	
केला	Plantain .	ग्रीष्म	कलम	
अंजीर	Fig ...	ग्रीष्म	बीज,पैवन्द	
लुकाट	Loquat .	वर्षा	बीज	
बिही	Quince ...	ग्रीष्म	पैवन्द	
खूबानी	Apricot ...	ग्रीष्म	कलम	
शहतूत	Mulberry ...	वर्षा	बीज	
सोसन	Iris ...	ग्रीष्म	जड़ोदा	पीला
गुलशब्बू	Tube-Rose .	,,	,,	नीला
घुंघची	Abrus Precatorius ...	वर्षा	बीज	सफेद बेलदार
बिगन बेलिया	Begenvellia .	शरद,वर्षा	दूब्बा	
छुहारा	Date-Palm ..	वर्षा	बीज	
केवड़ा	Screw-Pine ..	वर्षा पीछे	कलम	

देशी वलायती घमलों के फूल ।

नाम	अंगरेज़ी	ऋतु	उपज	विवर्ण
जनिया	Zinnia ...	वर्षा	फूल	कई प्रकार का
कलग़ा	Cocks-Comb .	,,	बीज	लाल, पीला
गुलमेहदी	Balsam .	,,	बीज	कई प्रकार का
होलचांदनी	Moon-Flower ..	,,	फली	बेलदार
कोयल	Convolvous .	,,	,,	बेलदार, काला
सतारा	Aster	शरद	फूल	गुलदाऊदी सा
दिलपसंद	Hearts-Ease ..	,,	,,	अत्यन्त सुन्दर
शाहपसंद	Centarria .	,,	,,	सफ़ेद नरम
गुलअशर्फ़ी	Crondola ..	,,	,,	गेंदे के समान
पितोनिया	Petunia ..	,,	बीज	गुलमेंहदी सा
गुलखैरा	Holy Hock .	,,	बीज	गुलाबी बड़ा
नाफ़रमां	Larks-per ..	,,	फली	नीला, लम्बा
गुललाला	Poppy ...	,,	बीज	लाल, नाज़ुक
गेंदा	Marygold ...	,,	,,	

बारहमासी कार्यवाही ।

जनवरी--(माघ) में हर प्रकार की कलम लगाना, गुलदाऊदी बांटना, गुलाब बदलना, छटाई इत्यादि, ख़रबूजा तरबूजा, ककड़ी, बैंगन बोना ।

फरवरी--(फागुन) मौहरातिला और टीकम के बीज बोना ।

मार्च--(चैत) शिस्टी और ख़रबूजा बोना, छटाई, भिन्डी, कद्दू, काशीफल हाथी चक बोना, और लाल पत्ता, पानी सींचना, तुरई, मूंगफली, घुईयां, करेला, मिर्च, सेम बोना ।

अपरेल--(बैशाख) रतालू, खीरा, शकरकन्द, रसभरी, अदरक बोना ।

मई--(जेठ) आरारोट, पेठा, जमीकन्द बोना ।

जून--(असाढ़) आम का बीज बोना, हलदी, टेंडा, कदू, सेम, शकरकन्द, काशीफल बोना ।

जौलाई--(सावन) पेवन्द बांधना, आड़ू, आलूचा, नारंगी इत्यादि का बीज, फूलों का बोना, गोबी, टमाटर बोना ।

अगस्त--(भादों) अमरूद, अनार, शरीफा, अननास, बोना, चश्मा बांधना, गाजर, शलजम बोना गुलाब बदलना, कलम लगाना, करोटम मेहदी, गोरखधंधा इत्यादि ।

सितम्बर--(क्वार) केवड़ा लगाना, छटाई, नारियल और गुलाब की, फूल सरमाई बोना, मूली करमकल्ला, प्याज मसाले बोना ।

अक्टूबर--(कातिक) आमपीच, स्ट्राबरी, चकोतरा आलूचा खिरनी सफरी बादाम शीरबेजा मटर मिर्च बाकला संगरी इत्यादि बोना ।

नोम्बर--(अगहन) आलू को मिट्टी देना रतालू व हाथी चक उखाड़ना । पोदीना पिपरमेन्ट बोना । जड़ खाली करना । आम आलूचा आड़ू अंगूर गुलाब की क़लम गुलसुनिया लगाना और पेड़ों का छाना।

दिसम्बर--(पूस) मसाले बोना छाटना मेहदी आड़ू अंगूर अंजीर इत्यादि की ख़ाली जड़ को दाबना क़लम लगाना ।

जडीबूटी

नाम	अंगरेजी	ऊचाई	ऋतु	फुल	पत्ता	मिलनेकास्थान
आधाझारा	Achyranthes aspera ...	गजभर	वर्षा	गुलाबी	चौडा	खाई
असगंद	Physalis-somnifera .	गज	शरद ग्रिषम	सफेद	गुदाज	पानी के किनारे
इन्द्रायन	Colocynth ...	बेलदार	ग्रिषम	पीला	तरबूज	भूड
अरनी	Clerodendron ..	बडा	सदां	सफेद	तुलसी	जंगल
ब्रह्मी	Hydroctyl-asiatica ..	छत्ता	सदां	बेगनी	गोलकटा हुआ	गङ्गाकिनारे
ब्रमडंडी	Tricholepes gleb ...	हाथभर	ग्रीषम	गुलाबी	बारीक	कंकरीली, खादर
भांगरा	Eclipta-pros ...	हाथभर	शरद वर्षा	सफेद	पतला	पानी किनारे
जवासा	Camels Thora .	हाथभर	ग्रीषम	बेगनी	महदी	नदी किनारे
धमासा	Fagonia ..	हाथभर	सदां	सफ़ेद	नामालूम	पहाड़ी

सहदेवी	Conyza cyneri ...	छत्ता	सदा	बेंगनी	पौदीना	रेतली
सरफोका	Tephorsia purp ...	हाथभर	वर्षा	गुलावी	इमली	पहाडी
संकाहूली	Evolvous har ...	छत्ता	शरद ग्रीष्म	सफेद	बारीक	ऊसर
काकजंघा	Leea Hirta ...	गजभर	वर्षा	बेंगनी	पतला	रेतली
कसौंदी		गजभर	,,	पीला	लम्बा	तराई
कंघी	Abuliton Ind ...	२ गज	,,	सवज़	पानसा	बाग
खरहटी	Sida cordifolia ...	गजभर	,,	पीला	दनदानेदार पानसा	ढाका भूड़
धतूरा	Stramonum ...	गजभर	सदा	सफेद	चौड़ा	ठण्डी
कुल्ही		छत्ता	सदा		छोटा	पानीकिनारे
गोनी		छत्ता	सदा	पीला	लम्बा	खादर
पत्थरफोड़ी		छत्ता	वर्षागर्मी	पीला	छोटा	तरकारियोंकी जडम

जलजमनी		बेलदार	शरद	सफेद	अंडाकृत	दीवार या करील
जलनीम		वालिश्त	वर्षा	ऊदा	अंडाकृत गद्दाज़	पानी
बोफली	Cochorus humilis ...	छत्ता	शरद ग्रीष्म	पीला	डांगर	रेतली
कटैली		छत्ता	सदां	बैंगनी	कांटेदार	हरजगह
सत्यानाशी	Solanum jáquum ..	हाथभर	"	पीला	"	ऊसर
करील	Capparis aphylla ...	झाड	"	लाल	अनजान सा छोटा	भूड
गोखरू	Tribulus ...	छत्ता	वर्षा	पीला		ऊसर
गोमा	Pharmacium mollugo	२ गज	शरद वर्षा	सफेद		खेत
पनाचुनी		बालिश्त	ग्रीष्म	सफेद छोटा	वारीक	कठोररेतली
मछैछी	Arteplex numulari ...	छत्ता	वर्षा	बैंगनी	"	तालाब
मकछिकनी	Ascelpias vollubill	छत्ता	ग्रीष्म	सफेद पीला	काला छोटा	ताल के किनारे

दुलहूल	Gynondropsis Pentaphila ...	हाथभर	ग्रीष्म	छोटा सफेद	पांच भाग	खेत
हजारदना		बालिश्त	ग्रीष्म वर्षा	सफेद	गोल छोटे	बाग
मुंडी	Sphranthes molla ...	छत्ता	ग्रीष्म शरद	बेगनी	गोल	ऊसर
लहूकरी		छत्ता	,,	पीला छोटा	२ फांक	खादर
रतनजोत		छत्ता	ग्रीष्म	छोटा पीला	बारीक रुइंसा	करील के नीचे
मायसुरई		हाथभर	,,	बेगनी	छोटा लम्बा	भूड
निगंध		,,	,,	सफेद	लम्बापो	ताल के किनारे
हाथीसुडी	Helitropium ...	,,		भूरा	दीनासा	

नोट—एसी बातें अधिक विस्तार हमारी किताब जडी बूटी में देखो कीमत १)

तरकारी, साग और मसाले इत्यादि ।

नाम	अंगरेज़ी नाम	बोने का समय	तैयार	उपयोगी भाग
पोदीना	Mint	शरद	ग्रीष्म	पत्ते
सरसों	Rapeseed	नोम्बर	फरवरी	
घुइयां	Arum colocasia	अपरैल	अक्टूबर	जड़
मूंगफली	Ground Nut ...	मार्च	,,	फली
रसभरी	Goose Berry	जून	मार्च	फल
सेम	French Bean ...	ग्रीष्म वर्षा	वर्षा, शरद	फली
बैंगन	Egg Fruit ...	अपरैल दिसम्बर	सितम्बर अपरैल	फल
करेला	Momordica chur	ग्रीष्म	वर्षा	,,
तुरई	Luffa	ग्रीष्म	,,	,,
कद्दू	Pumpkin	ग्रीष्म, वर्षा	वर्षा, शरद	,,
काशीफल	Red Gourd ...	ग्रीष्म	वर्षा	,,
भिन्डी	Ochro	जून	वर्षा	फली
चचेंड़ा	Snake Gourd	ग्रीष्म, वर्षा	वर्षा, शरद	फल
चुक़न्दर	Beet ...	सितम्बर	जनवरी	जड
शलजम	Turnip	अक्टूबर	जनवरी	जड

पेठा	Sweet Pumpkin ...	जून	अक्टूबर	फल
खरबूज़	Melon ...	फ़रवरी	मई	,,
तरबूज	Water Melon ..	फ़रवरी	जून	फल
खीरा	Cucumber ...	मई	वर्षा	,,
बाकला	Broad Bean ...	जनवरी	ग्रीष्म	फली
मूली	Radish ...	अक्टूबर	दिसम्बर	जड़
गाजर	Carrot ..	वर्षाबीते	शरद	जड़
पलवल	Tricosanthes-dio	जेठ	चैत वैसाख	बेलदार फल
आलू	Potato	अक्टूबर	फरवरी	जड मिट्टी चढ़ाना
हाथीचक्र	Artichoke ...	ग्रीष्म	वर्षा	,,
गोबी	Cauli flower ...	वर्षा	शरद	फूल,मिट्टी चढ़ाना
करमकल्ला	Cabbage ...	वर्षा	शरद	पत्ते
टमाटर	Tomato .	वर्षा	शरद	फल,वला-यती बीज
मटर	Pea ...	कातक	फागुन	बीज
मैथी	Fenugreek ...	वर्षा बीते	शरद	पत्ते
अजवायन	Carum Coptic ..	शरद	ग्रीष्म	बीज
धनिया	Coriander ...	,,	,,	,,
सोंफ	Aniseed ...	,,	,,	,,

अदरक	Ginger ...	ग्रीष्म	शरद	जड़,फैलती अधिक है
हलदी	Turmeric ...	वर्षा	शरद	जड़.ऊंची ठौर
शकरकन्द	Sweet Potato ...	,,	,,	जड़
रतालू	Yam ...	ग्रीष्म	,,	,,
प्याज़	Onion ...	शरद	ग्रीश्म	गांठ
लहसन	Garlic ...	,,	,,	,,
मिर्च	Capsicum ...	ग्रीष्म	वर्षा	बीज

नोट-ऐसी बातें अधिक विस्तृत देखो हमारी किताब ' कृषिकर्म ' में कीमत ।।)

जानवरों का वर्णन ।

नाम जानवर	अंग्रेज़ी नाम	बच्चो की संख्या	पैदा होने की ऋतु	अवस्था वर्ष
कौआ	Crow ...	६–४	ग्रीष्म	२००
गलगल	-cridotheristristis	४	,,	१२
फ़ाख्ता	Dove ...	२	४ बार	१५
तोता	Parrot ...	४	ग्रीष्म	१००
कबूतर	Pigeon	२	६ बार	२५

बतख़	Duck ..	२०–३०	तीनवार	५०
फ़ीलमुर्ग़	Turkey ...	४	ग्रीष्म	
पीरू	Guinea Fowl ...			१२
मोर	Peacock ...	२	वर्षा	३०
तीतर	Partridge ...	१४–६	ग्रीष्म	१५
लाल	Wax-bill .	५	शरद	२०
पिद्दी	Tomtit ...	४	ग्रीष्म शरद	१०
नीलकण्ठ	Jay ..	२	ग्रीष्म	
चन्डूल	Lark ...	६–३	,,	१७
पवई	Ground-thrush .	४	,,	१२
बुलबुल	Nightingale .	४	,,	१६
डय्यर	Magpie ..	६	,,	
अबलका	Pied-starling ...	५	,,	
चील	Kite ...	२	,,	२००
बाज़	Hawk ...	२	,,	४०
बगला	Heron ...	४	वर्षा	६०
लकलक	Stork ...	४	,,	२०
टीटी	Lapwing .	४	ग्रीष्म	

चकवा	Pheasant ...	१२	,,	१-
बटेर	Quail ...	१२	,,	
कोयल	Cuckoo ...	८	,,	
हुदहुद	Hoopoe ...	३	,,	
भटतीतर	Grouse ...	१२	,,	
खञ्जन	Pied-wagtail	४	,,	१०
पीलक	Oriole ...	४	वर्षा	
हरीवा	Flycatcher ...	२	,,	
श्यामा	Cittocinclamarcina	४	ग्रीष्म	१०
बया	Weaverbird	२	,,	
पोदना	Reedwarbler	४	,,	
पनीगा	Babbler	४	,,	
चमगादर	Bat	१	,,	
छचूंदर	Shrew	१०-५	,,	
गिलहरी	Squirrel	४	शरद	७
चर्ख	Hyaena	४-३		२५
मुतक विलाव	Lxny			१६
बीजू	Badger	२	शरद	

गैंडा	Rhinoceros ..	१		१००
गोरखर	Zebra .	१	वर्षा	
सुरागाय	Yak	१	,,	
बारहसिंहा	Stag ..	२	ग्रीष्म	२०
गीदड़	Jackal .	४	,,	१५
लोमड़ी	Fox ..	७-९	,,	१४
खरगोश	Rabbit	२	"	८
न्योला	Mun Goose .	२--७	,,	
सेंह	Porcupine	२	वर्षा	१०

जानवरों के मुख्य नाम

घोड़ा—समन्दरगतका Dun, सुरग Chestnut,
सबजा Grey, कुम्मेत Bay,
गरा Roan मगसी Fleabitten,
कालाअबलक Piebald लालअबलक Scew bald,
पचकल्यानी White-Stocking, कदमचलना Pace,
दुलकी Trot,
पोईया Gallop, शाहगाम Canter,
नेवरलगना Brush अख्ताकरना Geld

कुत्ते के प्रकार—रनीयर Spaniel
गर्जी Toy terrior वलायती Mastiff

छटा अध्याय-कानून

प्रत्येक मनुष्य अपने अधिकार से न्यून कार्य करसक्ता है।

कानून शब्दार्थ पर इतना विवाद नहीं करती कि जितना आशय पर।

जिसके वर्णन मे विरुद्धता है वह विश्वास योग्य नहीं।

कानून किसी आदमी को असम्भव काम करने पर लाचार नहीं करता।

कोई काम जो इच्छा से न किया गया हो दोष (जुर्म) नहीं।

कोई आदमी अपने अनुचित कर्म से लाभ नहीं उठासक्ता।

कोई आदमी किसी मुआमिला के लिये दो बार नहीं पूछा जाता।

अभियोग के दिनों मे जो इतकाल हो वह झूटा ठहरता है।

जो न्याय चाहता है वह स्वयं भी न्याय करे।

प्रथमाधिकारी का स्वत्व सर्वोपर है। मनुष्य का घर उसका किला है।

अपनी चीज़ को इस तरह काम मे लाओ कि किसी दूसरे को हानि न पहुचे।

धरती का अधिकारी उस वस्तु का भी अधिकारी होता है जो उस के ऊपर हो।

जायदाद का देनेवाला उसके साथ जो चाहे शर्त लगासकता है।

स्वत्व प्रथम मालिक के समान मिलते है।

प्रत्येक चीज के साथ उसकी आवश्यक वस्तुये भी दीजाती है ताकि उसका दिया जाना निरर्थक नहो।

प्रतिज्ञा का ढग और वादी प्रतिवादी का ठहराव क़ानून से बलवान होता है।

जो लाभ उठावे उसको व्यय बोझ भी उठाना चाहिये।

कपट से कोई स्वत्व नहीं प्राप्त करसकता।

जो रुपया दिया जावे वह देनेवाले की इच्छा और जो लिया जावे वह लेने वाले की इच्छा के अनुसार मुजरा होता है।

मालिक अपने नौकर के काम का जिम्मेदार है जो उसने करना है।
कानून किसी आदमी को लाचार नहीं करता कि वह उस बात को सिद्ध करे जिसका उसे ज्ञान नहीं।

गवाही अच्छी हो चाहे गवाहों की संख्या कम हो।

ज्ञाता की राय विश्वास योग्य—और चलन स्वीकार करने योग्य होता है।

कोई काम जो किसी अदालत के हुक्म से किया जाय बदकारी से न समझा जायगा।

कोई मुआमिला जो न्यायाधीश (जज) को अदालत से बाहर मालूम हो फ़ैसले में दाखिल नहीं होसकता।

कोई आदमी बिना उत्तर लिये अपराधी नहीं होसकता।

कानूनी जानकारी।

कोई आदमी अपने नौकर की सन्दूक की तलाशी लेने का अधिकारी नहीं है।

बीमारी के कारण नौकर का वेतन नहीं रोकसकते।

यह अधिकार नहीं है कि हानि की रक़म वेतन में से काटलो।

चलने का मार्ग खराब हो तो पास की ज़मीन में से निकलने का अधिकार है।

किरायेदार का असबाब किराये के बदले में नहीं रोका जासक्ता।

साझी के मरजाने पर साझा मारा जाता है।

दूकानदार अपनी दूकान की प्रत्येक चीज बेचने को मजबूर नहीं।

जीवन रक्षा में रात को चोर मारा जावे तो मकानदार बरी।

नोट—ऐसी बातें अधिक विस्तृत देखो हमारी किताब 'सलाह कानून' में वर्णित ।)

अदालत का खर्चा ।

तलबी गवाह--मुकद्दमे में एक बार तो गवाहों की तलबी की अर्ज़ी बिना टिकट ही लगजाती है । परन्तु पीछे और दीजाय तो उस पर टिकट लगाना पडता है । यदि मुकद्दमे का नियत रुपया ५०) से कम हो तो एक आने का, अधिक हो तो आठ आने का, यह तो अदालत मुन्सफी में । और जज और सदरआला की अदालत में चाहे कितना ही रुपया हो आठ ही आने का टिकट लगता है । और यदि तलबी की अर्ज़ी जरूरी दीजावे तो उस पर जरूरी तलवाना और देना पडता है । जिसकी शरह ५० से कम ।।) और अधिक ।।।) है यह मुन्सफी में । और सब जजी में चाहे कितना ही रुपया हो १) लगता है ।

तलबाना इसतरह दाखिल करना पडता है कि कम से कम एक रुपया चार गवाहों तक फिर प्रति गवाह चार आना के हिसाब से जितने आदमी और हो । और गवाहों की खुराक जितना चाहे दाखिल करके कमसे कम ३ आना प्रति जन है और उसकी अधिकता गवाह की मान प्रतिष्ठा और दूरी पर निर्भर है अदालत फौजदारी में तलबाना गवाहों का खर्च प्रथम ४ आना फिर २ आना और वारंट का खर्च प्रथम ८ आना फिर आना ।

खर्चा नकल---प्रत्येक अदालत में अर्जीपर एक आना का टिकट लगाया जाता है । डिग्री की नकल आठ आने में मिलती है । तजवीज की १२ आने में और दूसरे प्रतिकागज की आने में । यह तो साधारण खर्च है । अगर जरूरी दरखास्त हो तो डिग्री की १) तजवीज के लिये दो रुपया नियत है ।

इजरायडिग्री---अगर मतालिबा दस से कम हो दरखास्त पर एक आना का टिकट लगता है अधिक होतो ८ आने का : अगर साल भर से अधिक डिग्री को बिना इजराय होगया होतो तलबाना डिग्री होने वाले को सूचना के लिये और लगता है ऊपर के

हिसाब से कुर्की कराई जाय तो हुक्म कुर्की पर बारह आने और फीस अमीन की तीन रुपया और दाखिल करने पडते है जबकि मतालबा पचास से अधिक हो अगर कम होतो आठ आना हुक्म कुर्की के और १॥) फीस अमीन की। अगर मदयून (जिसपर डिग्री हो) की गिरफ्तारी का वारन्ट निकलवाय तो ५०) से कम मतालबा पर एक रुपया लगता है। अधिक पर दो रुपया।

दावा अदालत—मे कोर्ट फीस ७॥) प्रतिशतक के हिसाब से लगता है। प्रतिवादी (मुद्दाअलहु) के लिखित बयान पर टिकट नही लगता। और गवाहो की उपस्थितता की अर्जी पर आठ आने का लगता है। बीच की सब दरखास्तों पर ५० से कम वाले मुकद्दमे में एक आने का और अधिक वाले मे आठ आने का लगता है

अपील—में कोर्ट फीस तो साधारण तलबाना रस्पान्डन्ट का खर्चा २) दाखिल करना पडता है चार आदमियो तक इस से अधिक हों तो प्रति जन ८ आना और

मुकद्दमे की अखीर तारीख की वकील के महनताने का सर्टीफिकट याद करके दाखिल करादो ताकि खर्चे मे पडजावे।

अदालत की समस्त कार्यावाही मे सादा कागज के स्थान में एक सरकारी कागज लगता है जो एक पैसे को आता है। थोडासा पृथक खर्च और हर जगह हरकाम में पडता है। उसमे दलील करने से बहुधा काम बिगडता है।

कानून स्टाम्प

तमस्सुक—दस रुपये तक २ आने का, पचास रुपये तक ४ आने का सौ रुपये तक आठ आने का फिर हजार रुपये तक आठ आना प्रतिशतक और पडता है यही दर किरायेनामे पट्टा ठेका या सरखत इकरार नामा जमानत नामा की है

ऊपर की दरसे दूना लगता है—बैनामा रहननामा द-

बेला बैनामा तबादिलानामा और पट्टा अधिक समय के लिये और नामालूम रकम पर

हुंडी--रुक्का व रसीद पर रुपया इन्दुलतलब (जब, चाह तब लेसके) होतो बीस रुपये से अधिक पर एक आना का

मुखतारनामा--आठ आना नकल या इन्तखाब आठ आने के पर पेटन्ट कराना सो रुपया ट्रस्टी नियत करना १५)

स्टाम्प से बचेहुए हैं---पट्टा एक साल और सौ रुपये से कम, रसीद जुहरी—दाखिला लगान इन्तकाल जुहरी।

कौंट फीस

अर्जी नालिश---पांच रुपये तक ६ आना सौ रुपये से अधिक प्रति दस रुपया हजार तक १२ आना फिर पांच हजार तक प्रति सौ रुपये पर पांच रुपया मानो ७॥) प्रतिशतक अधिक से अधिक तीन हजार रुपया

एक आने का टिकट लगता है---१०) रुपयेसे कम के मुकद्दमे में कोई दरखास्त इस्तगासा फौजदारी खफीफा (साधारण लडाई भिडाई की अर्जी) और सरकारी मुआमलों।

आठ आना---नकल दस्तावेज़ मिस्ल मे शामिल कराना जमानतनामा वकालतनामा इकरारनामा।

एकरुपया-नकल फैसला हाई कोर्ट अर्जी कमिश्नर साहिब

दोरुपया-वकालतनामा हाई कोर्ट में।

चाररुपया-डिग्री हाई कोर्ट।

बचेहुए है-नकल फर्द करारदाद जुर्म, नकल गवाही गवाहो की इत्तल जिन को यदि सजा हो।

क़ानून मीयाद समाअत ।

दिन नही गिने जाते है—जो नकल लेने में लगें—तारीख सुनाने फैसलेकी, प्रतिवादी हिन्दुसान से जितने दिनबाहर रहे, हुकम इम्तनाई से रोकागया हो, किसी अदालत मे जो अधिकार सुनाई न रखती हो नेकनीयती से पैरवी करने के दिन ।

एकसप्ताह—अपील हुक्म फांसी । दसदिन—पंचायती फैसला रद्द कराने की दरखास्त ।

एकमहीना—फैसला एक तरफा की, उज़रदारी मनसूखी जायदाद की बेदखली, नीलाम मनसूख कराना, अपील अदालत जिले में

दोमहीना—हुक्म सजा की अपील हाई कोर्ट में ।

तीनमहीना—डिग्री की अपील हाई कोर्ट मे ।

एकवर्ष—नालिश तनखाह नौकर, किराया सराय, नालिश हक्क-शफा, नालिश हर्जा शारीरकहानि की ।

दोवर्ष—नालिश स्त्री पुरुष का मिलाप—नालिश मौहत्तमिम तर्का व बरंदा माल

तीनवर्ष—नालिशरोक हक आसायश ग़सब कापीरायट, किराया सवारी, कीमत माल,उजरत ठेकादार, कर्जा इन्दुलतलब या, दस्तगर्दा कर्जा हिसाब तलब, महनताना वकील, किस्तबन्दी, वासलातरहन, साझे का हिसाब, लगान का रुपया तामील माहिदा-मेहर ।

छैवर्ष—नालिश हर्जा माहिदा—नाजवाज़ी मुतवन्ना ।

बारहवर्ष—नालिश वपोती स्वत्वके अधिकार की—इजराय डिग्री, भोजन वस्त्र का अवशेष, जवती या तशखीस लगान आराजी माफी तमस्सुख आढ़ा जायदाद गैरमनकूला

तीसवर्ष—गिरवीधरीवस्तु, या धरोहर को छुटाना, रुपयादेकर

साठवर्ष—रहन छुटाना

कानून रजिस्टरी

रजिस्टरी उचित है—हिबैनामा, जायदाद गैर मनकूला पट्टा एक साल से अधिक ।

रजिस्टरी आवश्यकनही—वसीअतनामा, कम्पनी के हिस्से, मुलहनामा

हाजिरी से बचे हुए हैं--अधिक वृद्ध, कैदी, जो वैसे ही माफ हो

रजिस्टरी उस अदालत में होती है जिसके इलाके में जायदाद हो। चार महीने के अन्दर दस्तावेज रजिस्टरी होसक्ता है। कई लिखने वाले हों तो रजिस्टरी कई दफे करके होसक्ती है। लेखक से रजिस्टरी बलात्कार कराई जासक्ती है। अगर जायदाद पृथक २ जिलों में हो तो किसी एक जगह रजिस्टरी होसक्ती है, फिर उसकी नकल दूसरे दफतरों को भेजदीजाती है।

फीस रजिस्टरी--बैनामे पर फीसदी आठ आना और रहन नामे पर फीसदी छै आना

कानून इन्कमटैक्स

५ छूटे हुए है--जर लगान, खेती की आमदनी, जायदाद पुण्यार्थ या धर्म सम्बन्धनी, सूदस्टाक

६ तनखाह भत्ता पिनशन पर भी टैक्स लगता है, जर फीस और कमीशन पर नहीं

११ कम्पनी के अहलकार (कर्मचारी) को उचित है कि १५ अप्रेल तक नकशा लाभ दाखिल करे

१५ टैक्स उससाल के लिये होगा जो ३१ मार्च को समाप्त हुआ है

२९ टैक्स पहली जून को अदाहोना उचित है।

३० न टैक्स अदा न उज्रदारी करे तो दूनेतक वसूल किया जायगा।

क़ानूनआबकारी

४ प्रत्येक मनुष्य जितना पास रखसक्ता है--शराब वलायती १२ बोतल, शराब देसी एक सेर, देसी जोश खाई हुई शराब चार सेर भांग एक सेर, गांजा व चरस एक छटांक।

५ बिना लैसंस किसी को भवका जारी करने का अधिकार नहीं हैं

४५ नहीं तो जुरमाना एक हजार और कैद चार महीना तक।

४८ नियम बिरुद्ध भंग की खेती करना, सजा तीन महीने जुरमाना एकहजार-तक

नोट--ऐसी बातें अधिक विस्तृत देखो हमारी किताब कानूनसार में कीमत १)

प्रत्येक (जुर्म) दोष के लिये क्या दण्ड नियत है।

दफे	दोष (जुर्म)	क़ैद	जुर्माना	विवर्ण
१९३	झूठी गवाही देना	७ वर्ष	जुर्माना भी	ज़मानत
२२८	अदालत की मानहानि	६ महीने	एक हज़ार	वारन्ट ज़मानत
२३४	राजमुद्रा बनाना	१० वर्ष	जुर्माना भी	वारन्ट
२६५	झूठे बाट, नापरखना	१ वर्ष	जुर्माना	ज़मानत
२७२	खाद्य पदार्थों मे मेल	६ महीने	१ हज़ार	जमानत
२७९	सवारी ज़ोर से हांकना	६ महीने	१ हज़ार	गिरफतार जमानत
२८८	गिरने वाली इमारत न गिराना	६ महीने	१ हज़ार	जमानत
२८९	भयानक जानवर की संरक्षा न करना	६ महीने	१ हज़ार	जमानत, गिरफतार
२९२	अश्लील किताबें बेचना	३ महीने	जुर्माना	गिरफतार जमानत
२९५	मत की मान हानि	२ वर्ष	जुर्माना	गिरफतार जमानत
३०६	आत्म घाती की सहायता करना	१० वर्ष	जुर्माना	गिरफतार
३१३	गर्भपात कराना	३ वर्ष	जुर्माना	जमानत
३१७	बच्चे का छोडदेना	७ वर्ष	जुर्माना	गिरफतार जमानत
३४१	अनुचित रोक	१ महीना	५००)	गिरफतार, जमानम

३६३	मनुष्य को ले भागना	७ वर्ष	जुर्माना	गिरफ्तार
३७६	बलात्कार व्यभिचार	१० वर्ष	जुर्माना	गिरफ्तार
३७७	प्रकृति विरुद्ध विभचार	१० वर्ष	जुर्माना	गिरफ्तार
३७९	चोरी	४ वर्ष	जुर्माना	"
३९५	डकैती	१० वर्ष	जुर्माना	"
४०६	ख़यानत	कठोर ३ वर्ष	जुर्माना	गिरफ्तार
४११	चोरी का माल ख़रीदना	४ वर्ष	जुर्माना	गिरफ्तार
४२६	हानि पहुचाना	३ महीना	जुर्माना	गिरफ्तार
४३५	आग लगाना	७ वर्ष	जुर्माना	गिरफ्तार
४४७	अनुचित प्रवेश (मदाख़िलत बेजा)	३ महीना	पांचसौ	गिरफ्तार
४६५	जालसाजी	२ वर्ष	जुर्माना	
५००	मानहानि	२ वर्ष	जुर्माना	
५१०	नशे में बाहर निकलना	२४ घंटा	दस रुपया	

७ अध्याय-हिसाब पैमायश बग़ैरा

गुर

कोई चीज एक रुपये की जितनी सेर आवे एक आना की उतनी ही छटांक ५) की उतनी ही पन्सेरी ४०) रुपये की उतनेही मन आवेगी।

कोई चीज जितने रुपये की एक मन उतने ही आने की २॥ सेर और पैसौं की २॥ पाव आवेगी

१ सेर के दाम जितने आने १ मन के दाम उससे ढाई गुणे रुपये १ चीज के जितने आने कीमत उससे सवाये रुपये -१-कोड़ी और पोने रुपये -१-दरजन के दाम होगे।

१ तोले की कीमत जितने रुपये १ रत्ती की कीमत उससे दूनी पाई जितने आने की १ सेर उतने छदाम की १ छटांक

माहवारी तनखाह जितने रुपयेहों उसके आध आने और उसके २/५ पाई १ दिन की तनखाह होगी

अंकों का हिसाब सूदका

जितने रुपये का सूद निकालना मंजूर हो उनको शरह सूद फी सदी माहवारी और मुद्दत सूद से गुणा करो और गुणन फल का नाम अंक रक्खो-ऐसे -एकसौ १०० आंक का १) रुपया होता है।

अगर सूद महीनों की जगह दिनों का निकालना हो तो जो गुणन फल हो वुह कच्चे अंक कहलाते है और ३० कच्चे अंक का १ पक्का अंक समझो

अधिक कौन क्षेत्रों के कायदे ।				
समत्र वाहुत्रभुज	ऽ२८८८७	ऽ५७७३	ऽ४३३	तीनों भुजा बराबर
४ चतुषकोन	ऽ५	ऽ७०७१	१	भुजा बराबर
५ पंचकोन	ऽ६८८२	ऽ८५०६	१ऽ७२०५	पांचों भुजा बराबर
६ षट कौन	ऽ८६६	१ऽ५	२ऽ५९८१	छै भुजा बराबर
७ सम कौन	१ऽ०३८६	१ऽ१५२४	३ऽ६३३९	सातों भुजा बराबर
८ अष्ट कौन	१ऽ२०७१	१ऽ३०६६	४ऽ८२८४	आठों भुजा बराबर
९ नव कौन	१ऽ३७३७	१ऽ४६१९	६ऽ१८१८	भुजा बराबर
१० दश कौन	१ऽ५३८८	१ऽ६१८०	७ऽ६९४२	दसों भुजा बराबर
११ एकादशकौन	१ऽ७०२८	१ऽ७७४७	९ऽ३६५६	भुजा बराबर
१२ द्वादश कौन	१ऽ८६६	१ऽ९२१९	११ऽ१८६२	भुजा बराबर

विदितहो कि हर एक क्षेत्र की १ भुजाकू ऊपर के नकशे के हिन्दसो पैहले खानों के गुणा करें तौ गुणक फल उमूद उस क्षेत्र का होगा अथव भीतरे दायरे का त्रजा निकलैगा-औरं जो दूसरें खाने के हिदसों से गुणा करौ तौ वाहिरे दायरे का त्रजा होगा और जोके-एक भुजा के मुरब्बे कू तीसरे खाने के हिन्दसां से गुणा करें तौ रकबा अर्थात् क्षेत्र फल उस साध्य का होगा

पैमायश के गुर

रकवा दायरे का चौगुणा कुरे का रकवा और रकवा कुरा × कुतर का छटा हिस्सा जसामत कुरा और कुतर ×५५२३६ = जसामत।

कुरे की जसामत का ड्योढ़ा = जसामत ढोल की जो उस पर बने

कुरे का रकवा = ढोल के मुसत्ता रकवे के जो उस पर बनै।

कुतरकावर्ग + ३५१४१६ = रकवा कुरा इस हिसाब से कुरे के किसी हिस्से का रकवा या जसामत निकाललो।

जसामत = रकवा कायदा और बुलंदी के गुण फल का तिहाई

गिलाफ़ = { मजमूआ इज़लाय क़ायदा आधा ढाल बुलंदी का) कायदे का रकवा }

(जसामत) = (तूल कायदे का दुगना ऊपर का किनारा) × (कायदे का अर्ज बुलंदी) का छटा हिस्सा।

आधे कुतर का मुरब्बा × ३५ १४१६ = रकवा दायरे का और कुतर का मुरब्बा ५ ७८५४ = रकवा दायरा।

मुहीत का मुरब्बा ५ ७९६ = रकवा दायरा और आधा कुतर आधा मुहीत = रकवा दायरा–

मुहीत ÷ ३५ १४१६ = निस्फ़ कुतर ×

कुतर– { (कुतर वतर कोस)(कुतर–वतर कोस) / २ } = इर्तफ़ाय कोष

(वतर निस्फ़कोस × ८)–(वतर कोस) / ३ = तूलकोस

(ताक मुअद्दीदैन × २) (जफ्त मुअद्दीदैन × ४) / ३ = रकवा

पैमायश के अद्भुत क़ायदे।

किसी घासके ढेर की तोल मालूम करना।

लंबाई–चौड़ाई–गेहराई फुट नाप करके पहले लंबाई कू चौड़ाई से गुणा करें जो गुण क फल निकलें उसे गहराई से गुणा करे फिर इस गुण क फल कू–२७–से भाग दें कि मुकाइ गज़ निकल आवे–अब व

घास जितने बर्षों की हो उसी हिसाव से इन गजों कू-६-८-या-९-से गुणा करें गुणक फल घास की तोल (स्टौन) में निकल आवेगा विदित हो कि-एक स्टौन-१४-पौन्ड का होता है ओर उसक के नापने के समय कुल्ल लंबाई मे लंबाई-व हिसाब फुट का तिहाई हिस्सा बावत औलती के घटादें।

मवेशी के तोल का अनुमान करना।

जानवर की गोलाई पुट्ठे यानी (शाने) के नेक ही नीचे की ओर नापीजाय इसके पीछे पुट्ठे के अगले हिस्से पूंछ की हड्डी तक पीठ की लंबाई लीजावे दोनों कू फुटों मे करके लपेट के मुरब्बे कू लंबाई के पंच गुणे हिस्से से गुणा करें-और इस गुण के फल कू-२१-से भाग दें तौ-१४-पौन्ड के स्टौन में चारों टुकरो की तोल निकल आवैगी बहुत मोटे जानवर में इस तोल का आधा हिस्सा बावत मुटाई के बढावें और बहुत पतले जानवर में आधा हिस्सा इस तोल से घटादें जीते जानवर के आधे तोल से चार टुकरों का वज़न कुछ ही ज्यादा होता है-खाल-कुल्ल तोल का १८वां हिस्सा-चरबी-कुल्ल तोल की १२ वां हिस्सा के अनुमान होती है

वेडोलशैहतीरकीपैमायशकरना

औसत मुहीत के चौथाई के मुरब्बा कूलंबाई से गुणाकरें-अगर लट्ठा गाउदुम हो तौ उसका आगे पीछे का मुहीत लेकर दोनो कू जोड़कर इसका आधा लेले यही औसत मुहीत होगा-और यों नहो तौ यौ सही कि-कैई जगैह से मुहीतलेकर और सब कू जोड़ कर उसकू उतने ही गिनती से भागदें जितनी जगैह से लट्ठे कू नाहा है-और इसी मुहीते का चौथा हिस्सा मुरब्बा करके लंबाई से गुणाकिया जाय तौ मकाबफुट निकल आवेंगे।

तखते वगैरा की बाहर की पैमायश इसतरैह से है कि लंबाई चौड़ाई कू गुणा किया जाय--जो तखता गाउदुमहो तौ तखते के दोनो छोटे बडे सिरो की चौड़ाई जोड कर उसका आधा लेले यह तखते का औसत अर्ज़ होगा और इस अर्ज़ अर्थात् चौड़ाई से लंबाई कू गुणाकरे।

चौपैहल शेहतीर की जसामत मालूम करने कू औसत चौडाई से औसत गैहराई कू गुणाकरे फिर गुणक फल कू लंबाई से गुणा करें या लपेट के चौथाई हिस्से कू इन्चों मे निकालकर फुटों की लंबाई से गुणा करके गुणक फल कू १४ से भागदे शरीर फुटो मे निकल आवेगा।

शाखाएं जिनके लपेट का चौथा हिस्सा ६ इंछ से कम हो और पेड के वुह हिस्से जिनका मुहीत २ फुट से कम हो शेहतीर मे गिने न जाइंगे।

चौथाई लपेट में फुट पीछे डेढ़ इछ अथवा सब लपेट का ८ वां हिस्सा छाल की बाबत छोड दिया जाता है।

पेड़ के मुहीत अर्थात् सब लपेट मे १ इंछ अथवा चौथाई लपेट का १२ वां हिस्सा आम तौर पर हक्क में घटा दिया जाता चोडाई और बीच के गैहराई के जोड का आधा लपेट का चौथाई होता है

शेहतीर का सही नाप यों होसक्ता है कि लपेट के ५ वा हिस्से के मुरब्बा कू दुंगन लंबाई से गुणा करे दियाजाय।

साईंस की बातें गरमी का असर-नं०

लकडी मे गरमी सीधी लंबाई में दोडती है-चौडाई में कम और छाल में निहायत कम-- पतले पदार्थ कू ऊपर से गरमकरो तो नीचे का हिस्सा गरम नहोगा-लोहे से तांबा कम गरमी पहुंचाता है-गास सब से ज्यादा पत्थर, रुई, रेत, राख लकड़ी, ऊन, पर, फूंस, बुरादा, इनमे गरमी बहुत कम दौड़ती है।

अगर चाहें कि चीज़ देर तक गरम रहे तो उसकू चिक्ने चमक दार बरतन मे रक्खे-हांडी अगर चिकनी और सफ़ेद होगी तो उसके नीचे ज्यादा ईंधन जलाना पड़ैगा-

गरम करने से चीज का रंग पहले काला फिर लाल फिर सफेद होजाता है-गरमी की तेज़ी इन चीजो के जलाने से इस तरकीब से कम ज्यादा होती है-गंधक--२२-लकड़ी--२६-कोहला-६०-मिट्टी का तेल--१०३--पानी भाफ बनकर-१७०० मकाब फुट जगहमें फैल जाता है।

रोशनी

१-फुट के दूरी पर--१--लम्प के जलाने से जितनी होगी--२--फुट की दूरी पर उतनी--४--लम्प जलाने से होगी--१--फुट की जगह के अंदर--५०००--हजार मौम की बत्तियां जलावें तब सूरज की बराबर रोशनी होसकती है।

(आवाज़) जब हवा में हरारत कम हो तौ आवाज की चाल २ मिनट एक सिकंड में एक दरजा कम होजाती है--हवा जितनी भारी होगी उतनी ही आवाज भी भारी होगी--हलकी हवा में आवाज कम सुनाई देती है ज्यादा पाला पड़े उस दिन दूर तक आवाज सुनाई देती है--बाजे का तार जितनी चौड़ाई तक हिलैगा उतनी ही बड़ी आवाज होगी--बारीक आवाज के लिये कम लैहरे दरकार हैं तार जितना ज्यादा लंबा होगा उतनी कम लैहरें पैदा होंगी--और जितना ज्यादा पतला होगा उतनी ही ज्यादा लैहरें पैदा करेगा और जितने भारी धात का तार होगा--उतनी कम लैहरे पैदा करेगा।

(तराजू) की डंडी का बीच की गांठ से एक तरफ का हिस्सा अगर दूसरे से कुछ बड़ा होगा तौ उस तरफ के पलरे में जो चीज रक्खी जायगी उसका वजन उसी निसबत से कम भारी ठैरेगा चाहे उसमें दौनों पल्ले बराबर रहें पासंग न मालूम होता हो--इसी तरह अगर एक पल्ले के जोते बड़े होंगे यानी पलरा नीचा होजायगा तौ उसमें असल से ज्यादा वजन मालूम होगा।

(छोटा बड़ा दिन) उस्तवा खत के पास दिन १२ घंटे का होता है--४० दरजे अरजुलबल्द पर १५ घंटे का दवायर कुतवी पर २४ घंटे का ७० दरजे अरजुलबल्द पर दो महीने का कुतुब के पास ४॥ महीने का

(बिजली) कू कबूल करने या चलाने की खासियत इन चीजों मे ज्यादा होती है धात एसिड पानी बर्फ नबातात जानवर कोइला नमक और यह चीज ऐसी हैं जिनमे बिजली न मिलै अर्थात् बिजली रुकै जबाहरात, कांच, गंधक, लाख, कागज, रेशम, सूखी घास।

गणितकेपरिभाषा

اصول موضوعه	Postulates ...	अबाध्योपक्रम
علوم متعارفه	Axioms ...	स्वयंसिद्ध
متمم	Complement ...	पूरक
نصف قطر	Radius ...	त्रजा
وترقوس	Chord ...	जीवा
قطع دائره	Segment ...	चापक्षेत्र
مثلث متساوي-الساقين	Isoscelest triangle ..	समद्वबाहत्रभुज
مثلث متساوى الاضلاع	Equilaterel triangle ...	समत्रबाहत्रभुज
مختلف الاضلاع مثلث	Scalene triangle ...	विषमत्रभुज
دورىعه	Trapezium ...	समलंबचतुभुज
وتر	Hypotinuse, diagonal ...	कर्ण
مقسوم	Dividend :	भाज्य
خارج قسمت	Quotient ...	भजनफल
طاق	Odd	विषम
جفت	Even ...	सम
سماركننده	Numerator ...	अंश
نسىىما	Denominator ..	हर

मापने के पेमाने

साढे ५ गज = १ पोल — ४० पोल या २२ गज=१ फर्लांग

सवा १२ या १३ उंगल=१गिरह — ९ इंच = १ बालिश्त

२२ गज = १ जरीब — ३ गज = १ गट्ठा

सवा ३० मुरब्बा गज = एक मुरब्बा रोड या पोल

४० पोल=१रोड, — ४८४० मुरब्ब गज = एक इकड़

६४० ईकड़ = एक मुरब्बा मील

औज़ारोंकीविद्या

पुरजे इतने किस्म के होते है–बैरम Liver — चरखी Pulley

पहिया Wheel — खितैहमायल Inclined Plane

फाना Wedge — पेच Screw

तोलकीनिसवतपानी से

पलाटीनम २२ऽ७	लोहा ७ऽ८१	लकड़ी ऽ४०
सोना १९ऽ३	हीरा २ऽ५६	काग ऽ२४
पारा १३ऽ६	शीशा २ऽ४८	टपकाहुआ १ऽ०३
चांदी १०ऽ४७	कोइला १ऽ३२	टपकाहुआ पानी १ऽ१०

ये चीज़ें इतने दरजे की गरमी पाकर पिघलती है

बरफ ०	मौम ६५	सुरमा ४५०
पारा ३८	गधक ११४	चादी १०००
मक्खन ३३	शीशा ३३५	सौना १२५०
फासफरस ४४	जस्त ४२२	लोहा १५००

हर चीज के उबलने के लिये इतने दरजे की हरारत

तेजाब १०	तारपीन १३०	गंधक ४४७
टपकाहुआ पानी २००	पारा ३५०	जस्त १०४०

निजाम शमशी के सितारों का बयान

सितारे का नाम	सूरज से दूरी	अपनेकीली परघूमताहै	सूरजकेगिर्द घूमता है	मुटाई बमुकाबले प्रथ्वी के
बुद्ध	साढे ३ करोड़ मील	२४ घंटे	८८ दिन	छटा हिस्सा
शुक्र	६५०००००० मील	२३ घंटे	२२४ दिन	बराबर
पृथ्वी	९५०००००० मील	२४ घंटे	३६५ दिन	जुगराफियादखो
मंगल	१४००००००० मील	२४घंटे ३० मिनट	९९८ दिन	बहुत छोटा
वृहास्पत	४७०००००० मील	१२ घंटे	१२ वर्ष	१४००गुणा बड़ा
सनिश्चर	८७०००००० मील	१० घंटे ३० मिनट	३० वर्ष	१०००गुणाबडा
यूरेनस	१५०००००० मील	नामालूम	८४ वर्ष	८१ गुणा बडा
नेपचून	३०००००००० मील	नामालूम	१६४ वर्ष	१५ गुणा बडा



खदुआ	२५३	५।।)
अटारसी	४६४	७।)
भूपाल	५२१	८=)
भलसा	५५५	८।।≡)
वेना	६०७	९।।)
झांसी	७०२	११)
गवालयर	७६३	११।।।≡)
धोलपुर	८०४	१२।।-)
आगरा	८३१	१३।≡)

B B. & C I. रेलवे बम्बई से

सूरत	१६७	२।।=)
भडोच	२०४	३≡)
बरोदा	२४८	३।।।=)
अहमदाबाद	३१०	४।।।-)
अबीरोड	४२५	६)
मारवार	५२८	७-)
अजमेर	६१५	८)
ज्यपुर	७००	८।।।=)
बांदीकोई	७५५	९।≡)
रेवाढ़ी	८३८	१०।-)
हिसार	९२७	११।)
भटंडा	१०२५	१२।)

बम्बई से मुख्तलिफ रेलों पर

कोयटा	१६१०	२३=)
किराची	१७४८	२३।।-)
फीरोजपुर	१०८०	१३=)
रावलपिन्डी	१३१९	११।।=)
दहली	९५७	११।।।≡)
लखनऊ	८८५	११।।=)
कानपुर	८३९	१३=।)
मद्रास	७९४	११)
हेद्राबाददकिन	४९१	७-)

देहली से मुख्तलिफ रेलोंपर

किराची	९०७	१४=)	जगंनाथ	३११	४-)
ज्यपुर	१९१	२)	बम्बई	१४००	१५)
बीकानेर	२१५	२।)			
मुलतान	५५७	७।=)			

मद्रास से मुख्तलिफ रेलोंपर		
तूतीकोरन	४४६	४।-)
कोलमबु	समन्द्र	७।।-=)
बंगलोर	२१३	२।।।=)
रंगून से मान्डले	३८६	६)।।

कलकत्ते से मुख्तलिफ रेलों पर		
दारजेलंग	२७९	१०।।।)।।।
मद्रास	१२१९	१५।।।)

जहाज़ का किराया और पहुंचने के दिन बंबई से

देश	दिन में	किराया	देश	दिन	किराया
लंका	५	२५)	अदन	७	५०)
सिंगापुर	११	८५)	स्वेज़	१०	१३५)
चीन, जापान	२१	१५५)	फ्रांस	१४	१८५)
अमरीका		२८५)	लंडन	१६	२००)
आस्टेलिया	१८	१००)	रंगून		४५)

नवां अध्याय-डायरकटरीव जंत्री

हिन्दुस्तान के प्रसिद्ध इंगरेजी समाचार पत्र

कलकत्ता से इंगलिश मेन महसूल सालाना ४५) ऐंगलो इन्डयन है
रईस व रय्यत-हफतेवार निकलता है महसूल १२)
फ्रैंड आफ इन्टया हफतेवार १०)
नेशनल ईको हफते वार ४) पोलीटेकल
नेशनल मेगजीन मासिक समाचार पत्र ६)
मुसलिम क्रानीकल हफ्ते वार १०) इसलामी
नियु इन्डया रोजाना निकलता है महसूल सालाना १५)
इन्डयन अम्पायर हर मंगल को निकलता है महसूल ३)
रोजाना और हफते वार दोनों तरह का निकलता है महसूल २०) सालाना व ५) विल तरतीव यह बंगालियो का मशहूर पालीटेकल समाचार पत्र है।
इन्डयन इनजीनयरंग हफते वार १८) इनजीनयरंग के मुतालक
इन्डयन ईको हफते वार ३) सालाना
इन्डयननेशन हफते वार ६)
बंगाल मेगजीन मासिक समाचार पत्र है ६)
बंगाली रोजाना २२) बंगालियों का कौमी पत्र
पावर ऐन्ट गारटेन हर इतवार को निकलता है-पोलीटेकल ४)
बंगाल ऐशयाटक सुसेटी का जरनल मासिक ६॥) तहकीकात इलमी
प्लांटर हफतेवार २०) चाय नील वगैरह की बावत
राइल क्रानीकल हफते वार १५)

कासमा पालीटन मासिक २) भवानीपुर से छपता है
कलकत्ता रीवीयु तीसरे मासिक निकलता है १६)
गारडनरस मेगजीन-मासिक १) अलीपुर से निकलता है
लाइट आफदी ईस्ट-मासिक ५) हिन्दु फलसफा इसके साथ नियुऐज
भी निकलता है।
लीगल कम्पन्यन-मासिक ३॥) कानूनी मज़ामीन
हिन्दूपेटरीयट रोजाना ३०) भवानीपुर से निकलता है।

मद्रास से हिंदू रोजाना निकलता है महसूल ३३) सालाना

लाजरनल मासिक १०) और मद्रास लाटाइम्ज़
क्रश्चीयन पेटरीयट हफ़ते वार ५)
मद्रास मेल रोजाना ५४) मद्रास टाईमिज रोजाना ४॥=)
मद्रास इस्टेंडड रोजाना २८॥)
आर्या प्रति महीने की २० तारीख को निकलता है इलमी पत्र इन्डयन
लेडीज़ मेगजीन मासिक चित्र सहित ४) औरतों के वास्ते
प्रागरेस मासिक पत्र महसूल सिर्फ ॥≈)
थयासोफिस्ट मासिक ८) थयूसूफिकल सूसेटी का
हैद्राबाद करानीकल हफते में तीनबार महसूल ४५)

बम्बई से टाईमिज आफ इन्डया रोजाना ४८)

वाइस आफ इन्डया हफते वार ६) सब पत्रों की राय का खुलासा
इन्डयनाटिट विटस हफते वार ६)
इन्डयन इसपेकटेटर हफते वार १०) पोलीटेकल
ऐडवोकेट आफ इन्डया रोजाना ३०)
बम्बई गजट रोजाना निकलता है ४८)
इन्डयन ऐन्टी कैरी मासिक पत्र २०) इलमी तहकीकात

दीगर मुखतलिफ जगह से-सिविलमिलटरी गजट रोजाना ८८)

ट्रब्यून लाहोर से हफते मे दो बार मगल व विरहस्पत ११)
आबज़रवर लाहोर से हफते मे दो बार १२ इसलामी

आर्यपत्रका लाहौर से हर सनीचर को ५) आर्यसमाज का
हारवजर लाहौर से पन्द्रह रोजा १॥) टिम्प्रस
पाईसपेपर लाहौर से हफ्ते वार १॥)
थ्योरीटी सरवट लाहौ से हफतेवार १॥)
डाईजिस्ट लाहौर से मासिक ४) कानून
ऐडवोकेट लखनऊ से हफते में दो बार ४)
लिबरटी लखनऊ से हफतेवार ४)
डेलीटेलीग्राफ लखनऊ से रोजाना १८)
बिहारटाईमिज बांकेपुर से हरशुक्र को ६)
बिलोचिस्तान गजट कोइटो से रोजाना २४ हफतेवार १२)
मारनिंग पोस्ट दहली से रोजाना ४०)
काठयावार टाइम्ज़ रोजाना २१) गुजराती मे भी हफते मे दो बार
फीनिकस किराच बुध व सनीचर को निकलता है १४)
सीलोनआवजरवर कोलम्बू से रोजाना ३४) सोशल इसलाह
रंगून टाइम्ज़ रोजाना रंगून से ५) माहवार
दाकनेहरलड पूना रोजाना २०)
डेलीपोस्ट बंगलोर से रोजाना ४) माहवार
डाकागजट इंगरेजी उर्दू सोमवार को गिकलता है ६)
डाइमिंड मंसूरी के पहाड़ से मासिक पत्र इल्मी १)
पूनाआव जरवर रोजाना ३०)
पीपिल्ज़हिरल्ड आगरे से हफतेवार १०)
बेगाळा टाइम्ज ढाका से हर बुद्ध को २४)
पायोनीयर इलाहाबाद से रोजाना ४८) ऐंगलोइन्डयन नीमसरकारी
रहटा पूना से हफतेवार ४) कौमी अखबार
नेशनलगारडीयन बांकेपुर से पन्द्रहरोजा ३)
नीलगिरी नियूज हफते में तीन बार उटकमंड से १५)
नालिजधारवार से हफतेवार ३॥=)
कायस्थ मेसिंजर पन्द्रह रोजा गया से निकलता है ३)
ळायर अहमदाबाद से मासिक कानूनी रिसाला ४)

हिंदुस्तान काला कंकर अवद्ध से हफते में दो बार ६)
हिंदुस्तान रेवयू इलाहाबाद से कायस्थ समाचार सहित मासिक ४॥।)

हिन्दुस्तान के प्रसिद्ध समाचार पत्र हिन्दी भाष के

बंगबासी कलकत्ते से हरसोमवार को निकलता है महसूल २) वर्ष
भारतजीवन बनारस से प्रति सोमवार को १॥)
भारतमित्र कलकत्ते से हफतेवार २) सनातनधरमी।
भारतबंधू बांकीपुर से मासिक इळमी पत्र २)
भूमीहार ब्रह्मण पत्र का मुजफ्फरपुर से १)
हिन्दुस्तान कालाककर अवद्ध रोजाना १०)
गवालयर गजट लशकर से हफ्ते वार ९॥=)
आर्यवत करांची से हफतेवार ३॥।
अलहक हैद्राबादसिंद्ध से इसलामी पत्र हिन्दी में निकलता है
अवद्ध समाचार लखनऊ से हफतेवार २)
हितवार्ता कलकत्ते से हफतेवार २)
श्रीवेंकटेश्शवर समाचार हर शुक्रवार को बम्बई से २॥)
राजिस्तान समाचार अजमैर से हफतेवार बुध सनीचर को
राजपूताना गजट अजमेर हफतेवार ५) उर्दू हिन्दी मे
शुभचिंतक जवलपुर से हफतेवार १॥)
आर्यमित्र आगरा से हफतेवार आर्यसमाजका ४)
जेनगजट आरा से पन्द्रहरोजा २॥)
सरस्वती इलाहाबाद मासिक चित्र सहित ३)

हिंदुस्तान के प्रसिद्ध पत्र दूसरी जबानों में

चन्द्रोदयकनारीजवान धारवार से हफतेवार ३।-)
सुदेश मित्रम तामिलका मद्रास से निकलता है १४)
सनमार्गबोधनी तेलगो का बिकारी से हफतेवार ३॥)
सलाबावगला का रोजाना कलकत्ते से १०)
सजीवनी बगला कलकत्ता हर बृहस्पत को २)
समबाद परभाकर बंगला कलकत्ता रोजाना १०)

हितेशी बंगला का कलकत्ता से २)
हितवाद बंगला कलकत्ते से हर शुक्रवार को २) बाबू सरेन्द्रनाथ बनरजी
बंगभुमी बगला कलकत्ते से हर मंगल को २)
विचार मरहटी धारवार से मासिक ॥≈
केसरी मरहटी पूना से हफतेवार २) मिस्टर तिलक
नियूजमेन मरहटी हर इतवार को बम्बई से २) सोशल
वेधार मरहटी बम्बई से रोजाना ७॥)
प्रजामित्र गुजराती कराची से बुध व शुक्र को ५)
लोकमित्र गुजराती बम्बई से शुक्र व इतवार को ३)
देसी मित्र गुजराती हर बृहस्पत को सूरत से २।॥)
मोरसाद गुजराती मासिक बम्बई से १)
जामजमशेद गुजराती बम्बई से रोजाना १२)
खालसा पत्र गुरमुखी का लाहोर से हफतेवार ३।)
धर्म वाचानन गुरमुखी लुधयाना से तीसरे मासिक ॥।)
मारवारी गजट मारवारी कलकत्ते पन्द्रह रोजा १)
हबल उल मतीन फारसी कलकत्ते से हफतेवार १२)
और समाचार गुरमुखी में अमरितसर से हितइच्छु मरहटी का पूना से

प्रसिद्ध पत्र जो एक साथ दोजबानों में छपते हैं

परमोदसिंधू-इंगरेजी व मरहटी अमरावती पे हर शुक्र को ३)
परमात इंगरेजी व सिधी हेदराबाद सिंद्ध हफतेवार ४)
डीकन इंगरेजी व मरहटी पूना से रोजाना १५)
प्रजाबंधू इंगरेजी व गुजराती अहमदाबाद हर इतवार को ३॥
गुजरात मित्र इंगरेजी व गुजराती सूरत हफतवार ५॥=)
गुजराती इंगरेजी व गुजराती बम्बई हफतेवार ४॥=)
आर्या दर्पन शाहजहांपुर उर्दू हिन्दी मासिक २) बिधवा विवाह
इन्सटीटीयूट गजट अलीगढ इंगरेजी उर्दू हफतेवार १०)
एंगलो वरनाकिलर पत्र उर्दू इंगरेजी गुजरांवाला हफतेवार ४)
ब्रांच समाचार इंगरेजी गुजराती हर बृहस्पत को २॥-)
नेटिव ओपीनियन इंगरेजी मरहटी गुर्गाम बुध इतवार को १७)

दीनानप्रकाश इंगरेजी मरहठी पूना हफ्तेवार १।।।-)
रास्त गुफ़तार इंगरेजी व गुजराती बम्बई हर इतवार को ७॥)
कैसरहिन्द इंगरेजी व गुजराती बम्बई हर इतवार को ५॥=)
कौमी हल चल इंगरेज़ी उर्दू मद्रास पन्द्रह रोज़ा इसलामी ३)

हिंदुस्तान के प्रसिद्ध समाचार पत्र उर्दू ।

हिंदुस्तानी-लखनऊ से हफते वार २)
अवध अखवार लखनऊ रोजाना व हफते वार महसूल सालाना १०)१)
तफ राइ लखनऊ हफते वार २)
अवधपंत्र लखनऊ हफते वार ६।।।-) मज़ाक़या
कायस्थ कानफ्रंस गजट लखनऊ महीने में तीन वार ३) सोशलकोमी
हिंदुस्तान लाहौर से हफते वार २)
अखबार आम लाहौर रोजाना १४) हफते वार २)
पैसा अखवार लाहौर हफते वार २)
वतन लाहौर हफते वार ४)
आर्या गजट लाहोर हफते वार २॥) आर्यसमाज का
पंजाब समाचार लाहौर हफते वार २) हफते मे दो वार ४)
पंजे फोलाद लाहौर हफतेवार ४)
वकील अमृतसर सोमवार व शुक्र को ७)
हितकारी अमृतसर सनीचर को २) आर्यासमाज
पवलिक गजट अमृतसर हफते वार ३)
नूरअफशांलुधयाना हर शुक्र को २।-) ईसायों का
आरमी नियूज लुधयाना हर सोमवार को २।)
सिविलमिलटरी नियूज लुधयाना हफतेवार ४।।।)
विक्टोरिया पेपर सियालकोट हफते मे पांच दिन १०)
मुफीद आम आगरा में महीने से तीनवार १०)
नैयर आज़म मुरादाबाद हफते वार ४)
रहवर मुरादावाद हफते वार ५
फरतेल व सितारा हिन्द मुरादावाद हफते वार
आर्यापत्र बरेली मासिक १।।।=) आर्यसमाज पतिमिस्राने का

रुहेलखंड गजट बरेली हफते वार ३)
जमाना बरेली कानपुर मासिक पत्र ३)
पुलिस नियूज मेरठ हफते मे चार बार ७) पुलिस के मुतालिक
शहना हिन्द मेरठ हफते वार ४) इसलामी
असर जदीद मेरठ मासिक ३) इसलामी
जरीदा रोजगार मद्रास हफते वार ६)
बम्बई पंज बम्बई चित्र सहित हर सोमवार को ३)
सौदागर समाचार बम्बई रोजाना १६॥।-) तिजारती
काशफ उल अखबार बम्बई गुर्गाम हरबृहस्पत को १२)
कर्जन गजट दहली हफते वार ४)
दहली पंज दहली हफते वार ३)
खेर खुरवाह आलम दहली हफते वार ६)
मशीर दकन हैद्राबाद दकिन रोजाना १२)
शौकत इसलाम हैद्राबाद दकिन हफते वार १२)
इतफाक साढोरा जिला अवाला हफते वार ३)
अलवशीर इटावा हफते वार ३।) इसलामी
अलपच बांकेपुर हफते वार ६)
ळिवरल आजमगढ़ हफतेवार ३)
रियाज-उल अखवार गोरखपुर हफते मे दो वार १२)
खुलासा य फतेगढ पंद्रह रोजा ३।) कानूनी
जमीदार करम आवाद जिला गुजरानवाला हफते वार ३)
उर्दुएमोअला अलीगढ़ मासिक पत्र ४)
सराजउल अखवार जहलम हर सोमवार को ३॥।-)

इंगलिस्तान विलायत के प्रसिद्ध समाचारपत्र

टाईम्ज़ हफतेवार लंदन से निकलता है रोजाना भी दो पेंस प्रित कापी कीमत।
इसपेक टेटर-लंदन से निकलता है हफते वार कीमत सात पेंस
रीवीयु आफ रेवयूज-लंदन मासिक सालाना महसूल ६ रुपये।
कनटम्परेरी रेवयु-मासिक लंदन आधा क्रौन सालाना।
पोजटिविस्ट रेवयु-मासिक लंदन ३ प्रेंस फी कापी।

इन्डीपेन्डैंट रेवयू-मासिक लंदन ढाई सिलंग।

ईस्टर एन्ड वेस्ट-मासिक लंदन बारह रूपया सालाना।

ब्लैक एन्डो वाइट-हफते वार लंदन चित्र सहित ६ पेंस प्रति कापी।

इसफेअर-लंदन हफते वार चित्र सहित ६ पेंस प्रति कापी।

पंच-लंदन हफते वार चित्र सहित मनाकिया १८ शिलंग सालाना।

नाइनटीथ सैन्चुरी-मासिक लंदन आधी करोन सालाना।

स्टैंडर्ड-मेगजीन चित्र सहित लंदन से।

क्रेसेंट-मासिक लोट पोल से निकलताहै इसलामी ४ पेंस फी कापी

एैडिनबरा रैवयो-साल में चार दफै ऐडिनबरासे निकलता है।

ओवर लैंडमेल डेली टेलीग्राफ पालमाल गजट गलोब लेडी रनकन्ट पोरट मल टरोठ।

फोरटर नाइटली रेवयु-सेंटर डेरैव यू-ग्राफिक-प्राउटलुक हार्थ एन्ड होम कमर शियल अेड लेहेंस लेनसेंट रोड।

इन्डीया-यह कांग्रेस का अखबार लन्दन से निकलता है।

इन्डियन मेगजीन-लंदन मासिक समाचार पत्र इलम हिन्दुस्तान से दिलचस्पी ओवरलेन्ड मेगजीन हफते वार हिन्दुस्तान के मुतअल्लिक खबरें

कौमीजलसे

नेशनल कांग्रेस-हरसाल दिस्मबर के आखरी हफते में होताहै किसी नये शहर में जो पहले से मसहूर होजाते है हिन्दुस्तान के सब कौमों के सब से जियादा लायक आदमी इस मे शरीक होकर पोलिटीकिल मामलात पर बहस करतेहै

वैश्य कानफ्रैंस-इस का सदर दफतर मेरट मेंहै इसका जलसा भी हरसाल मुखतलीफ शहरो में बदल बदलकर हुआ करता है पहले बडे दिन की छुट्टी में होता था अब मार्च के महीने में वैश्य जाती की इसलाह।

कायस्थ कानफ़्रेंस सदर दफ्तर लखनऊ कायस्थ जाती की इसलाह–महमदन ऐजूकेशनल कानफिरंस सदर दफ्तर अलीगढ मुसलमानो के तरक्की के वास्ते बडे दिनकी छुट्टी मे होता है।

नुमायशगाहके सरकारी मेले

अलीगढ की नुमायश मध्य फरवरी में हरसाल हुवा करती है घोडे बैल और हर किसमका सामान तिजारती बहुत ही आता है घुड़ दोड कुशतियां होतीहैं अजीव पेदावार व दस्तकारयों पर इनाम मिलते हैं

बुलन्दशहर की नुमायशगाह अक्सर अलीगढ से एक हफते वाद शुरू होतीहैं।

मुजफरनगर की नुमायश फ़िर उससे एक हफते वाद के करीब

मेरठ की नोचंदी व नुमायशगाह होली के एक हफते वाद होती है।

हिन्दुस्तान के प्रसिद्ध मेले

सालार मसऊदगाजी बहरायच में होताहै–जेठ के महीने में शुरू गाजी मियां के झंडे गडते लाखों हिन्दु जियारतको जाते है।

कादर वली कीदरगाह मु० नागोर सुवा मद्रासमे है मुसल-मानी छटे महीने के दस्वीं तारीख को उरस होताहै दूर दूर के लोग हिन्दू मुसलमान जमा होते है।

पीरानकलयर रूडकी के पास इनका मजारहै उरसे १२ रबी अव्वलको होता है।

मदार साहव कामेला मकनपुर जिला फरुखावाद अघहन के महीने मे।

गंज मुरादाबाद जिला उन्नाव में उर्स रवीउल अव्वलको।

बिठूर गंगा अशनान का मेला कातकीपर बड़ाभारी इसी तरह गढ़मुकतेसर में होता है।

गोलागोकरननाथ चेत बदी तेरस को शुरू ६ दिन रहता है तिजारत बहुतहोती है।

बटेश्वर कातकीका मेला तिजारत घोड़े बैल वगैराह बहुत जियाद जिला कानपुर।

मिसरख जिला सीतापुर चैत के शुरू हफ्ते में।

अलैवारखोह जिला दीनाजपुर कातक शुदी-एक महीनेतक मेला रहता है।

हलदी बाड़ी बंगाल अघहन में पंद्रह दिन रहता है।

पांगा बगाल माघ के महीने में तिजारती मेला।

ककोड़ाघाट जिला बदायूं कातकी का मेला गंगा किनारे लखों मेला होताहै।

अजुध्या रामनौमी का मेला बड़ीभीड़ से होता है चैत मे।

मथुरा रथ यात्रा जनमअष्टमी और सावन के हिंडोले मशहूर हैं

कुरूक्षेत्र सूर्यग्रहन के वखत बड़ाभारीमेला होताहै।

प्रयाग कुंभ के उपर बड़ाभारी मेला हर चारसाल बाद होताहै।

जलपाई गोड़ी—पूसके महीने मे तिजारती मेला होता है।

अजमेर—उर्स ख्वाजा साहब का ११ जमादीउल आखिर को।

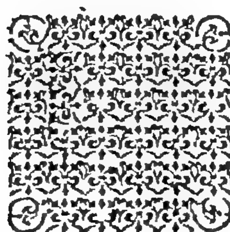
कांगड़ा—व ज्वाला जीका मेला नौदुर्गा चैत व क्वार मे होता है इसी तरह गया-बद्रीनाथ-जगन्नाथ-पुशकर आदि के मेले मशहूर हैं।

सदेवजंत्री

जिससाल की चाहो तारीख कादिनमालूम करलो इसतरह पर कि प्रिथम सन् ईसवी मालूम के हिंदसे लिखकर उन के नीचे उनकी दहाई के चौथाई रकम लिखो कुछ बचे तो छोडदो उन के नीचे सैकडा हजार के हिस्सों को चार पर भाग करने से जो बचे उसका पचगुना रखो उस के नीचे उस महीने का अदद मफरूज़ा रखो जो नीच के नकशे से मालूम होगा उसके नीचे तारीख मालूम लिखो इन सबको जोडलो हासिल जमा को सातपर भाग करने से जो बाकी बचे उस से दिन समझलो इसतरह से कि एक से इतवार दो से सोमवार वगैरह।

महीनों के अदद मफरूज़ा यह है

अक्टूबर व जनवरी का सफर-मई का १ अगस्त२-फरवरी मार्च नोमवर हरएक का ३ जून ४ सितमवर दिस्मवर ५ अप्रेल जोलाई६ मगर जिस साल लोंद पडे यानी फरवरी का महीना २९ दिन काहो उस साल के फरवरी का अदद २ समझो और जनवरी का ६ बाकी का वही-जो सन् चारपर पूराभाग होसके या पूरी सदी होतो चार सो पर भाग होसके उस साल लोंद पडेगा।



हिसाब सूददरसूद का

जब शरत छे माही सूद की हो एक सौ रूपया का लिखते है इसी हिसाब से चाहे जितने रकम और मुद्दत का निकाललो छे मांस का सूद तो छे गुना करने से मालूम होजायगा फिर जो उसके पीछे एक मांस का सूद दर सूद मिलाकर होगा वही दूसरे का अगले छे मांस तक जितने मांस और गुजरे उतने गुना कर के जोड लो।

शहरसूदमासिक	सातवे मासका	१३वेंका	१८ मेंक	२५वेंक
३=)	३रु११आ४पा,	४रु०४आ८पा	४रु१५आ४पा	५रु११आ९पाई
२)	२रु३आ१०पा	२रु७आ५पाई	२रु११आ४पा,	२रु१५आ८पा,
१॥)	१रु१०आ१पा	१रु१२आ१पा	१रु१४आ२पा	२रु५पाई
१)	१रु०११पाई	१रु१आ९पाई	१रु२आ८पाई	१रु३आ७पाई
११आ०४पा	१२आ०	१४आ७पाई	१५आ२पाई	१५आ१०पाई
॥।)	१२आ६पाई	१३आ०	१३आ६पाई	१४आ१पाई
॥=)	१०आ४पाई	१०आ८पाई	११आ०	११आ८पाई
॥-)	९आ४पाई	९आ६पाई	९आ१०पाई	१०आ
॥)	८आ२पाई	८आ५पाई	८आ८पाई	८आ१०पाई
।≡)	७आ२पाई	७आ४पाई	७आ६पाई	७आ८पाई
।=)	६आ१पाई	६आ२पाई	६आ४पाई	६आ६पाई
५ आ०४पा,	५आ५पाई	५आ६पाई	५आ७पाई	५आ८पाई
।)	४$\frac{1}{2}$पाई	४आ१पाई	४आ२पाई	४आ२$\frac{1}{2}$पाई

नो शरह —मुत जियादा काममें आते है उन का लिखागयाहै अगर कुछकमजियादा शरह होतो दो शरहो के हिसाब आपस में जोड़ने या घटाने से मतलब निकल सकता है या कुछ जियादा रकम का इसी तरह निकालकर शरह

जंत्री तनख्वाह एक दिन की हर महीने में

माहवार	२८कामहीन		१९कामहीन		३०कामहीन		३१कामहीन	
	आ	प०	आ	प०	आ	प०	आ	प
१)	०	६	०	६	०	६	०	६
२)	१	१	१	१	०	१	१	१
३)	१	८	१	८	१	७	१	६
४)	२	४	२	२	२	१	२	०
५)	२	१०	२	९	२	८	२	७
६)	३	५	३	३	३	२	२	१
७)	४	०	३	१०	३	८	३	७
८)	४	६	४	५	४	३	४	१
९)	५	०	५	११	४	९	४	७
१०)	५	८	६	०	५	४	५	१
११)	६	१	६	०	५	१०	५	८
१२)	६	१०	६	७	६	४	६	२
१३)	७	५	७	२	६	११	६	९
१४)	८	०	७	९	७	५	७	२
१५)	८	७	८	३	८	०	७	९
१६)	९	१	८	९	८	६	८	३
१७)	९	८	९	४	९	०	८	९
१८)	१०	३	९	११	९	७	९	२
१९)	१०	९	९	११	९	७	९	३
२०)	११	६	११	०	१०	८	१०	३

मुख्तलिफ गिजाओंके हजम होनेकावक्त

किस्मखुराक	घंटे	मिनट	किस्मखुराक	घंटे	मिनट
उबलेहुये चावल	१		भुनाहुआ अंडा	२	१५
सेब मीठा	१	३०	उबलेहुये जो	२	
सेबकच्चा	२		कच्चा करम कल्ला	२	
मछलीभुनीहुई	१	३०	उबले हुये जो का शोरवा	१	३०
साबूदाना उबलाहुआ	१	४५	कच्चा अंडा ताजा	२	
उबला हुआदूध	२		गाजर उबली हुई	३	१५
दूध कच्चा	२	१५	पुराना पनीर	३	३०
उबले हुये मटर	२	३०	शलजम उबले	३	३०
उबलेहुयेसैम	२		चुकंदर उबले	३	४५
रोटी पकीहुई	३	३०			
मक्खन	३	३०			
नाज उबलाहुआ	३	३५			

जंत्री तनख्वाह एक दिन की हर महीने में

माहवार	२८कामहीन आ	२८कामहीन प०	२९काँमहीन आ	२९काँमहीन प०	३०कामहीन आ	३०कामहीन प०	३१कामहीन आ	३१कामहीन प
१)	०	६	०	६	०	६	०	६
२)	१	१	१	१	०	१	१	१
३)	१	८	१	८	१	७		
४)	२	४	२	२	२	१		
५)	२	१०	२	९	२	८		
६)	३	५	३	३	३	२		
७)	४	०	३	१०	३	८		
८)	४	६	४	५	४	२		
९)	५	०	५	११	४	९		
१०)	५	८	६	०	५	४		
११)	६	१	६	०	५	१०		
१२)	६	१०	६	७	६	४		
१३)	७	५	७	२	६	११		
१४)	८	०	७	९	७	५		
१५)	८	७	८	३	८	०		
१६)	९	३	८	९	८	६		
१७)	९	८	९	४	९	[illegible]		
१८)	१०	३	९	११	९			
१९)	१०	३	९	११	९	७	१०	
२०)	११	६	११	०	१०	८		

हिन्दुस्तान के मशहुर बंक

आगरा--बेक आफ बंगाल--आगरा बेक

इलाहाबाद--बेक आफ बगाल--इलाहाबाद बक

बेम्बइ--बेक आफ बम्बई--बेक आफ बगाल--आगरा बेक--लेन्ड मार्टगेज बेंक--नेशनल बेक आफ इन्डया लिमिटेड

दहली--बेंक आफ बंगाल--दहली लदन बक--नेशनल बंक आफ इन्डया लिमिटेड--प्राविशल बेंक आफ इन्डया लिमिटेड

शमला--अलाइसबेक आफ शमला लिमिटेड--बेक आफ अपर इन्डया लिमिटेड--दहली एन्ड लंदन बंक लिमिटेड

कानपुर--इलाहाबाद बेक लिमिटेड--अलाइंस बेक आफ शमला--बेक आफ अपर इन्डया

किराची--बेक आफ बम्बई--आगरा बेंक--पंजाब बेकिंग कम्पनी लिमिटेड

कलकत्ता--बेक आफ बंगाल--आगरा बेक--अलाईस बेक आफ शमला लेमेटड--दहली एन्ड लंदन बेक नेशनल बेक आफ इन्डया

लाहोर--बेक आफ बंगाल--आगरा बेक--अलाइंस बक--आफ शमला पंजाब बेकिग कम्पनी लिमिटेड

लखनऊ--इलाहाबाद बेक लिमिटेड--बेंक आफ बंगाल--बंक आफ अपर इन्डया लिमिटेड--दहली एन्ड लंदन बेक लिमिटेड

मेरठ--बेंक आफ अपर इन्डया--नार्थ वेस्ट कमरशियल बेकिग कामरशल लिमिटेड

घड़ी के हिंदसे

I, II, III, IV, V, VI, VII, VIII, IX, X, XI, XII

बंदूक के पुरज़ों के नाम

नाल	Barrel	...	जिसमे होकर गोली निकलती है
घोड़ा	Cock	.	जिसके गिरने से बंदूक चलती है

लपलपी Trigger जिसको उंगली से दबाने से घोडा गिरता है
चांप Lock जिस पर घोडा लगता है

बाइसिकलके पुरज़ो के नाम

पाऐदान Paddle जिसपर पांव रखते हैं
रोक Brake जिसके से गाडी रुकजाती है
मडगार्ड Mud-guard जो पहयों के उपर कीचड को रोकते हैं
हेंडिल Handle जिन को हाथ में पकडते हैं
धुरा Axle पहये के मरकज की जगह
अरा Spoke धुरे से सीधी तांन पहये को जाती है
जीन Saddle जिस पर बेठते हैं

पैमाना नापने का

अक्सर रास्ते मे किसी चीज के नापने के लिये गज या फिट की जरूरत पडा करती है और अटकल पच्चू हाथ या बालिस्त से काम निकालते है इसलिये यह तकलीफ दूर करेन के लिये हमने इस पाकट बुक में पैमाना भी लगा दिया जो कि वक्त पर काम आवे इस छोटीसी किताब मे एक गज या फिट के बराबर बनाना तो मुमकिन नहीं था क्योंकि इसकी लम्बाई बहुत कम है इसलिये यह पैमाना बनादिया है इसमे एक २ इंच पर निशान करादिये है और आधी इंच पर भी
अब अगर फिट की जरूरत होतो एक सींक या लकडि इस पैमाने पर रखकर बारह इंचो की बराबरइस में से लेलो और गजकी जरूरत होतो फिर उसका तिगुना करलो और हर इंच के बराबर चाहो तो यही निशान लगालो सवा दो इंचका एक गिरह

आधइन्च
एकइन्च ऊपरसे पहातक
दोइन्च
तीनइन्च

कीमया के इस्तलाही नाम संस्कृत में

पारा--काग--जोगी--शिव--साना चचल

गंधक--जोगन--गोरा--दम्पत

जस्त--चार--पखी

सुहागा--जीवन

चांदी--दोइ

शिग्रफ--दरद--मंगल--राता--रक्ता

रांग--पांच

हरताल--रुकमिनिरिपु

त्रगुनी--अमरबेल- पारसबेल चांदवेल--तीनो

मुरद--आक

सुवा--तांबा

ऐ--रससिंदूर

सकत सीप

सर्व--सीसा

बरखात्रुटी--कंकवा

कंवल--तांबा

सूद का हिसाब

एक रुपया फी सैकडा माहवार की शरह से सूद इसकदर होता है रकूम जैल पर

रकम	सूद १ दिन का	१ हफतेका	१ महो का	एक साल का
१)	दो कौडी	१० कोडी	१ पाई से जियादा	दो आने के करीब
१०)	आधी पाई	४ पाई	१ आना ७ पाई	१=)
१००)	६ पाई	३ आ० ८ पाई	१)	१२)

किताबों की तकती की लम्बाई चोडाई इंचों में

रायल फोलियो	१९ × १२	रायल १६ सफा	१०$\frac{1}{3}$ × ६$\frac{1}{2}$
डिमाई	१८ × ११	मीडियम १६ सफा	९$\frac{1}{3}$ × ६
सुपररायलक्वारटो	१५$\frac{1}{3}$ × १२	डिमाई १६ सफा	९ × ५$\frac{1}{2}$
रायलक्वारटो	१२$\frac{1}{2}$ × १०	क्राऊन १६ सफा	७$\frac{1}{2}$ × ४$\frac{1}{2}$
डिमाईआक्टेवो	९ × ५$\frac{1}{2}$	फुलिस्केप १६सफा	७ × ४
क्राऊन आक्टेवो	७$\frac{1}{2}$ × ४$\frac{1}{2}$	पोष्ट ६४ सफा	४ × २$\frac{1}{2}$

छापने के कागज़ की तक्ती

पोष्ट	१९½ × १५½	सुपररायल	२७½ + २०½
मीडियम	२४ × १९	इम्पीरियल	३० × २२
डिमाई	२२ × १८	डवलक्राउन	३० × २०
रायल	२६ × २०	डवलफुलिसकेप	२७ × १७

राजगीरी के मुताल्लिक

एक राज १० घंटे के दिन मे सरसरी तौर पर १५०० तक ईंटें चुनसक्ता है अगर जोड मिलाता जावे तो एक हजार ईंट लगालेगा एक ग ज इमारत में १३५ घन फिट ईंट ७१ घन फिट गारा लगता है और सब का वजन औसतन १५ टन के करीब होती

एक ऐकड जमीन में कितने पेड़ लगा सक्ते हैं

एक फिट की दूरी पर लगावें तो ४३५००– बिलाइद भर पर १७४२४० हाथभर के फासले पर ११ हजार तीनसौसाठ–बिलकुल पास पास तो सातलख के करीब

गजभर की दूरी पर १४५२०	–	तीन गज×एक गज १४५२०
तीन तीन गज ४८४०	–	५ ×१ गज पर ८७१२
पांच पांच गज १७४२	–	४ × २ गज ७२६०

बड़े सौदा गरों के पते

संसक्रतकी पुस्तकें-कलकत्ता प० जीवानन्द विद्यासागर फिरी कालिज - हीरालाल ढोल महल्ला मसजिद बारी नम्बर १२७ मनीजर बंगाल ऐशया टक सुसेटी

बनारस बाबू कौलेश्वरसिंह चांदनी चोक- हरीहर शर्मा गोरखा पुस्तकालय रामघाट- ब्रजबल्लवदास ऐन्ड को - बाबू परशोतमदासएन्डको

बम्बई – सेठ खेमराज श्रीकृष्णदास मालिकवंकटेश्वर छापाखाना –तका रामजी मालिक निर्णयसाग र छापाखाना– गोपाल नरायन कम्पनी – जेशटाराम मुकंदजी-बाबू निरंजनसिंह -सरवसग्राद पुस्तकालयानिगाम

देसी कपड़ा – धार वाड़ – गुजरात – पंजाब – कनानोर – कानपुर
कागज़ – बाली पेपर मिल्स कलकत्ता – टेटागढ़ मिल्स कलकत्ता – कोपर मिल्स लखनऊ

इंग्रजी की पुस्तक – थेकर इसपिक एन्ड को कलकत्ता – राधाबाई आतमाराम सागोन बम्बई – ट्रूबनर एन्ड को लन्दन – मोनीटीगोवरदास इलाहाबाद – नियूमेन एन्ड को कलकत्ता

बम्बई के बड़े सौदागरों के पते

१ बम्बई सइकल ऐजंसी – चर्च गेट इस्टींट नम्बर ६-८-१० शाखें पूना लाहौर लखनऊ वगैरा
२ सैंचुरी पवलिशिंग कम्पनी – वाइकला थोक फरोश बुकसेलर
३ स्वारपाई एन्ड को नम्बर ६५-ऐस पलेन्ड रोड घड़ियां
४ तामस कुक एन्ड संस १३० ऐसपलेन्डरोड – बेंकर व एजंट जहाज़ी कलकत्ता भी
५ केम्प एन्ड को नम्बर ७ ऐलेफिनसटन सरकल – फोर्ट औषधया व डाक्टरी औजार
६ करतारक ऐन्ड को नम्बर ३८ ऐल फिनसटन सरकल सौदागर कपड़ा वगैरह कलकत्ता भी
७ खेमराज श्रीकृष्णदास – खेतवाड़ी बेकरोड श्रीवंकटेश्वर पत्र व छापाखाना
८ लारन्स एन्ड मेओ – एस पलेन्डरोड एन्ड फोरबिस इस्टींट – एनक चश्मा वैगैर कलकत्ता भी
लोंग मेन ग्रीन एन्ड को – ३२ होरनबीरोड – विलायती पवलिशर पुस्तक
१० रेली बिरादर्स नम्बर ६२ ऐस पलेन्डरोड सौदागर नाज वगैरह कलकत्ता भी
११ रियूटर टेलीग्राम कम्पनी लिमिटेड नम्बर १२१ मेडोज इस्टींट – तार की खबरें

१२ वायटवे लेडला एन्डको–हौरनवी रोड– सौदागर कप आलात वगैरह कलकत्ता भी

कलकत्ते के बड़े सौदागरों के पते

१ वखसइलाही ऐन्ड को--नम्बर १० कोलू टोला इस्ट्रीट--चुरटवगैरह
२ वट्टोक्रुस्टो पाल ऐड को--नम्बर ७ वोनफीलडसलेन औषधि व आलात
३ जानडिकनसन ऐड को–नम्वर ७ नियूचायना वाजार इस्ट्रीट कागज व छापाखाना की चीजें
४ कवीराज नागेन्द्रनाथ सेन नम्बर १८ लोर चित पोररोड--औषधि
५ कैलनर ऐड को नम्बर ३२ चोरंगी रोड ठेकेदार होटल

६ लाहरी ऐड को नम्बर १०१ कालिज इस्ट्रीट औषधयां होमीयोपेथी
७ लिपटन नम्बर १० हीर स्टैंट चाय काफी वगैरह
८ नार्थ वेस्ट सोप कम्पनी--नम्वर ६३ गारडन रीच सावन
११ थेकर इस्पिंक एन्ड को नम्वर ५, ६ गवंमेंट पलेस नार्थ--इंग्रेजी की पुस्तके वगैरह
१२ ट्रेन्डाद ऐमीग्रसन एजंट नम्बर २१ गारडन रीच रोड–भरती कुली मिर्च के मुलकको
१३ वीलर एन्ड को–नम्बर १५ ऐलजनरोड इलाहाबाद में है आफिस रेलवे वुकस्टाल के ठेकेदार कलकत्ता भी

हिंदुओं मेंईसाल वरासत का कायदा

बेटा – सबसे पहले बेटा मालिक है फिर पोता और फिर पड़पोता
पोता – मगर दर सूरतन होने वेटां या पोतां और पड़पोता के किसी
पड़पोता– को न पहुंचेगा - परन्तु कानून बंगाल की रु से बेवा को मिलेगा

अगर नसल जकूर से कोई न होतो हस्वजेलनसल अनास को पहुचे गा
बेवा -- अगर वेवा न होतो बेटी मालिक होती है
बेटी – पहले विनव्याही बेटी इस्तहकाक कायम मुकामी कारपर्दी

है - अगर यह न होतो साहब औलाद ज़रूर बेटी का हक़ है

धेवती --बंगाल और बनारस की क़ानून की रूसे व सूरत अदम मो-जूदगील ड़को के धेवते रियासत के मालिक होते है अगर धेवते नहीं तो व मूजिब कानून बंगाल के बाप मालिक होगा

बाप --मगर और मुकामात के कानून के

मा --मुताबिक मा का हक ज्यादा है

भाई --अगर बाप और मा दोनों नहो तो भाइयों को हक़ विरासत प-हुंचता है प्रथम उन भाइयो को जो मा जाये हो और मेल जोल से रहते हों फिर जो मा जाय हो और मेलसे न रहते हो तीसरे सोतीले भाई जो मेल जोल से रहते हो चौथे सोतीले भाई जो मेल जोल से नरहते हो

भाईकेलड़के--अगर भाई नहीं तो जिस तरतीब से के वह पाते भाई के लड़कों को वरसा मिलेगा अगर भाई के बेटे नहीं तो पोते को

भाईकेपोते--व मूजब कानून बंगाल व सूरत अदम मोजूदगी भाई के पोतों के बहन के लड़के मालिक होते है लेकिन व मूजिब तरीक़

बहनकेलड़के--दीगर मुक़ामात के दादी का हक़ीयत पहुचती है इस तौर पर के पहले दादी को फिर दादा को बाद उसके ताई या चाची व फूफी या सोतीलो और उसके लड़के को फिर पड़दादी को फिर दादे को-- फिर उसका बेटा पोता व तरतीब फिर पर दादा की मा फिर उसका बाप फिर उसका भाई फिर उसका भाई फिर उसका बेटा,

चाला दिशा शूल

सफर करना मने है इन दिनों में इन सिमतों को

सोमवार और सनीचरको-पूरब को जाना मने है-पच्छिम को जाना चाहिये
इतवार व शुकर को पच्छिम को जाना मने है -पूरब को जाना चाहिये
मंगल व बुद्ध को उत्तर को जाना मने है - दक्खिन जाना चाहिये
ब्रहस्पति को दक्खिन को जाना मने है - उत्तर को जाना चाहिये

अर्बीमहीनों के नाम--महर्रम-सफर रबीउलअव्वल-रबीउलसानी जमादीउलअव्वल-जमादीउलसानी-रजब शाबान - रमज़ान - शव्वाल ज़ीक़अद - ज़िलहिज

फारसी महीनों के नाम--फरवरदीन- अर्दीबहिशत - खुर्दाद -तीर अमरदाद - शहरयूर -महर- आबान -आज़र -व- बहमन -असफ़न्दयार

औज़ान व पैमाने गैर मुल्कों के

२४ सेकिन्ड	=	एकपल
८ मिनट	=	एकघड़ी
२३ घटा	=	एकपहर
२ ओंस	=	एकछटांक
२ पोंड	=	एकसेर
२८ मन	=	एकटन
२ पेन्स	=	दोआना
१ फलोरन	=	एकरुपया८आ०
१ क्रौन	=	२ रुपया ८ आना
१ मारक	=	६रु० १०आना
२ क्वार्ट	=	बोतल
२ बोतल	=	१ गेलन
२४ तसू	=	१ गजइमारती
१ बुशल	=	एक मन
१२ दर्जन	=	ग्रॉस
१४ पोंड	=	१ स्टोन
रतल	=	१४ सेर

पंजाबी पैमाना

३ मुरब्बा कदम	=	१ करला
२० मुरला	=	एककनाल
४ कनाल	=	१ कबीघा
४ बीघा	=	एकघुमाउ
जापानीकोको	=	५ बुशलकेक़रीब
चीनीटेल	=	१⅓ आंस
रूसीवर्स्ट	=	६⅔ मील
मिस्रीरतल	=	८९ पाउ
केलोमेटर	=	११०९३गज के
मीटर	=	१गज ३⅓ के करीब
फैदम	=	२ गज गहराई
लाग = ३मील	=	३ नाट
टांक	=	४ माशे
दिरम	=	३ माशे
गरशाही	=	२१ माशे
एकमिलियन		दस लाख

कपड़ेका बौंत

इतना लगेगा–इससे जियादा दर्जी को मत दो–अपने सामने कटवाने की जरुरत नहीं
जिस नाप का कपड़ा सिलवाओऔर जिस अर्ज का खरीदो उसके सामने देखलो–घर जियादा रक्खो तो उतना और समझदो

नाम कपड़ा		२२ ग्रह अर्ज		१८ ग्रह अर्ज		१ गज अर्ज		१२ ग्रह अर्ज		८ ग्रह अर्ज	
		गज	ग्रह	गज	ग्रिह	गज	ग्रिह	गज	ग्रिह	गज	ग्रिह
कोट	१८ ग्रिह नीचा	२		२	८	३	०	४	७	५	४
	१६ ग्रिह नीचा	१	१२	२	[illegible]	२	१२	३	८	४	१२
	१६ ग्रिह नीचा	१	८	२	[illegible]	२	८	३	१४	३	१४
	१२ ग्रिह नीचा	१	०	१	[illegible]	१	८	२	०	३	०
	१० ग्रिह नीचा	०	१०	एक गज		१	२	१	८	२	४
कुरता	१६ ग्रिहनीचा	१	८	१	१०	२		२		४	
	१२ग्रिहनीचा	१	२	१	४	१	५	१	१४	३	३
	८ ग्रिह नीचा	आधगज		आध गज			१२	१	०	१	१०
पजामा	१९ ग्रिह नीचा	१	७	२		२	०	२	६		
	१७ ग्रिह नीचा	१	३	१	१३	१	१२	२	२		
	१४ ग्रिह नीचा	१	[illegible]	१	०	१	७	१	१२		
	१० ग्रिह नीचा		२१		१२		१२	०	१५		

صرافی تحریر کے حروف

گورمکھی زبان کے حروف

گجراتی زبان کے حروف

અ આ ઇ ઈ ઉ ઊ એ ઐ

ઓ ઔ અં અઃ

ક ખ ગ ઘ ચ છ જ ઝ

ટ ઠ ડ ઢ ણ ત થ દ ધ

ન પ ફ બ ભ મ ય ર લ

વ શ ષ સ હ ળ

بنگلہ زبان کے حروف

অ আ ই ঈ উ ঊ এ ঐ

ও ঔ

ক খ গ ঘ ঙ

চ ছ জ ঝ ঞ

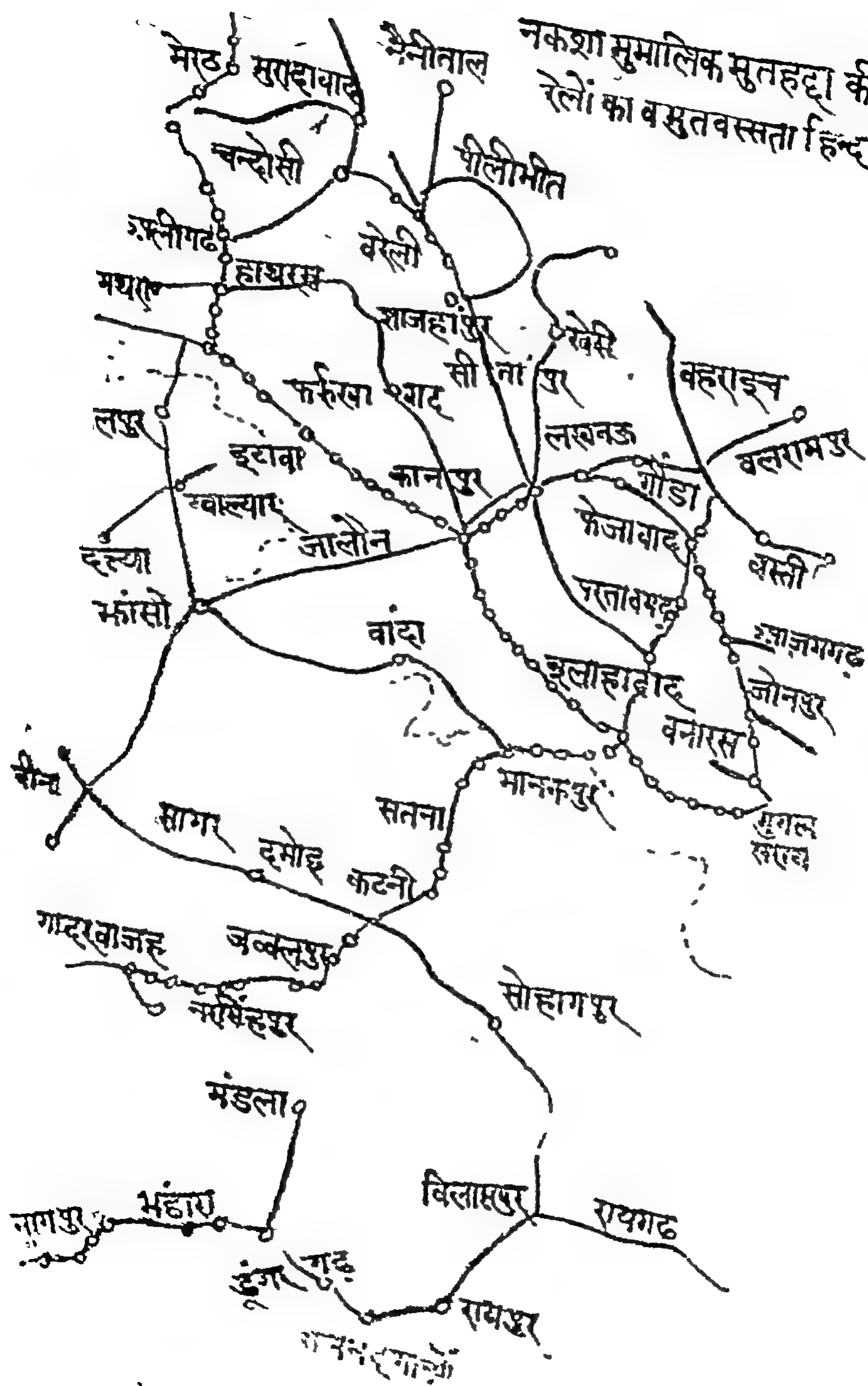
ট ঠ ড ঢ ণ

ত থ দ ধ ন

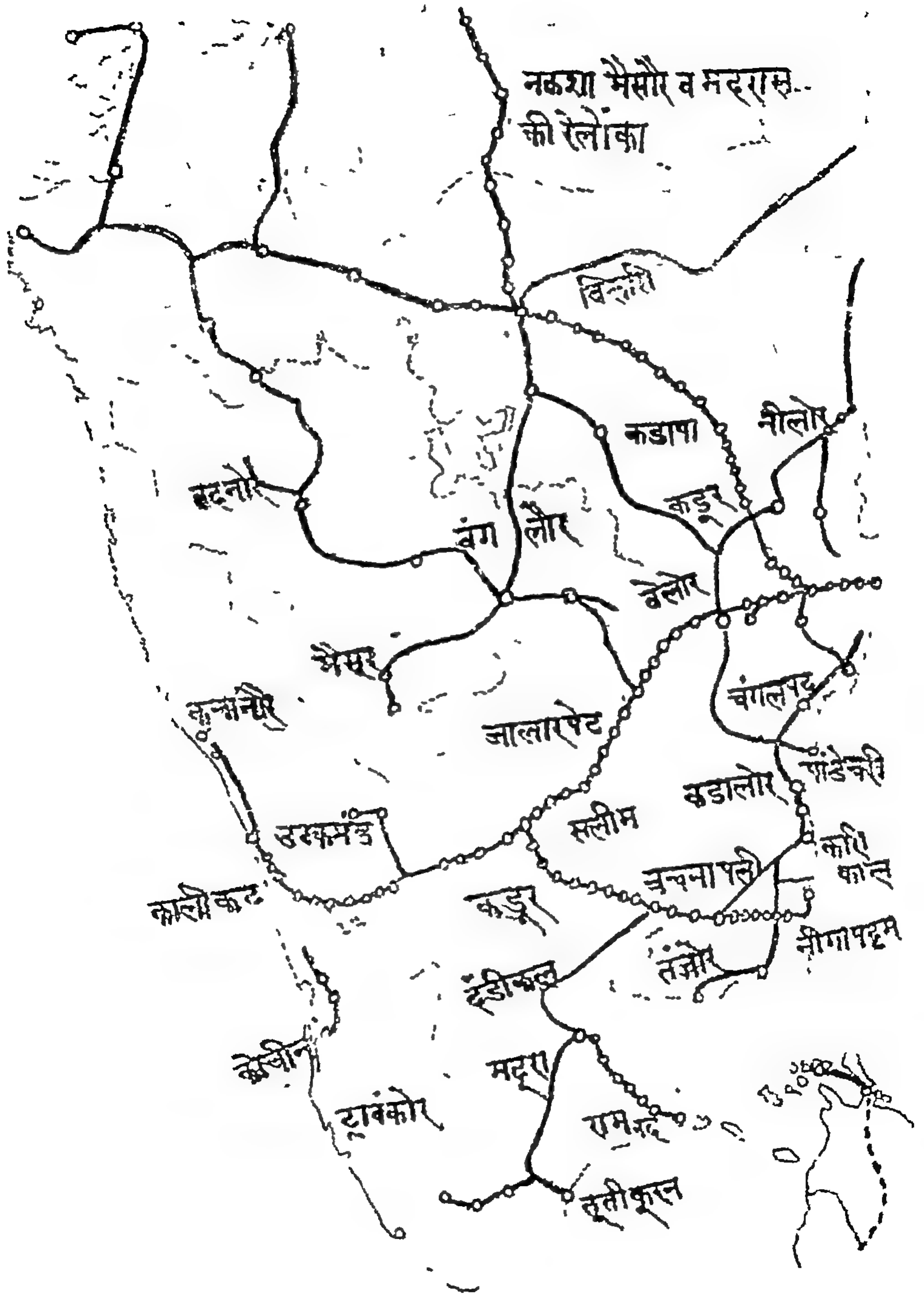
প ফ ব ভ ম

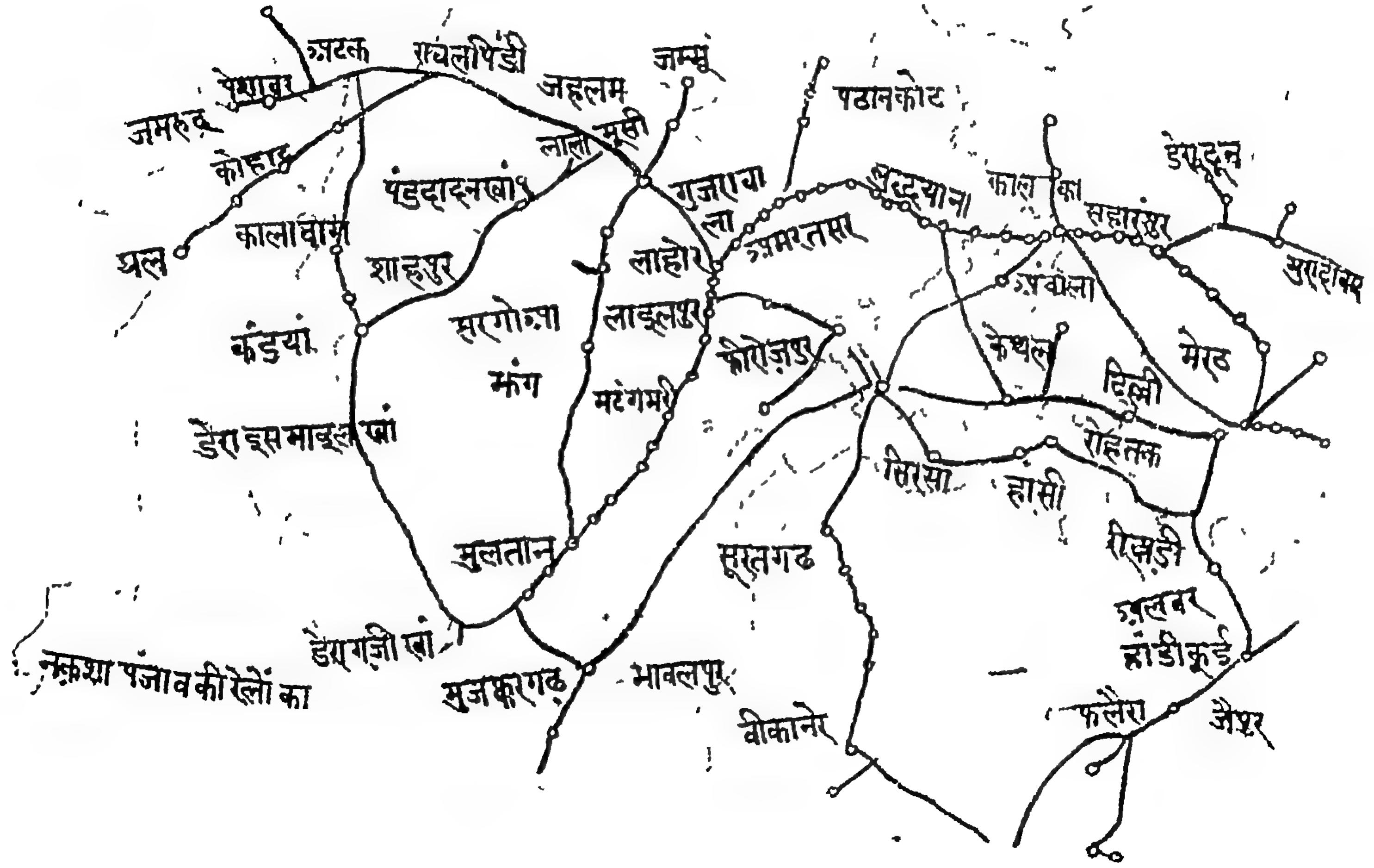
য র ল ব শ

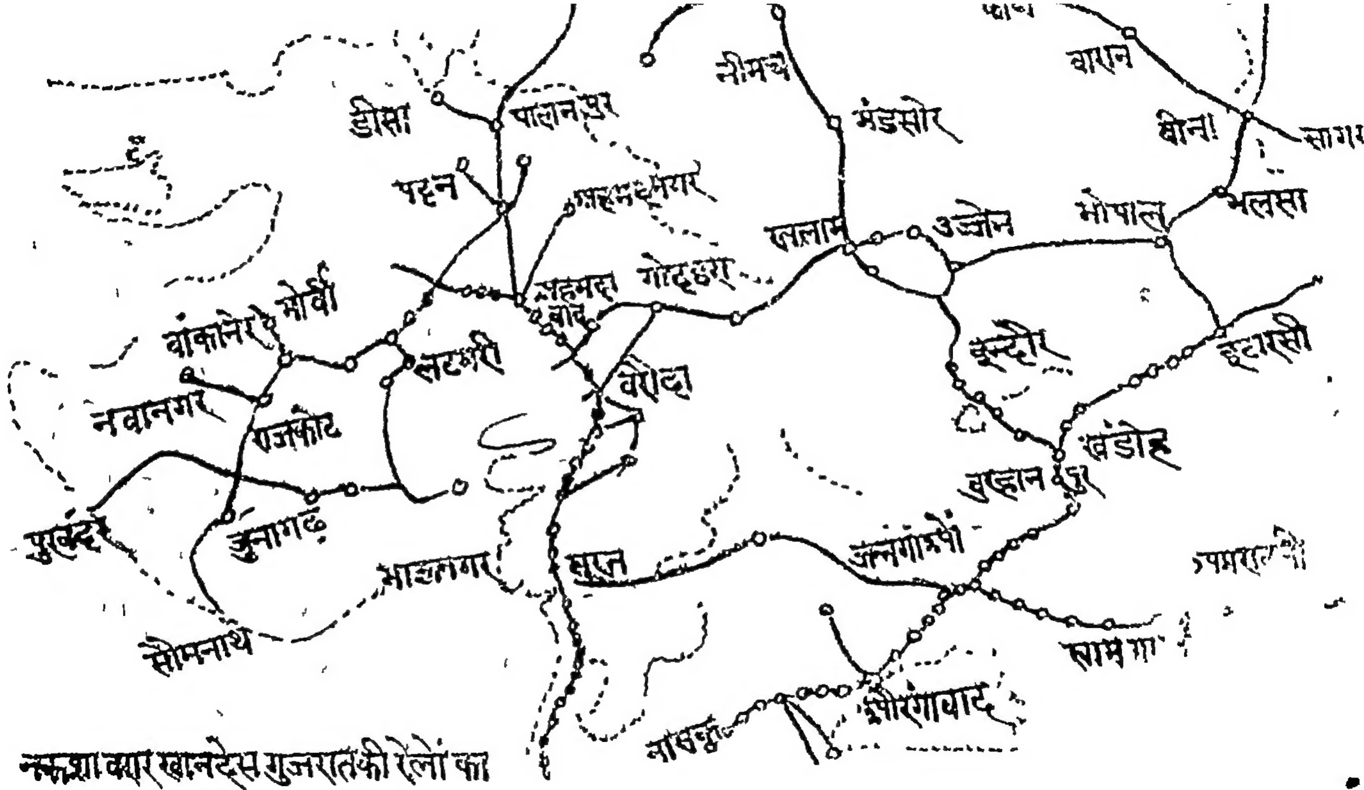
ষ সং হং ক্ষ ং



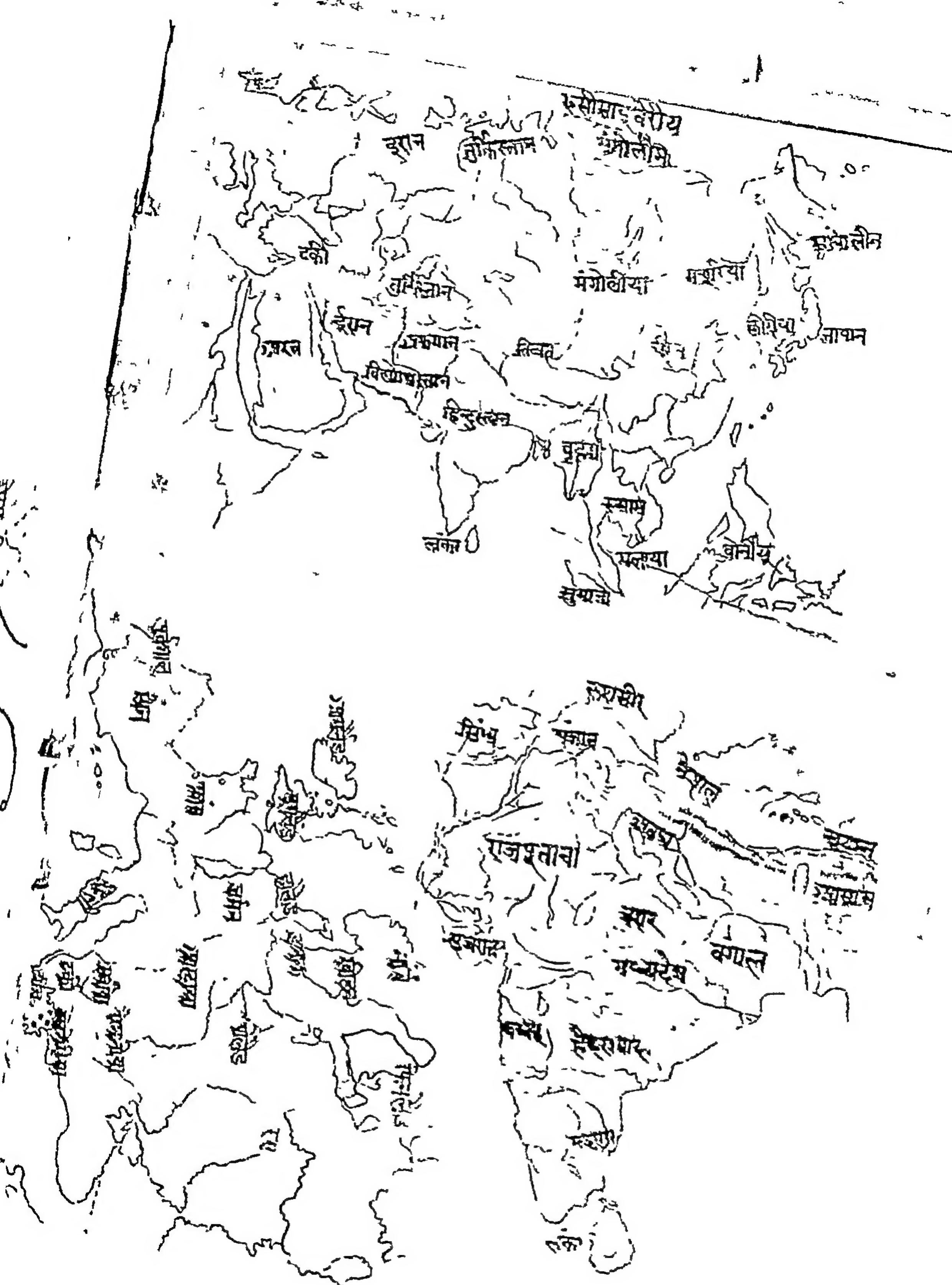
नकशा मुमालिक मुतहद्दा की
रेलों का बमुतवस्सता हिन्द
मेरठ
मुरादाबाद
नैनीताल
चन्दोसी
पीलीभीत
अलीगढ़
बरेली
मथुरा
हाथरस
शाहजहाँपुर
खेरी
सीतापुर
फर्रुखाबाद
बहराइच
लखनऊ
बलरामपुर
इटावा
कानपुर
गोंडा
ग्वालियर
जालौन
फैजाबाद
बस्ती
दतिया
झांसी
प्रतापगढ़
बांदा
आजमगढ़
इलाहाबाद
जौनपुर
बनारस
मानिकपुर
बीना
सागर
सतना
मुगल सराय
दमोह
कटनी
जब्बलपुर
नरसिंहपुर
सोहागपुर
मंडला
बिलासपुर
रायगढ़
भंडारा
डूंगरगढ़
रायपुर


नकशा मैसौर व मदरास
की रेलोंका
कडापा
नीलोर
बंग लोर
वेलोर
मैसूर
जालारपेट
चंगलपट
पांडेचरी
कडालोर
सलीम
कालीकट
तंजोर
मदूरा
ट्रावंकोर
तूतीकुरन

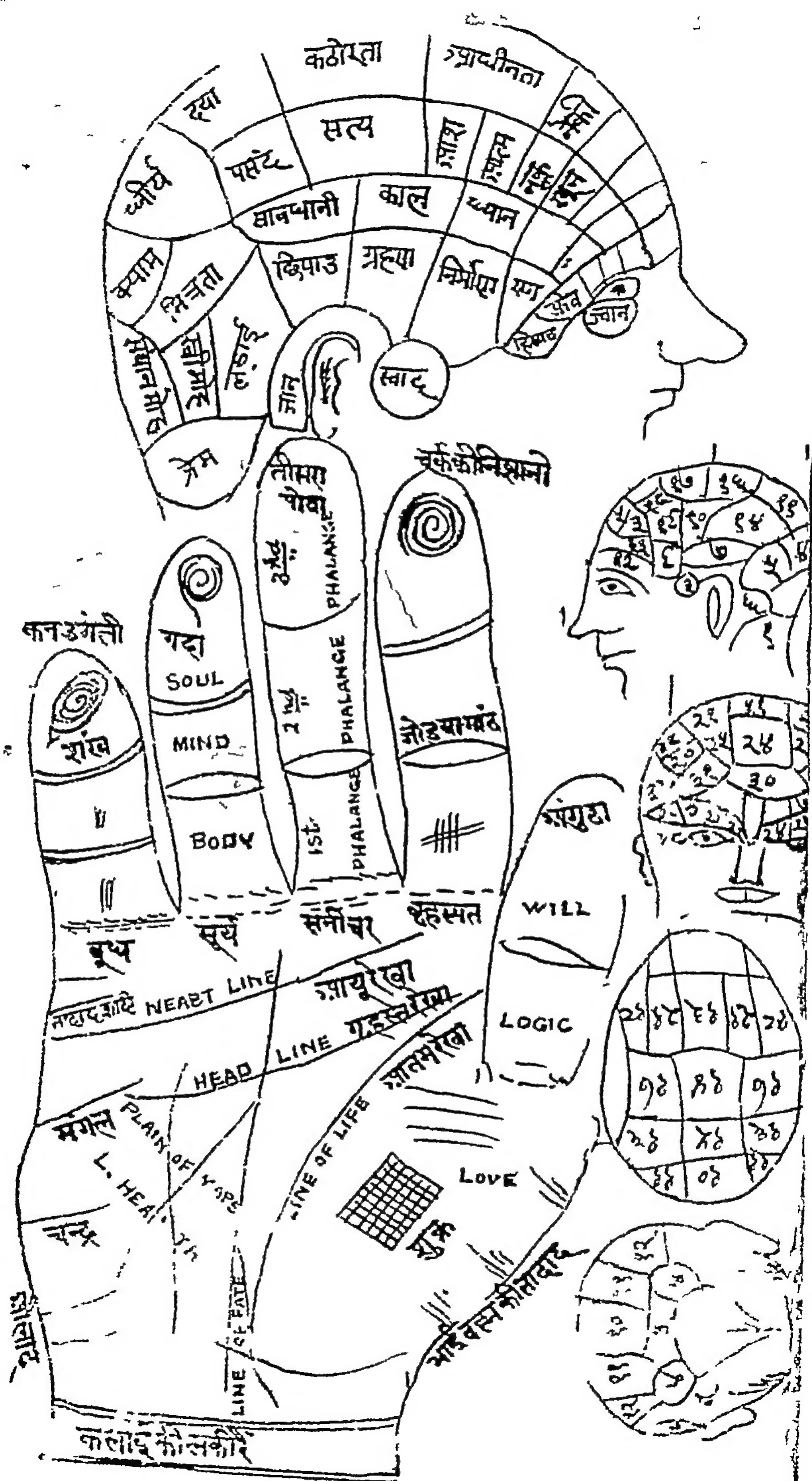

नक्शा पंजाब की रेलों का
जमरूद
पेशावर
अटक
रावलपिंडी
जहलम
जम्मू
पठानकोट
कोहाट
लाला मूसा
पंडदादनखां
कालाबाग
शाहपुर
गुजरांवाला
लाहोर
अमरतसर
लुधियाना
सहारनपुर
देहरादून
मुरादाबाद
कंडयां
सरगोधा
झंग
लायलपुर
फीरोज़पुर
अंबाला
कैथल
मेरठ
दिल्ली
डेरा इस्माइल खां
मंटगमरी
रोहतक
सिरसा
हांसी
मुलतान
सूरतगढ़
रिवाड़ी
अलवर
बांदीकुई
डेरा गाज़ी खां
मुजफ्फरगढ़
भावलपुर
बीकानेर
फलेरा
अजमेर



डीसा
पालनपुर
नीमच
मंडसोर
बीना
सागर
पट्टन
रतलाम
उज्जैन
भोपाल
भलसा
मोर्वी
बांकानेर
नवानगर
राजकोट
गोदरा
बड़ोदा
इटारसी
जूनागढ़
सूरत
सोमनाथ
औरंगाबाद
नक्शा क्वार खानदेस गुजरात की रेलों का



तूरान
टर्की
ईरान
अरब
तिब्बत
मंगोलीया
जापान
हिन्दुस्तान
लंका
मलाया
सुमात्रा
राजपूताना
मध्यप्रदेश
बंगाल


कठोरता
दया
सत्य
पसंद
सावधानी
काल
ध्यान
छिपाउ
ग्रहण
निर्माण
स्वाद
ज्ञान
प्रेम
तीसरा पोवा
PHALANGE
SOUL
MIND
BODY
1ST PHALANGE
PHALANGE
अंगुठा
WILL
LOGIC
LOVE
बुध
सूर्य
शनीचर
HEART LINE
आयुरेखा
HEAD LINE
LINE OF LIFE
मंगल
चन्द्र
शुक्र
LINE OF FATE